भाद्रपद, पक्ष - शुक्ल, तिथि - चतुर्थी, संवत 2082 जयपुर, बुधवार वर्ष-11, अंक-26, 27 अगस्त - 2 सितम्बर, 2025 मूल्य ₹ 5/- वार्षिक मूल्य : ₹ 250/- पृष्ठ : 8+2

भारत सरकार एवं राजस्थान सरकार से सरकारी विज्ञापनों के लिए स्वीकृत

सकारात्मक साप्ताहिक हिन्दी अखबार

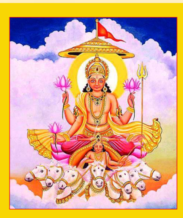

जागरूक जनता

ॐ गं गणपतये नमः

"वक्रतुण्ड महाकाय सूर्यकोटि समप्रभ। निर्विघ्नं कुरु मे देव सर्वकार्येषु सर्वदा॥"

भारत पर अमरीका की वक्र दृष्टि- युद्ध थोपने की योजना तो नहीं!

सटीक

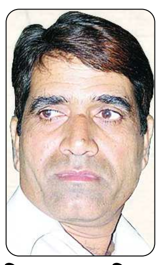

शिव दयाल मिश्रा
@jagrukjanta.net

जिस तरह पिछले दिनों घटनाक्रम भारत और अमरीका के बीच घटित हुआ है उसके पीछे क्या कारण हो सकते हैं। ये विचार आजकल भारत के प्रत्येक उस नागरिक के मन में उठ रहे हैं जो देश से प्यार करता है। आखिर ऐसा क्या हुआ, जो कुछ ही समय में अमरीका और भारत के प्रधान सेवक डोनाल्ड ट्रंप और नरेन्द्र मोदी एक-दूसरे के दुश्मन बन गए। कभी रूस से तेल खरीद को लेकर अमरीका भारत पर दबाव बनाता है तो कभी ट्रेड करने की बात करता है। कभी टेरिफ लगाता है। टेरिफ भी कोई सामान्य नहीं, असामान्य और दुनिया में सबसे ज्यादा टेरिफ भारत पर लगाने की घोषणा करदी और फाइल पर हस्ताक्षर भी कर दिए। पिछले कार्यकाल और वर्तमान में कुछ समय पहले तक ट्रंप और मोदी पगड़ी पल्टा यार की तरह नजर आ रहे थे। मगर जिसकी धोखा देने की आदत होती है वह तो अपने स्वभाव के अनुसार वैसा ही करेगा। भारत पर रूस से दूरी बनाने का दबाव बनाने के लिए पड़ौसी मुल्क पाकिस्तान के सेनाध्यक्ष को दो-दो बार अमरीका बुलाकर भारत के खिलाफ खड़ा कर दिया। हालांकि पाकिस्तान तो पहले से ही भारत के खिलाफ रहा है। मगर अमरीकी समर्थन के बाद और ज्यादा ही दुस्साहसिक हरकतें करेगा। जेलेंस्की और ट्रंप की बैठक में कोई नतीजा नहीं निकलता दिख रहा है। उसके बाद अमरीका ने फिर भारत के खिलाफ टेरिफ का हथोड़ा चलाना चाहा, मगर बारत में इस समय नरेन्द्र मोदी जैसा मजबूत प्रधानमंत्री है जो किसी के दबाव में आकर काम नहीं करते। इस बात को अमरीका बखूबी जान गया है। इस सबकी वजह रूस से तेल खरीद तो है ही। मगर, दूसरी ओर 'ऑपरेशन सिंदूर' के दौरान ट्रंप का सीज फायर कराने वाला झूठा बयान देना जिसे भारत ने सिरे से नकार दिया, नोबल पुरस्कार प्राप्त करने में बाधा बनता दिख रहा है। दूसरी ओर जिस तरह यूक्रेन को झूठी दिलासा देकर युद्ध में झोंक कर बर्बाद कर दिया है वैसे ही यह भारत को अस्थिर करने के लिए अपनी चाल चल रहा है। 'ऑपरेशन सिंदूर' के दौरान पाकिस्तान स्थित कराना हिल्स में रखे परमाणु हथियारों को भारतीय सेना ने उड़ा दिया था वे हथियार संभवतः पाकिस्तान के नहीं होकर अमरीका के थे, जो युद्ध की स्थिति में रूस को टारगेट करने के लिए छुपा रखे थे। इससे भी उसकी बेइज्जती हुई है। वहीं भारत की जासूसी करने आया अमरीका का फाइटर जेट एफ-35 भी भारत ने जाम कर दिया था और कई दिनों तक भारत में ही कबाड़ बनकर खड़ा रहा। इन तमाम बातों से दुनिया में किरकिरी होना अमरीका को बर्दाश्त नहीं हो रहा है। क्योंकि कुछ समय पहले ईरान में भी उसकी बमबारी सफल नहीं हुई। तो उसने पाकिस्तान को आसान मोहरा बनाकर भारत के खिलाफ युद्ध शुरू करने की प्लानिंग शुरू कर दी है। हालांकि अमरीका की दादागिरी खत्म करने के लिए भारत-रूस-चीन का त्रिगुट बन रहा है। अगर ऐसा हुआ तो अमरीका अवसान की ओर जाता नजर आएगा।

shivdayalmishra@gmail.com

भारत पर अमेरिका का आज से 50% टैरिफ

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

नई दिल्ली। अमेरिका 27 अगस्त 2025 से भारत से आयातित श्रम प्रधान वस्तुओं जैसे झींगा, वस्त्र, चमड़ा और आभूषण पर 50% भारी टैरिफ लागू करने जा रहा है। इस कदम से भारत के अमेरिका को होने वाले करीब आधे निर्यात पर गंभीर प्रभाव पड़ेगा। भारत और अमेरिका के बीच कुल USD 86 अरब के व्यापार में से ज्यादातर श्रम-प्रधान वस्तुओं पर यह टैरिफ लागू होगा। हालांकि, फार्मास्यूटिकल्स, इलेक्ट्रॉनिक्स और पेट्रोलियम जैसे कुछ महत्वपूर्ण उत्पाद इस टैरिफ से मुक्त रहेंगे। पीटीआई की खबर के मुताबिक, यूएस सरकार की आधिकारिक घोषणा के अनुसार, यह नया टैरिफ 27 अगस्त को आधी

रात 12:01 बजे (ईस्टर्न डेलाइट टाइम) से प्रभावी होगा। फिलहाल भारत से अमेरिका भेजे जाने वाले माल पर 25% टैरिफ पहले से है, जिसमें अब रूस से कच्चे तेल और सैन्य उपकरण खरीदने पर लगे प्रतिबंध के तहत अतिरिक्त 25 प्रतिशत जुड़ जाएगा।

भारत के श्रम-प्रधान क्षेत्रों पर होगा बड़ा असर

जुलाई में भारत के अमेरिका निर्यात में करीब 20% की बढ़ोतरी

खबर के मुताबिक, निर्यातक इस भारी टैरिफ को "प्रतिबंधात्मक" बता रहे हैं और चिंता जता रहे हैं कि इससे भारत के उत्पाद अमेरिकी बाजार में अपनी प्रतिस्पर्धा खो देंगे। वहीं, बांग्लादेश, वियतनाम, श्रीलंका, कंबोडिया और इंडोनेशिया जैसे देश कम टैरिफ का लाभ उठाकर बाजार में बढ़त बनाएंगे। टैरिफ बढ़ने से पहले कुछ कंपनियां तेजी से माल अमेरिका भेज रही हैं, जिसका असर जुलाई के व्यापार आंकड़ों में देखा गया।

रोकना पड़ सकता है उत्पादन

चमड़ा और फुटवियर उद्योग के एक अधिकारी ने कहा कि इस टैरिफ के कारण कंपनियों को कर्मचारियों की छंटनी करनी पड़ सकती है और उत्पादन रोकना पड़ सकता है, जब तक भारत और अमेरिका के बीच प्रस्तावित द्विपक्षीय व्यापार समझौते पर स्पष्टता नहीं आती। यह समझौता दोनों देशों के बीच व्यापार को USD 191 अरब से बढ़ाकर स्ष्ठ 500 अरब करने का लक्ष्य रखता है। ज्वेलरी उद्योग के एक निर्यातक ने बताया कि अमेरिका सबसे बड़ा बाजार होने के कारण रोजगार कटौती अनिवार्य होगी।

ओसवाल ग्रुप निदेशक अजय जैन से बातचीत

अखाद्य तेल की कीमतों में आ रहे उछाल से गड़बड़ाएगा घरेलू बजट

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

इंपोर्ट-एक्सपोर्ट टैक्स में असंगति जिम्मेदार

जयपुर। तेल की अंतरराष्ट्रीय और घरेलू कीमतों में अचानक आई तेजी से उपभोक्ताओं पर महंगाई का नया बोझ पडने् वाला है। बीते कुछ दिनों में अखाद्य (औद्योगिक उपयोग के) तेल की कीमतों में औसतन 20 से 25 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है। इससे न केवल घर का बजट बिगड़ेगा, बल्कि रोज़मर्रा के उपभोग वाले उत्पादों की लागत पर भी सीधा असर पड़ेगा। इस विषय में ओसवाल सोप ग्रुप के निदेशक अजय जैन का मानना है कि तेल से जुड़े उद्योग जैसे साबुन, डिटर्जेंट, कॉस्मेटिक्स उत्पादों की उत्पादन लागत बढने् से बाजार में इनके दाम 10 प्रतिशत से अधिक बढ़ सकते हैं। पहले से ही महंगाई से जूझ रहे उपभोक्ताओं को आने वाले समय में जरूरी सामान और महंगे होने की संभावना है। जैन ने कहा कि नेपाल से आयातित तैयार माल ड्यूटी फ्री होने की वजह से और यहां की मिलों में उत्पादन लागत अधिक होने से माल महंगा बैठ रहा है। ये स्थिति सरकार की इम्पोर्ट एवं एक्सपोर्ट टैक्स की विसंगति की वजह से उत्पन्न हो रही है। जैन ने बताया कि अगर यह स्थिति लंबे समय तक जारी रही तो देश के और अधिक परिवार प्रभावित होंगे। विशेष रूप से निचले आय वर्ग के लोग सबसे ज्यादा दबाव में आएंगे। इससे न केवल उपभोक्ताओं की क्रय क्षमता घटेगी, बल्कि भारत की समग्र अर्थ व्यवस्था पर भी असर पड़ेगा। वहीं कच्चे तेल व आयात लागत पर नियंत्रण नहीं हुआ तो आने वाले महीनों में महंगाई दर भी और अधिक बढ़ सकती है। सरकार और उद्योग जगत से उम्मीद की जा रही है कि उपभोक्ताओं पर बोझ कम करने के लिए जरूरी कदम उठाए जाएँ।

मणिशंकर ऑयल मिल के निदेशक मनोज मुरारका से बातचीत

विदेशों पर निर्भरता से बढ़ रही खाद्य तेलों में महंगाई

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

घरेलू उत्पादन पर ध्यान नहीं देना भी एक कारण

जयपुर। इस दौरान बाजार में खाद्य तेलों में तेजी देखने को मिल रही है। इस बढ़ती महंगाई से आम उपभोक्ता की जेब पर भार बढ़ने से घरेलू बजट गड़बडा रहा है। खाद्य तेलों के बढ़ते दामों पर मणिशंकर ऑयल मिल के निदेशक मनोज मुरारका से जब खाद्य तेलों की बढ़ती कीमतों के बारे में पूछा तो उन्होंने बताया कि इस समय देश में 60-65 प्रतिशत खाद्य तेल आयात किया जा रहा है। जबकि वर्ष 90-95 में हम खाद्य तेल के मामले में आत्म निर्भर थे। लेकिन इस समय हम दूसरों पर निर्भर हो गए। इसका प्रभाव ये पड़ा कि हम प्राइज मेकर के बजाए प्राइज टेकर हो गए। प्राइज टेकर हो गए तो हमें दूसरों के अनुसार ऑयल खरीदना ही पड़ेगा। मोरारका ने कहा कि बाहर वाले देश जैसे अमरीका, ब्राजील, इंडोनेशिया एवं मलेशिया से हम ऑयल आयात करते हैं। यहां एडीबल ऑयल ज्यादा उत्पादन होता है जिसके कारण इन्होंने बायोफ्यूल में इसे मिलाना प्रारंभ कर दिया। 5 प्रतिशत से प्रारंभ कर 30 प्रतिशत तक एडीबल ऑयल मिलाया जा रहा है। कहीं-कहीं तो 40 प्रतिशत तक एडीबल ऑयल का बॉयोफ्यूल बनाना शुरू कर दिया है। इस समय खाद्य तेलों का बहुत ज्यादा इंडस्ट्रीयल यूज में लेने एवं बायोफ्यूल बनाने में उपयोग होने लग गया। इसके विपरीत हमारे देश में घरेलू उत्पादन पर कभी काम नहीं किया। ऐसे में निर्यातक देशों में खाद्य तेलों की खपत ज्यादा हो जाती है तो यहां बाजार में एकदम से कमी हो जाती है। इन परिस्थितियों में निर्यातक देश खाद्य तेलोंके भाव बढ़ा देते हैं और हमें उनकी कीमतों पर तेल आयात करना पड़ता है। जैसे अभी अमरीका ने कह दिया कि हम एडीबल आयल को 40 प्रतिशत तक फ्यूल ऑयल के उत्पादन में ले जाएंगे। ऐसी स्थिति में माल की कमी और महंगाई का बढ़ना स्वाभाविक है। इससे आम उपभोक्ता की जेब पर असर पड़ेगा। सरकार को चाहिए कि वह खाद्य तेलों में आत्मनिर्भरता के लिए इस ओर ध्यान देना चाहिए।

जागरूक जनता
ऑन लाइन पढ़ने के लिए स्कैन करें
ई-पेपर व अन्य खबरें देखें
jagrukjanta.net

हाईपरबारिक ऑक्सीजन थैरेपी (HBOT) ने जगाई उम्मीद

असाध्य रोगों का इलाज हुआ आसान-डॉ. रमेश अग्रवाल

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। यह सर्वविदित तथ्य है कि ऑक्सीजन है तो मानव जीवन है। लेकिन जब शरीर के अंगों को पर्याप्त आक्सीजन नहीं मिलेगी तो ऊतक यानि शरीर की सूक्ष्म कोशिकाएं क्षतिग्रस्त होने लगेंगी तो शरीर में भी कई प्रकार की असाध्य बीमारियां होने लगती हैं। ऐसे मामलों में हाइपरबारिक ऑक्सीजन थैरेपी (Hyperbaric Oxygen Therapy-HBOT) एक प्रभावी व रामबाण विकल्प के रूप में उभर रही है।

वरिष्ठ HBOT चिकित्सा विशेषज्ञ डॉ. रमेश अग्रवाल ने चिकित्सा के बारे में बताया कि इस थैरेपी में मरीज को विशेष हाइपरबारिक चेंबर में बैठाकर लगभग 90 मिनट तक नियंत्रित उच्च वायुदाब में शुद्ध ऑक्सीजन दी जाती है। इससे शरीर के प्लाज्मा में ऑक्सीजन की मात्रा 10 से 15 गुना तक बढ़ जाती है, जो उन ऊतकों तक भी पहुंचती है जहां सामान्य परिस्थितियों में ऑक्सीजन आपूर्ति नहीं हो पाती है। HBOT थैरेपी विशेष रूप से गहरे और नहीं भरे जा सकने वाले घाव, डायबिटिक फुट, गैंग्रीन, ब्रेन स्ट्रोक, सेरेबल पाल्सी, रेडिएशन के दुष्प्रभाव, अचानक सुनने की क्षमता कम होना, सूजन, रक्त के थक्के और एंटी-एजिंग व सेल रिपेयर जैसी स्थितियों में कारगर पाई गई है।

इस चिकित्सा से न केवल घाव भरने की प्रक्रिया को तेज हो जाती है अपितु नई रक्तवाहिकाओं के निर्माण (Neoangiogenesis) में भी मदद होती है। इंफ्लेमेशन को कम करता है, प्रतिरक्षा प्रणाली को मजबूत बनाता है और सेलुलर स्तर पर पुनर्जीवन को बढ़ावा देता है। कई मामलों में यह सर्जरी की आवश्यकता को भी टाल देता है। पश्चिमी देशों में लंबे समय से चिकित्सा मान्यता प्राप्त यह पद्धति अब भारत में भी लोकप्रिय हो रही है और जटिल रोगों से जूझ रहे मरीजों के लिए नई उम्मीद साबित हो रही है। इस चिकित्सा के संबंध में डॉ. रमेश अग्रवाल से मो. नं. 9829017133 पर सम्पर्क किया जा सकता है।

जागरूक खबरें

सोलहवीं राजस्थान विधान सभा का चतुर्थ सत्र 1 सितम्बर से

जयपुर @ जागरूक जनता। सोलहवीं राजस्थान विधान सभा के चतुर्थ सत्र की बैठकें सोमवार, दिनांक 1 सितम्बर से आरंभ होगी। इससे पहले राजस्थान विधान सभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने गुरुवार, 28 अगस्त को दोपहर 12:30 बजे विधान सभा में अपने वैश्म में सर्वदलीय बैठक बुलाई है। इस बैठक में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा, नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली, संसदीय कार्य मंत्री जोगाराम पटेल, सरकारी मुख्य सचेतक जोगेश्वर गर्ग, प्रतिपक्ष के मुख्य सचेतक रफीक खान, बसपा के मनोज कुमार, भारत आदिवासी पार्टी के थावर चन्द और रालोद के डॉ. सुभाष गर्ग को आमंत्रित किया गया है।

विधान सभा अध्यक्ष श्री वासुदेव देवनानी की राजस्थान विधान सभा में सदन चलाने के लिये सर्वदलीय बैठक का आयोजन ऐतिहासिक पहल है। श्री देवनानी ने विधान सभा अध्यक्ष का पदभार संभालने के बाद लोकसभा की तर्ज पर राजस्थान विधान सभा में भी सर्वदलीय बैठक बुलाये जाने का निर्णय लिया था। राजस्थान विधान सभा में पहली बार सोलहवीं विधान सभा से आरंभ हुई यह सर्वदलीय बैठक चौथी बार हो रही है। श्री देवनानी इस सर्वदलीय बैठक की अध्यक्षता करेंगे। श्री देवनानी ने कहा कि राजस्थान विधान सभा का यह पवित्र सदन प्रदेश की आठ करोड जनता का प्रतिनिधित्व करता है। सदन की कार्यवाही को आम जनता देखती है। सदन को सुचारू रूप से चलाने के लिए सभी राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों से सुझाव लिए जाएंगे।

जिला प्रभारी मंत्री जोगाराम पटेल ने निकाली ऑनलाइन लॉटरी

जयपुर जिले से 4,905 वरिष्ठ नागरिक करेंगे तीर्थ यात्रा

526 नागरिका हवाई जहाज से, 4,379 नागरिक रेल से करेंगे तीर्थ यात्रा

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। राजस्थान सरकार की वरिष्ठ नागरिक तीर्थ यात्रा योजना-2025 के तहत जयपुर जिले के 4 हजार 905 वरिष्ठ नागरिकों को निःशुल्क तीर्थ यात्रा का अवसर मिलेगा। मंगलवार को देवस्थान मंत्री जोराराम कुमावत की मौजूदगी में जिला प्रभारी मंत्री जोगाराम पटेल ने ऑनलाइन लॉटरी निकालकर सफल आवेदकों की घोषणा की।

प्रभारी मंत्री जोगाराम पटेल ने कहा कि मुख्यमंत्री श्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में प्रदेश सरकार हर वर्ग के कल्याण के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि वरिष्ठ नागरिक हमारी धरोहर हैं। उनके जीवनभर के अनुभव और आशीर्वाद से समाज व देश आगे बढ़ता है। सरकार का यह प्रयास है कि हमारे वरिष्ठ जन अपनी जीवन यात्रा के इस पड़ाव पर धर्म, आस्था और आध्यात्मिक ऊर्जा से जुड़ सकें। तीर्थ यात्रा योजना न केवल धार्मिक स्थल दर्शनों का अवसर प्रदान करती है, बल्कि वरिष्ठ नागरिकों के मनोबल को भी सशक्त करती है।

उन्होंने बताया कि इस योजना के तहत हवाई यात्रा एवं रेलयात्रा सहित प्रदेश के कुल 56 हजार वरिष्ठ नागरिकों को यात्रा का अवसर दिया जा रहा है, जिसमें से जयपुर जिले के 4 हजार 905 वरिष्ठ नागरिक लाभान्वित होंगे। इनमें से 526 यात्री हवाई मार्ग से काठमांडू स्थित पशुपतिनाथ मंदिर की यात्रा करेंगे, जबकि 4 हजार 379 यात्री रेल मार्ग से विभिन्न तीर्थ स्थलों की यात्रा करेंगे। योजना के तहत जयपुर जिले के कुल आवेदन 11 हजार 378 एवं कुल यात्री 18 हजार 423 प्राप्त हुए। उन्होंने बताया कि रेल यात्रा के लिए चयनित वरिष्ठ नागरिकों को हरिद्वार-ऋषिकेश-अयोध्या-वाराणसी -सारनाथ, सम्मेदशिखर-पावापुरी-वाराणसी-सारनाथ, मथुरा-वृंदावन-बरसाना-आगरा-अयोध्या, द्वारकापुरी-नागेश्वर-सोमनाथ, तिरुपति-पदमावति, कामाख्या-गुवाहाटी, गंगासागर-कोलकाता, जगन्नाथपुरी-कोणार्क, रामेश्वरम-मदुरई, वैष्णो देवी-अमृतसर-वाघा बोर्डर, गोवा के मंदिर एवं अन्य स्थल चर्च आदि, महाकालेश्वर-उज्जैन-ओंकारेश्वर-त्रयम्बकेश्वर-घृष्णेश्वर-ऐलोरा, बिहार शरीफ, पटनासाहिब पटनाबिहार, श्री हजुर साहिब नांदेड़ जैसे प्रमुख तीर्थ स्थलों का दर्शन करवाया जाएगा।

राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान में राजस्थान राज्य क्रीड़ा परिषद के साथ एमओयू

खिलाड़ियों के लिए स्वास्थ्य सेवाएं हो बेहतर-शर्मा

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान, जयपुर के शरीर रचना विभाग द्वारा 6 दिवसीय सीएमई कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ। उद्घाटन समारोह की अध्यक्षता कुलपति प्रो. संजीव शर्मा ने की, कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के रूप में आयुष एवं पंचायती राज विभाग के शासन सचिव डॉ. नीरज कुमार पवन उपस्थित रहे।

इस अवसर पर राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान और राजस्थान राज्य क्रीड़ा परिषद के मध्य एक एमओयू पर हस्ताक्षर किए गए। इस अवसर पर कुलपति प्रोफेसर संजीव शर्मा ने कहा इस साझेदारी का उद्देश्य खिलाड़ियों के लिए स्वास्थ्य सेवाओं को और बेहतर बनाना है। इसके अंतर्गत खेल संबंधी चोट प्रबंधन, पुनर्वास, प्रदर्शन में सुधार, निवारक देखभाल के साथ-साथ योग एवं प्राणायाम के माध्यम से समग्र स्वास्थ्य संवर्द्धन पर कार्य किया जाएगा। साथ ही, खेल आयुर्वेद में अनुसंधान परियोजनाएँ, दस्तावेज़ीकरण, पाठ्यक्रम विकास और प्रशिक्षण के अवसर भी विकसित किए जाएंगे।

शरीर रचना विभाग के विभगाध्यक्ष प्रोफेसर सुनील यादव ने बताया कि यह पहल खिलाड़ियों के शीघ्र स्वास्थ्य लाभ और समग्र स्वास्थ्य सेवा के नए आयाम स्थापित करेगी। साथ ही साक्ष्य-आधारित अनुसंधान एवं शैक्षणिक विकास को बढ़ावा देगी और खेल एवं युवा विकास में आयुर्वेद की भूमिका को रेखांकित करेगी। कार्यक्रम के दौरान "शरीर मीमांसा जर्नल ऑफ रचना शरीर" का भी विमोचन किया गया, जिसमें शरीर रचना विषय से जुड़े शोध आलेख प्रकाशित होंगे। इस छह दिवसीय सीएमई में देशभर से आए 30 प्रशिक्षार्थी और 15 संसाधन विशेषज्ञ व्याख्यान देंगे। उद्घाटन सत्र में प्रो. संजीव शर्मा व डॉ. नीरज कुमार पवन के साथ राजस्थान राज्य क्रीड़ा परिषद के सचिव राजेन्द्र सिंह सिसोदिया, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) नई दिल्ली की प्रो. अरुंधती शर्मा और डॉ. एस.आर.आर.ए. जोधपुर के प्रो. राकेश शर्मा भी उपस्थित रहे। सीएमई के दौरान जेनेटिक्स, प्लास्टीनेशन, रेडियोलॉजी, देहदान सहित कई विषयों पर विशेषज्ञ व्याख्यान होंगे।

राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान, जयपुर में "आयुर्वेद आहार" विषय पर छह दिवसीय सीएमई कार्यक्रम प्रारंभ

जयपुर @ जागरूक जनता। राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान (एनआईए), जयपुर में "आयुर्वेद आहार" विषय पर आधारित छह दिवसीय सतत चिकित्सा शिक्षा (सीएमई) कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ। कार्यक्रम का उद्देश्य आहार के माध्यम से स्वास्थ्य संरक्षण और रोग प्रबंधन में आयुर्वेद के सिद्धांतों को आधुनिक संदर्भ में समझना और प्रचारित करना है। कार्यक्रम का उद्घाटन एनआईए के कुलपति प्रो. संजीव शर्मा ने किया। उन्होंने अपने उद्घाटन भाषण में कहा कि आयुर्वेद में "आहार" को जीवन का मूल आधार माना गया है। उन्होंने जीवनशैली संबंधी विकारों से निपटने के लिए पारंपरिक आहार पद्धतियों को वैज्ञानिक रूप से पुनः संरचित करने की आवश्यकता बताई। प्रो. मीता कोटेचा ने आयुर्वेद आहार के लिए नियामक दिशानिर्देश और गुणवत्ता मानकों को तय करने की जरूरत पर बल दिया।

प्रतिभा सम्मान समारोह में 70% से अधिक अंक लाने वाले विद्यार्थी और उत्कृष्ट शिक्षक सम्मानित

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

कोटपूतली। बियानी ग्रुप ऑफ कॉलेजेस की ओर से कोटपूतली में एक भव्य प्रतिभा सम्मान समारोह एवं मोटिवेशनल सेमिनार का आयोजन किया गया। इस अवसर पर 70% से अधिक अंक प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों तथा उत्कृष्ट कार्य करने वाले शिक्षकों को सम्मानित किया गया। यह कार्यक्रम शिक्षा एवं समाज में प्रेरणा का एक सशक्त स्रोत बनकर सामने आया।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि अतिरिक्त जिला कलेक्टर ओ.पी. सहारण, पुलिस अधीक्षक कोटपूतली देवेंद्र बिश्नोई, विधायक ललित यादव, विशिष्ट अतिथि के रूप में पूर्व संसदीय सचिव रामस्वरूप कसाना, जिला शिक्षा अधिकारी राम सिंह यादव, भाजपा नेता मुकेश गोयल, भाजपा नेत्री एवं ओबीसी प्रकोष्ठ प्रदेश मीडिया प्रभारी अंजू सैनी, श्री श्री 1008 श्री मंगलदास महाराज, सीताराम जी महाराज तथा भाजपा नेत्री राधा पटेल उपस्थित रहे। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रो. संजय बियानी (काउंसलर एवं यूथ मोटिवेशनल गुरु, निदेशक- अकादमिक, बियानी ग्रुप ऑफ कॉलेजेस), असिस्टेंट डायरेक्टर सीए अभिषेक बियानी, असिस्टेंट डायरेक्टर सीए साक्षी बियानी, प्राचार्य व डीन डॉ ध्यान सिंह गोठवाल तथा ने की। प्रो. संजय बियानी ने अपने प्रेरणादायक संबोधन में कहा कि नौजवानों को केवल किताबी ज्ञान और परीक्षा में प्राप्त अंकों पर ध्यान देने के बजाय व्यवहारिक ज्ञान तथा अपनी आंतरिक क्षमताओं के विकास पर जोर देना चाहिए। उन्होंने कहा कि शिक्षकों के मार्गदर्शन और छात्रों की मेहनत से ही समाज की सही दिशा तय होती है। समारोह में विभिन्न विद्यालयों के सैकड़ों प्रतिभाशाली छात्र-छात्राएँ, शिक्षकगण, अभिभावक एवं गणमान्य नागरिक बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। इस आयोजन ने शिक्षा और सम्मान की संस्कृति को सुदृढ़ करते हुए, विद्यार्थियों को मंच प्रदान करने का सराहनीय कार्य किया। कार्यक्रम का सफल मंच संचालन एडवोकेट विकास जागल ने किया।

राज्य सरकार द्वारा मण्डियों में कृषि जिंस के क्रय-विक्रय पर लगाये गये यूजर चार्ज के विरोध में आन्दोलन तेज

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। बीते दिनों एक अधिसूचना जारी कर गैर अधिसूचित कृषि जिंसों एवं खाद्य पदार्थों पर मण्डियों में ऋय-विक्रय करने पर यूजर चार्ज संधारित किया गया है। एक मण्डी से दूसरी मण्डी में विक्रय या खरीद या कृषि जिंस ले जाने पर यूजर चार्ज दोबारा लगेगा। यूजर चार्ज को ऋेता व विक्रेता को अपनी लागत में जोड़ना होगा। इससे उपभोक्ता पर दोहरा भार पड़ेगा।

कोर कमेटी ने राजस्थान में हो रही भारी बारिश के कारण मण्डियों में पानी भरने और किसान का माल भीगने को देखते हुए आज सोमवार दिनांक 25-08-2025 को मण्डियों के व्यापारियों को जो यूजर चार्ज से प्रभावित है उन व्यापारियों/मण्डियों को छोड़कर निर्देश दिये गये हैं कि मण्डियां खोलें तथा किसान का माल भीगने नहीं दें। यदि किसी कारणवश किसान का माल भीग गया है तो उसे मण्डी में सुखाने की व्यवस्था करें। जां तक संभव हो किसान द्वारा मण्डी में लागयी गयी कृषि जिंस का तुरन्त विक्रय किया जायें। यह भी आदेश दिया था कि अतिवृष्टि के कारण व्यापारी की कोई क्षति होती है तो राज्य सरकार उसका भरण शीघ्र करें। मण्डियों में आज व्यापार सुचारू रहा।

राजस्थान खाद्य पदार्थ व्यापार संघ की आज फोन पर आयोजित मीटिंग में सुझाव आया है कि राज्य सरकार को यूजर चार्ज हटाने के लिये शनिवार तक का समय दे दिया जायें। यदि सकारात्मक फैसला आता है तो ठी है नहीं तो आगे आन्दोलन जारी रखा जायें। सर्वसम्मति से निर्णय किया गया कि शनिवार दिनांक 30-09-2025 तक राज्य सरकारद यूजर चार्ज हटाने के संबंध में सकारात्मक सोच के साथ फैसला करें। यदि ऐसा करने में सरकार विफल होती है तो राजस्थान खाद्य पदार्थ व्यापार संघ राजस्थान के व्यापारियों की मीटिंग आमंत्रित कर यूजर चार्ज के विरोध में आन्दोलन को अधिक तीव्र करने का फैसला लेने के लिये बाध्य होगा। सरकार तुरन्त प्रभाव से विषय की गम्भीरता को देखते हुए शीघ्र फैसला करें। ताकि मण्डियों में किसान व्यापारियों, उद्योगपतियों और बल्क कन्ज्यूमर को किसी तरह की परेशानी का सामना नहीं करना पड़े। यदि राज्य सरकार यूजर चार्ज को समाप्त नहीं करती है और इस तरह के आदेश समय रहते निकालने में विफल रहती है तो व्यापारियों का इन मण्डियों से आटा, मैदा, सूजी, बेसन, दालें, तेल, मसाले आदि के व्यापारियों का मण्डी के बाहर पलायन सुनिश्चित है। सैकण्डी मार्केट विभिन्न तरह के व्यापार चलाकर ही आबाद किये जा सकते हैं। यह बात सरकार को समझनी चाहिए और यूजर चार्ज पर शीघ्र फैसला करना चाहिए।

पीस पैलेस में 2 दिवसीय रक्तदान शिविर : 170 यूनिट रक्तदान

रक्तदान महादान है-दीया कुमारी

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। ब्रह्मा कुमारीज की प्रथम मुख्य प्रशासिका दादी प्रकाशमणि की 18वीं पुण्य स्मृति दिवस पर ब्रह्मा कुमारीज की पीस पैलेस, श्रीनिवास नगर, वी. के आइ, 6 नंबर रोड, शाखा द्वारा एस.एम.एस ब्लड बैंक एवं संतोकबा दुर्लभ जी ब्लड बैंक द्वारा 170 यूनिट रक्त संग्रह किया गया।

ब्रह्मा कुमारीज की प्रथम मुख्य प्रशासिका दादी प्रकाशमणि की 18वीं पुण्य स्मृति दिवस पर समाज सेवा प्रभाग द्वारा चलाए रक्तदान महाअभियान के अंतर्गत ब्रह्मा कुमारीज की पीस पैलेस, श्रीनिवास नगर, वी. के आइ, 6 नंबर रोड शाखा में भी दो दिवसीय 24 एवं 25 अगस्त रक्तदान का भव्य आयोजन रहा। इसमें क्षेत्र के सभी रक्तदाताओं ने बढ़-चढ़कर भाग लिया अथवा कार्यक्रम को खूब सराहा।

शिविर का शुभारंभ 24 अगस्त को राजस्थान के उप-मुख्यमंत्री दिया कुमारी द्वारा किया गया।जिनका स्वागत सेवा केंद्र प्रभारी ब्र कु हेमलता बहन ने पुष्पगुच्छ देकर, मीना बहन और कविता बहन व अजमेर संभाग से ब्रह्म कु रूपा बहन, आशा बहन ने तिलक, माला, दुपट्टा वा साफा पहनाकर किया तथा वरिष्ठ उद्योगपति ब्र.कु मदनलाल शर्मा ने ईश्वरीय प्रसाद व सौगात चिन्ह देकर आभार प्रकट किया। कार्यक्रम में अनेक गणमान्य जन भी उपस्थित रहे।

दिया कुमारी ने प्रकाशमणि दादी जी को पुष्पांजलि अर्पित की व दीप प्रज्वलित कर ब्रह्माकुमारी संस्था को बधाई दी और अपने संबोधन में उन्होंने सभी रक्तदातों व संस्था को बधाई दी और कहा कि रक्तदान महादान है। यह संस्था सदा से ही समाज के हित में कई प्रकार के कार्यक्रम करती आई है और यहां पर सिखाया जाने वाला राजयोग मेडिटेशन वर्तमान समय की परिस्थितियों में तनाव मुक्त रहने का सहज साधन है। जिसे सभी को अपने जीवन शैली का हिस्सा बनाना चाहिए। उन्होंने रक्तदाताओं को व संस्था के कार्यकर्ताओं को भी बधाई दी।

पीस पैलेस सेवाकेंद्र में राजस्थान के प्रमुख अस्पताल, एस.एम.एस ब्लड बैंक एवं संतोकबा दुर्लभ जी ब्लड बैंक द्वारा 170 यूनिट रक्त संग्रह किया गया।

कार्यक्रम में संस्था के सदस्यों के अलावा अन्य संस्थाएं, संगठन व आर्मी के लेफ्टिनेंट राहुल जोशी 30 रक्तदाताओं के साथ पहुंचे। सेवाकेंद्र प्रभारी ब्रह्माकुमारी हेमलता बहन ने कार्यक्रम को सफल बनाने वाली सभी सहयोगी संस्थाओं का दिल से धन्यवाद किया।

विश्वविद्यालयों में उच्च शिक्षा की गुणवत्ता और नई शिक्षा नीति क्रियान्वयन संबंधी समीक्षा बैठक आयोजित

शैक्षिक उत्कृष्टता के लिए निरंतर कार्य हो, राजस्थान देश का अग्रणी राज्य बने-बागड़े

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने प्रदेश के विश्वविद्यालयों में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के लिए कुलगुरुओं को व्यक्तिगत रुचि लेकर शैक्षिक उत्कृष्टता के लिए कार्य करने का आह्वान किया है। उन्होंने विश्वविद्यालयों में नामांकन के बाद विद्यार्थियों की उपस्थिति सुनिश्चित करने, इस हेतु अच्छे ढंग से पढ़ाने, रोजगारोन्मुख पाठ्यक्रमों से उन्हें जोड़ने आदि के लिए भी कार्य करने पर जोर दिया। उन्होंने राजस्थान को उच्च शिक्षा में देश का अग्रणी राज्य बनाने के लिए कार्य करने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि जिन शिक्षण संस्थानों में सुधार नहीं होगा, उनके खिलाफ भी कड़े कदम उठाए जाएंगे।

राज्यपाल बागडे ने विश्वविद्यालयों में उच्च शिक्षा की गुणवत्ता और नई शिक्षा नीति के कार्यान्वयन के सम्बंध में मंगलवार को राजभवन में आयोजित समीक्षा बैठक में ये निर्देश दिए। उन्होंने विश्वविद्यालयों में नई शिक्षा नीति लागू करने, विश्वविद्यालयों में नैक एक्रिडिएशन की कार्यवाही पूर्ण करने, वहां उपलब्ध लैब, पुस्तकालय, खेल मैदानों और छात्रावास के बारे में भी विस्तार से जानकारी ली। उन्होंने कहा कि सभी विश्वविद्यालयों में एक समान प्रश्नपत्र और पाठ्यक्रम लागू किए जाने की व्यावहारिकता के बारे में भी सुझाव लिए। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय द्वारा गोद लिए गांवों को पिपलांत्री पैटर्न पर विकसित किया जाए। वहां पर अच्छे फलदार और छायादार पौधे लगाने तथा उन्हें विकसित करने व प्राकृतिक खेती के लिए लोगों को प्रोत्साहित कर कार्य किया जाए। राज्यपाल ने विश्वविद्यालयों में शोध के अंतर्गत मौलिक दृष्टि रखे जाने पर विशेष ध्यान देने की आवश्यकता जताई। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालयों में पेंशन, वेतनमान आदि के लिए भी राज्य सरकार स्तर पर संवाद कर सकारात्मक प्रयास किए जाएंगे। उन्होंने निजी और राज्य वित्त पोषित विश्वविद्यालयों में गुणवत्तापूर्ण अध्ययन करवाने और रोजगारोन्मुखी प्रशिक्षण के लिए निरंतर कार्य करने की आवश्यकता जताई। उन्होंने कहा कि यह हमारा राष्ट्रीय दायित्व है कि हम विद्यार्थियों को देश का सुयोग्य नागरिक बनाएं।

बैठक में विश्वविद्यालयों में कुलगुरुओं के कार्यकाल की अवधि तीन से पांच वर्ष किए जाने संबंधित सुझावों के साथ बैठक में सभी विश्वविद्यालयों में प्रो वाइस चांसलर बनाने, वहां पर भविष्य के प्रशासनिक अधिकारी तैयार करने, नवाचारो के आलोक में भारतीय ज्ञान परम्परा के अंतर्गत भारत विद्या अनुसंधान केन्द्र शुरू किए जाने आदि पर भी चर्चा हुई।

अतिरिक्त मुख्य सचिव श्री कुलदीप रांका ने प्रदेश में विश्वविद्यालयों के लिए कॉमन भर्ती बोर्ड, डिजिटल कनेक्टिविटी और रोजगारोन्मुख पाठ्यक्रमों के लिए विशेष प्रयास किए जाने के सुझाव दिए। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय जो नवाचार करें, उसे विश्वविद्यालय पोर्टल पर डाला जाए। उन्होंने राज्य सरकार से जुड़े विश्वविद्यालयी मुद्दों के जल्द निस्तारण का भी विश्वास दिलाया। राज्यपाल के सचिव डॉ. पृथ्वी ने विभिन्न विश्वविद्यालयों से जुड़े विषयों और संबंधित कार्यों के बारे में विस्तार से अवगत कराया। विभिन्न विश्वविद्यालयों के कुलगुरुओं ने उच्च शिक्षा में नवाचार अपनाते हुए राज्य को उच्च शिक्षा में श्रेष्ठतम बनाए जाने से संबंधित सुझाव दिए।

राज्यपाल श्री बागडे ने बैठक के बाद राजस्थान पशु चिकित्सा एवं पशु विज्ञान विश्वविद्यालय के न्यूज लेटर का लोकार्पण किया। उन्होंने जयपुर नेशनल यूनिवर्सिटी के वाइस चांसलर प्रो. रोशन लाल रैना द्वारा लिखी पुस्तक का भी विमोचन किया।

सहकारिता मंत्रालय, भारत सरकार ने की 'सहकार से समृद्धि' की पहलों की समीक्षा

पहलों को क्रियान्वित करने में राजस्थान कर रहा उल्लेखनीय कार्य

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। सहकारिता मंत्रालय, भारत सरकार के सचिव डॉ. आशीष कुमार भूटानी ने कहा कि 'सहकार से समृद्धि' की पहलों को क्रियान्वित करने में राजस्थान उल्लेखनीय कार्य कर रहा है। उन्होंने कहा कि नवीन एम-पैक्स के गठन में राजस्थान ने बेहतरीन प्रदर्शन किया है। साथ ही, राज्य ने कई नवाचार भी किए हैं, जिन्हें अन्य राज्यों द्वारा भी अपनाया जा सकता है।

डॉ. भूटानी वीसी के माध्यम से 'सहकार से समृद्धि' के अंतर्गत क्रियान्वित की जा रही विभिन्न पहलों की क्रियान्विति की समीक्षा कर रहे थे। सहकारिता विभाग की प्रमुख शासन सचिव एवं रजिस्ट्रार, सहकारी समितियां मंजू राजपाल ने बैठक में अवगत कराया कि विश्व की वृहत् अन्न भण्डारण योजना के अंतर्गत वर्ष 2024-25 के बजट में घोषित 100 में से 76 गोदामों का निर्माण कार्य पूर्ण हो चुका है तथा शेष गोदामों का निर्माण प्रगतिरत है। वहीं, वर्ष 2025-26 के बजट में घोषित 100 गोदामों में से 56 की स्वीकृति जारी की जा चुकी है। उन्होंने बताया कि अब तक नैफेड द्वारा 68 एवं एनसीसीएफ द्वारा 49 गोदामों को किराये पर लेने हेतु आश्वासन पत्र दिया गया है। जिन पैक्स के पास गोदाम निर्माण के लिए भूमि उपलब्ध नहीं है, उन्हें भूमि उपलब्ध करवाने के लिए जिला कलक्टर्स से अनुरोध किया जा रहा है। राजपाल ने कहा कि राज्य में पैक्स कम्प्यूटराइजेशन का कार्य तीव्र गति से चल रहा है। इसमें विभिन्न स्तरों पर गैप्स को दूर करने के प्रयास किये जा रहे हैं। ऑफलाइन के बाद हुई ऑनलाइन ऑडिट से आंकड़ों में आया अंतर दूर होने के बाद ऑनलाइन ऑडिट में तेजी से प्रगति होगी। उन्होंने बताया कि सहकारिता में सहकार के अंतर्गत 34 अरबन को-ऑपरेटिव बैंकों में से 11 ऑन बोर्ड हो चुके हैं जबकि, 6 बैंकों ने एनयूसीएफडीसी की सदस्यता हेतु आवेदन किया है।

जयपुर विकास प्राधिकरण, जयपुर **विज्ञप्ति**

क्रमांकः जविप्रा/जोन-2/2025/डी-1353 **दिनांक : 25.08.2025**
सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि श्री मनीष कुमार मिश्रा पुत्र श्री ब्रह्मानन्द मिश्रा द्वारा माधव नगर गृह निर्माण सहकारी समिति की योजना जेपी कॉलोनी के भूखण्ड संख्या बी-309 कुल क्षेत्रफल 100 वर्ग गज का नाम हस्तानान्तरण पत्र जारी किये जाने हेतु आवेदन क्रमांक 235482 द्वारा निवेदन किया गया है। उक्त भूखण्ड की लीज डीड दिनांक 15.09.2006 को श्रीमती मंजू मिश्रा पत्नी स्व. श्री ब्रह्मानन्द मिश्रा को जारी किया गया है। जिसके पश्चात श्रीमती मंजू मिश्रा पत्नी स्व. श्री ब्रह्मानन्द मिश्रा द्वारा दिनांक 04.07.2025 को रजि. उपहार पत्र श्री मनीष कुमार मिश्रा पुत्र श्री ब्रह्मानन्द मिश्रा के पक्ष में किया गया। जिसके सम्बन्ध में दस्तावेज प्रस्तुत किये हैं। इस संबंध में यदि किसी व्यक्ति/संस्था/हितधारी को कोई आपत्ति हो तो विज्ञप्ति प्रकाशन दिनांक से 7 दिवस में अधोहस्ताक्षरकर्ता के समक्ष कमरा नम्बर पीबी-एसएफ-205 द्वितीय तल, पार्किंग स्थल जयपुर में आपत्ति/सुझाव प्रस्तुत कर दें। अन्यथा बाद-मियाद आवेदक के पक्ष में नाम हस्तान्तरण एवं फ्री होल्ड पट्टा कर दिया जायेगा। बाद मियाद पश्चात कोई आपत्ति स्वीकार नहीं होगी।
उपायुक्त जोन-2 जविप्रा, जयपुर

कर्मचारी चयन बोर्ड ने विभिन्न भर्तियों के मास्टर प्रश्न पत्र व उत्तर कुंजियां की जारी

ऑनलाईन आपत्तियां 28 से 30 अगस्त तक हो सकेगी दर्ज

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। राजस्थान कर्मचारी चयन बोर्ड ने 2 जून से 16 जून 2025 तक आयोजित विभिन्न भर्ती परीक्षाओं के मास्टर प्रश्न पत्र तथा इनकी प्रारम्भिक उत्तर कुंजियों बोर्ड की वेबसाइट www.rssb.rajasthan.gov.in पर जारी की हैं।

बोर्ड के सचिव डॉ. बी.सी. बधाल ने बताया कि राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन एवं राजस्थान मेडिकल एजुकेशन सोसायटी के विभिन्न संवर्ग के संविदा पद भर्ती परीक्षा-2025 की खण्ड कार्यक्रम अधिकारी, मेडिकल सामाजिक कार्यकर्ता, वरिष्ठ काउन्सलर, लेखा सहायक, फिजीयोथेरेपिस्ट सहायक, अस्पताल प्रशासक, रिहेबिलिटेशन कार्यकर्ता, ऑडियोलोजिस्ट, बायो मेडिकल इंजीनियर, सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारी, पब्लिक हैल्थ केयर नर्स, साईकेट्रिक केयर नर्स, डाटा ऐन्ट्री ऑपरेटर, सेक्टर स्वास्थ्य पर्यवेक्षक, मेडिकल लैब टेक्नीशियन, कंपाउन्डर आयुर्वेद, फार्मा सहायक, महिला स्वास्थ्य कार्यकर्ता एवं नर्स ग्रेड-2 भर्तियां इसमें शामिल हैं। साथ ही, पशुधन सहायक भर्ती-2024 और संविदा लेखा सहायक भर्ती-2024 के मास्टर प्रश्न पत्र तथा इनकी प्रारम्भिक उत्तर कुंजियां भी जारी की गई हैं। डॉ. बधाल ने बताया कि परीक्षार्थी ऑनलाइन आपत्तियां बोर्ड की वेबसाईट पर 28 अगस्त (00.01 बजे मध्य रात्रि) से 30 अगस्त (23.59 बजे मध्यरात्रि) तक दर्ज करवा सकते हैं। उन्होंने बताया कि विस्तृत जानकारी बोर्ड की वेबसाइट www.rssb.rajasthan.gov.in पर उपलब्ध है।

विलायती बबूल उन्मूलन के संबंध में वन विभाग, ग्रामीण विकास एवं अन्य संस्था प्रतिनिधियों की बैठक आयोजित

प्रदेश में विलायती बबूल का प्रभावी उन्मूलन आवश्यक

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। पंचायती राज मंत्री मदन दिलावर ने विभागीय अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि विलायती बबूल (प्रोसोपिस जूलीफ्लोरा) को जड़ सहित हटाने के लिए अध्ययन कर आवश्यक दिशा निर्देश जारी करें और इसके उन्मूलन के संबंध में ऐसे विकल्पों को तलाश करें जिससे इस दिशा में सेफ जोन में काम किया जा सके। उन्होंने कहा कि विलायती बबूल के उन्मूलन के लिए क्षेत्र चिन्हित कर चरणबद्ध रूप से काम किया जाए।

दिलावर ने मंगलवार को पंचायती राज सभागार में राज्य में विलायती बबूल उन्मूलन के संबंध में वन विभाग, ग्रामीण विकास एवं अन्य संस्था प्रतिनिधियों के साथ आयोजित बैठक में ये निर्देश दिए। पंचायती राज मंत्री ने कहा कि राज्य सरकार का लक्ष्य केवल विलायती बबूल को काटना नहीं, बल्कि उनकी जड़ों को पूरी तरह से खत्म करना है ताकि दोबारा न उगें। उन्होंने कहा कि आज हमारे सामने विलायती बबूल खतरा साबित हो रहा है। प्रदेश में बहुतायत में उग आया विलायती बबूल अब अपने आसपास किसी अन्य वनस्पति को पनपने नहीं दे रहा है, इसलिए इसका प्रभावी उन्मूलन आवश्यक है।

उन्होंने कहा कि इस पेड़ के कारण खेती की मिट्टी अनुपजाऊ बन जाती है। विलायती बबूल ने चारागाह क्षेत्र को भी नष्ट कर दिया है। इस पेड़ के कारण किसानों को पशु चराने में बड़ी समस्या से गुजरना है पड़ता है। विलायती बबूल का एक पौधा उग जाता है तो उसके आसपास बहुत सारे पौधे उगते हैं जो अन्य वनस्पति को विकसित नहीं होने देते हैं।

उन्होंने विलायती बबूल के उन्मूलन के लिए वर्तमान में उपलब्ध वैधानिक प्रावधानों और नीतियों पर चर्चा की और कहा कि इन विलायती बबूल को हटाने का सरकार अपने स्तर पर प्रयास कर रही है। कुछ अड़चनें हैं, उन्हें दूर कर इनको भी निकालने की कोशिश करेंगे। बैठक में इससे संबंधित उत्पादों ईंधन, चारकोल, पशु आहार आदि के बारे में चर्चा की गई। बैठक में पंचायती राज के शासन सचिव एवं आयुक्त डॉ. जोगाराम, वाटरशेड निदेशक मोहम्मद जुनैद, कर्ण नरेन्द्र कृषि विश्वविद्यालय, जोबनेर के कुलगुरु बलराज सिंह सहित अन्य विभागीय अधिकारीगण एवं इस क्षेत्र में कार्य कर रही विभिन्न संस्थाओं के प्रतिनिधिगण उपस्थित रहे।

उपराष्ट्रपति निर्वाचन लड़ने वाले अभ्यर्थियों की सूची राजस्थान राजपत्र विशेषांक में प्रकाशित

जयपुर @ जागरूक जनता। उपराष्ट्रपति निर्वाचन, 2025 के लिए रिटर्निंग अधिकारी और राज्य सभा महासचिव पी.सी. मोदी द्वारा जारी निर्वाचन लड़ने वाले अभ्यर्थियों की सूची गत 25 अगस्त को जारी की गई। राजस्थान के मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवीन महाजन ने बताया कि इसका पुनः प्रकाशन राजस्थान राजपत्र विशेषांक दिनांक 25 अगस्त,2025 में किया गया है।

आईटी मंत्री कर्नल राज्यवर्धन राठौड़ ने उपलब्धि की सराहना की

'राजकिसान साथी' प्रोजेक्ट को मिला राष्ट्रीय सीआईपीएस इनोवेशन अवार्ड

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। राजस्थान सरकार के सूचना प्रौद्योगिकी और संचार विभाग ने एक और गौरवशाली उपलब्धि हासिल की है। विभाग की 'राजकिसान साथी' परियोजना को प्रतिष्ठित राष्ट्रीय सीआईपीएस इनोवेशन अवार्ड 2024 से सम्मानित किया गया है। यह सम्मान जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने श्रीनगर में आयोजित समारोह में प्रदान किया।

सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री कर्नल राज्यवर्धन राठौड़ ने इस उपलब्धि पर टीम को बधाई देते हुए नवाचारों की सराहना की और भविष्य में भी सभी एप्लिकेशंस में नवीनतम तकनीकों को सम्मिलित करने के लिए प्रोत्साहित किया। उन्होंने कहा कि यह पुरस्कार राजस्थान सरकार के नवाचार और किसान कल्याण के प्रति समर्पण को दर्शाता है। हमारा उद्देश्य किसानों सहित समाज के प्रत्येक वर्ग को सूचना प्रौद्योगिकी के माध्यम से एक ही मंच पर सभी सुविधाएं उपलब्ध कराना है, ताकि उन्हें राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ आसानी से, पारदर्शिता के साथ, तेज गति से और घर बैठे मिल सके।

कर्नल राज्यवर्धन राठौड़ ने कहा कि राजकिसान साथी ने डिजिटल कृषि शासन में एक नया मानक स्थापित किया है। इसने किसानों को सशक्त बनाया है, मानवीय हस्तक्षेप को कम किया है, और सेवाओं की पारदर्शी एवं समयबद्ध आपूर्ति सुनिश्चित की है। राजस्थान को गर्व है कि प्रदेश ने किसानों और हितधारकों के लिए प्रौद्योगिकी-आधारित ईकोसिस्टम बनाने में देश में उदाहरण प्रस्तुत किया है।

राजकिसान साथी परियोजना-किसानों के लिए क्रांतिकारी कदम

राज किसान साथी राजस्थान सरकार द्वारा विकसित एक अभिनव सिंगल विंडो ऑनलाइन इंटीग्रेटेड पोर्टल है, जिसे "ईज़ ऑफ डूइंग फार्मिंग" की परिकल्पना को "ईज़ ऑफ डूइंग बिज़नेस" की तर्ज पर साकार करने के लिए शुरू किया गया है। यह पोर्टल कृषि एवं सहायक विभागों के 120 से अधिक ऑनलाइन मॉड्यूल्स पूरी तरह से पेपरलेस और फेसलेस ईकोसिस्टम के माध्यम से उपलब्ध कराता है। राजस्थान इस प्रकार का एकीकृत ढांचा विकसित करने वाला देश का पहला राज्य बना है।

राज किसान साथी किसानों को डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर योजनाओं, लाइसेंसिंग सेवाओं, गुणवत्ता नियंत्रण, डिजिटल सलाह व अन्य सेवाओं तक आसान पहुंच प्रदान करता है। इस प्रणाली से 1320 टन कागज की बचत, डीबीटी भुगतान में 33 गुना वृद्धि, रियल-टाइम आवेदन ट्रैकिंग, तथा डिजिटलीकरण के माध्यम से धोखाधड़ी में कमी जैसे उल्लेखनीय लाभ मिले हैं। जियो-टैग्ड वेरिफिकेशन, एआई/एमएल आधारित फसल रोग प्रबंधन, ऑनलाइन लाइसेंसिंग तथा किसानों के दरवाज़े पर सीड मिनीकिट वितरण जैसे नवाचारों से कृषि सेवा वितरण में पारदर्शिता और दक्षता सुनिश्चित

JETHI TECH SOLUTIONS
Follow Us: @jethitech
ADDING WINGS TO YOUR BUSINESS

BULK SMS - Lowest Price
Buy 1 Lakh SMS @ Rs.12000/-
With FREE Control Panel
@ 12 Paisa Per SMS
LIFETIME VALIDITY

WEDDING INVITATION
1 Invitation Video for Whatsapp
10,000 Bulk SMS
1 Social HashTag Creation
1 Whatsapp Direct Chat Link
1 Landing Page
Send Digital Invitations At One Click

START-UP PACKAGE
Dynamic Website
+ Domain & Hosting(1 Year)
+ Social Media Profile Creation
+ Social Media Management* (1 Year)
+ 3 WhatsApp Stickers
+ WhatsApp Chat Direct Link
+ Local Business Listing
+ Logo Design
All For Just Rs.35,000/- + GST

Digial Branding/Marketing
★ Youtube Marketing ★ Website Development
★ Digital Marketing ★ Android Development
★ Whatsapp Marketing ★ Software Development
★ Bulk SMS Marketing ★ Social Media Management

MSGJET
SCHOOL Management System

Corporate Branding/Identity
★ Visiting Cards ★ ID Cards ★ Letterhead ★ Calendars ★ Pen Stand ★ Mugs
★ Pamphlets ★ Banners ★ Envelope ★ Diary ★ Paper Weights ★ T-Shirts
★ Bill Book ★ Brochure ★ Signages ★ Bags ★ Pen ★ Many More...

Financial Services: Business Loan, Home Loan, CC Limit, Mortgage Loan

WE ARE Google Partner | AdWords Analytics | Marketing Partner | Accredited Professional Bing ads

DIGITAL MARKETING | CORPORATE BRANDING | PRINT MEDIA
WEBSITE DESIGN/DEVELOPMENT | SOFTWARE DEVELOPMENT
ANDROID/iOS APPS | BULK SMS | CRM/ERP SOFTWARE

INIDIA: 1C, Rajputana Marg, Kalyanpuri, Jhotwara, Jaipur-12
USA: 11923 NE Summer St. Portland, Oregon, 97220, USA
+91-7976625313, +1(503) 8788224 || www.jethitech.com || sales@jethitech.com

सम्पादकीय

अमेरिका की धमकी के बीच भारत और चीन राइट ट्रैक पर

चीन के विदेश मंत्री वांग यी की भारत यात्रा से दोनों देशों के रिश्तों में नई सहजता देखने को मिल रही है। भारत के नजरिये से यह बेहद अहम है कि चीन ने रेयर अर्थ मिनरल्स और फर्टिलाइजर्स के निर्यात पर लगाई बंदिशों में छूट देने पर हामी भर दी है। इन दोनों ही चीजों के लिए देश आयात पर निर्भर करता है। व्यापार के लिए सीमा के कुछ रास्ते खोलने का फैसला भी स्वागत योग्य है।

वांग यी ऐसे वक्त में भारत आए, जब पूरी दुनिया में समीकरण तेजी से बन-बिगड़ रहे हैं। दोनों देशों पर अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप की टैरिफ नीतियों का असर पड़ा है और इसी वजह से उम्मीद भी थी कि इस दौरे से कुछ सकारात्मक हासिल हो सकता है। रेयर अर्थ मिनरल्स आज की टेक्नॉलजी की जरूरत हैं और इन पर लगभग पूरी तरह से चीन का कब्जा है। दुनिया की जरूरत की 90% सप्लाई चीन से आती है। इसमें भी 60% वह खुद प्रोड्यूस करता है। भारत भी अपनी जरूरत के लगभग 80% रेयर अर्थ के लिए चीन पर निर्भर है।

चीन के विदेश मंत्री वांग यी की भारत यात्रा से रिश्तों में सुधार दिख रहा है। चीन ने रेयर अर्थ मिनरल्स और फर्टिलाइजर्स के निर्यात पर लगी रोक में ढील दी है। व्यापार के लिए सीमा के कुछ रास्ते खुलेंगे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जल्द ही चीन जाएंगे, जहाँ राष्ट्रपति शी चिनफिंग से मिलेंगे।

इस साल अप्रैल में पेइचिंग ने अमेरिकी नीतियों के विरोध में रेयर अर्थ एलिमेंट्स के निर्यात पर कड़ाई कर दी थी। इससे पूरी दुनिया में ऑटोमोटिव और डिफेंस सेक्टर पर असर पड़ा। भारत भी इससे प्रभावित हुआ। इसी तरह, फर्टिलाइजर्स के मामले में भी चीन पर निर्भरता बहुत ज्यादा है। 2024-25 में देश ने कुल आयात का 19.17% डाई-अमोनियम फास्फेट (DAP) चीन से मंगाया था। भारतीय किसान यूरिया के बाद सबसे ज्यादा इस्तेमाल इसी खाद का करते हैं। इस दौरे की अच्छी बात यह रही कि दोनों पक्षों ने एक-दूसरे की चिंताओं को समझा। जिन मुद्दों को लेकर हाल में आशंकाएं उठी हैं, उन पर खुलकर चर्चा हुई। भारत ने आतंकवाद और ब्रह्मपुत्र पर बन रहे बांध का मामला उठाया। वहीं, ताइवान पर चीन को आश्वस्त किया कि उसकी 'वन चाइना पॉलिसी' बदली नहीं है। बाकी दुनिया की तरह उसके भी ताइवान के साथ आर्थिक, तकनीकी और सांस्कृतिक संबंध हैं।

भारत और चीन का रिश्ता ऐसा है, जिसके एकदम से गर्मजोशी से भर जाने की उम्मीद नहीं की जा सकती। दोनों के बीच सीमा विवाद का पुराना इतिहास है, बॉर्डर पर अब भी भारी संख्या में सैनिक आमने-सामने हैं, पाकिस्तान समर्थित आतंकवाद का मसला भी है। अच्छी बात यह है कि दोनों देशों में संवाद जारी है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को इसी 31 तारीख को चीन जाना है। SCO समिट से इतर उनकी मुलाकात चीनी राष्ट्रपति शी चिनफिंग से भी होगी। तब एक बड़ा मौका होगा, जहां दोनों पड़ोसी आपसी सहयोग को नई दिशा दे सकते हैं।

गोर की नियुक्ति नई चुनौती - ट्रंप से नजदीकी के चलते बढ़ी कूटनीतिक चिंताएं

दिलीप शर्मा
पत्रकार
@jagrukjanta.net

अमेरिका द्वारा भारी भरकम शुल्क लगाने के बीच दोनों देशों के संबंधों पर नजर रखने वाले लोगों ने ट्रंप के करीबी होने के कारण गोर के नामांकन को भारत के लिए एक अच्छा अवसर बताया है।

» जागरूक जनता
jagrukjanta.net

सर्जियो गोर को भारत में अमेरिका का राजदूत और दक्षिण एवं पश्चिम एशियाई मामलों का विशेष दूत बनाए जाने की घोषणा के बाद भारत के लिए कुछ नई चुनौतियां खड़ी हो गई हैं। फिलहाल भारत और अमेरिका के द्विपक्षीय संबंध नाजुक दौर से गुजर रहे हैं, ऐसे में गोर की नियुक्ति के बाद हालात और जटिल हो सकते हैं। व्हाइट हाउस में कार्मिक मामले के विभाग के प्रमुख गोर की नियुक्ति को अभी अमेरिकी संसद के ऊपरी सदन सीनेट की मंजूरी मिलनी बाकी है। उनकी नियुक्ति कई कारणों से चौंकाने वाली है जिसे देखते हुए भारत सरकार को एक सतर्क रुख के साथ आगे बढ़ना होगा।

पहली बात, 38 वर्षीय गोर को कूटनीति या विदेश मामलों का अनुभव नहीं है। अगर उनके पास ये अनुभव होते तो वह भारत जैसे बड़े एवं विविधता वाले देश के लिए स्वतः ही राजदूत के रूप में एक अच्छे विकल्प होते। व्हाइट हाउस में अपना रुतबा जमाने से पहले गोर रिपब्लिकन पार्टी के कई दिग्गज राजनीतिज्ञों के साथ काम कर चुके थे। उसके बाद वह पार्टी के 'मागा' (मेक अमेरिका ग्रेट अगेन) गुट के साथ जुड़ गए। डॉनल्ड ट्रंप को राष्ट्रपति बनाने के अभियान को समर्थन देने वाले शुरुआती लोगों में गोर भी शामिल रहे थे।

गोर ने एक राजनीतिक कार्य समिति का संचालन किया और ट्रंप की कई पुस्तकें भी प्रकाशित कीं। ट्रंप के प्रति उनकी निष्ठा के दम पर राष्ट्रपति कार्यालय में गोर की धाक जम गई जहां उन्हें संघ सरकार में महत्त्वपूर्ण पदों पर नियुक्तियों के लिए उम्मीदवारों की पृष्ठभूमि खंगालने की जिम्मेदारी मिली। गोर राष्ट्रपति ट्रंप के सर्वाधिक भरोसेमंद लोगों में शुमार हो गए और ट्रंप प्रशासन में कुछ वरिष्ठ लोग तो उनसे सावधान भी रहने लगे। अमेरिका द्वारा भारी भरकम शुल्क लगाने के बीच दोनों देशों के संबंधों पर नजर रखने वाले लोगों ने ट्रंप के करीबी होने के कारण गोर के नामांकन को भारत के लिए एक अच्छा अवसर बताया है। उनके अनुसार भारत गोर को जरिया बना कर व्हाइट हाउस के साथ व्यापार वार्ता में लाभ उठा सकता है। हालांकि, यह आशावादी नजरिया हो सकता है। गोर को अब तक व्यापार के मुद्दे पर टीका-टिप्पणी करते नहीं देखा या सुना गया है। इसकी उम्मीद कम ही है कि भारत में पदस्थापित होने के बाद वह ट्रंप के रुख से अलग कोई नजरिया अपनाएंगे। राष्ट्रपति ट्रंप ने पहले ही कह दिया है कि नवनियुक्त राजदूत का मकसद 'अमेरिका को फिर श्रेष्ठ बनाना' है। एकतरफा व्यापार सौदा करना भी 'मागा' की रणनीति का एक हिस्सा रहा है।

एक और बात जो अजीब लग रही है वह यह कि विदेश मंत्री जयशंकर ने कहा कि उन्होंने गोर की नियुक्ति के बारे में 'पढ़ा' है और सार्वजनिक रूप से किसी दूसरे देश की राजदूत की नियुक्ति पर टिप्पणी करने से इनकार कर दिया। यह संभव है कि गोर की नियुक्ति के संबंध में स्थापित कूटनीतिक औपचारिकताओं एवं परंपराओं का पालन नहीं हुआ हो। अधिकांश देश किसी देश में अपने राजनयिक भेजने से पहले एक-दूसरे से बात करते हैं। यह औपचारिकता देशों के बीच राजनयिक संबंधों की बुनियादी जरूरत समझी जाती है।

इस मामले में इस परंपरा को दरकिनार किया जाना चिंता की बात है क्योंकि गोर दक्षिण एशिया और पश्चिम एशिया के विशेष दूत भी होंगे। यह पहलू भारत के लिए चिंता की बात हो सकती है। गोर को अलग से दी गई यह जिम्मेदारी न केवल भारत और पाकिस्तान को समान ओहदा दिए जाने का संकेत दे रही है बल्कि बांग्लादेश, नेपाल, श्रीलंका और भूटान सहित भारत के पड़ोसी मुल्कों के साथ संबंधों में भी अमेरिका के दखल देने की आशंका बढ़ गई है। वर्ष 2009 में भारत ने ओबामा प्रशासन के कार्यकाल में रिचर्ड हॉलब्रूक को भारत और पाकिस्तान के लिए विशेष दूत का पद दिया जाना अस्वीकार कर दिया था।

भारत की आपत्ति के बाद हॉलब्रूक को पाकिस्तान और अफ़गानिस्तान के लिए अमेरिका का विशेष दूत बनाया गया। हॉलब्रूक अमेरिकी प्रशासन की 'अफ-पाक' नीति पर काम करने लगे और अफ़गानिस्तान के पुनर्निर्माण में भारत की भूमिका को देखते हुए उससे कभी-कभी मशविरा भी किया करते थे। मगर भारत में अमेरिका के अगले राजदूत के रूप में गोर की नियुक्ति को इस नजरिये से नहीं देखा जा सकता। जिस तरीके से गोर की नियुक्ति हुई है, उन्हें जो जिम्मेदारी दी गई है और स्वयं उनकी जो पृष्ठभूमि रही है उन्हें देखते हुए यह नहीं कहा जा सकता कि भारत-अमेरिका के संबंध जल्द सामान्य हो पाएंगे।

(ये लेखक के अपने विचार है)

घर आए गणेश

» जागरूक जनता
jagrukjanta.net

भारत की धार्मिक एवं सांस्कृतिक परंपराओं में गणेश स्थापना का विशेष महत्व है। गणेश जी को 'विघ्नहर्ता' और 'सिद्धिविनायक' कहा जाता है। हिंदू धर्म अनुसार हर शुभ कार्य की शुरुआत उनसे ही की जाती है। गणेश स्थापना मुख्य रूप से गणेश चतुर्थी के अवसर पर होती है, जिसे भाद्रपद मास के शुक्ल पक्ष की चतुर्थी को पूरे देश में बड़े हर्ष और उल्लास के साथ मनाया जाता है।

नविता
समाजविद्
@jagrukjanta.net

ऐतिहासिक पृष्ठभूमि

गणेश स्थापना का सार्वजनिक रूप से आयोजन सबसे पहले लोकमान्य बाल गंगाधर तिलक ने किया। उन्होंने स्वतंत्रता आंदोलन के समय इसे समाज को जोड़ने और एकजुट करने का माध्यम बनाया। इसलिए महाराष्ट्र मैं गणेश उत्सव की अलग ही महता हैं, परन्तु अब गणेश उत्सव सिर्फ महाराष्ट्र तक ही सीमित नहीं बल्कि भारत के कई राज्यों में ओर विदेश में रह रहे भारतीय भी विदेश में इस उत्सव को बड़े धूम धाम से मनाते हैं। बाल गंगाधर तिलक ने आज़ादी के समय भारतीयों को जोड़ने का जो उपाय दिखाया उसे तभी से गणेश चतुर्थी केवल घरों में ही नहीं बल्कि सार्वजनिक पंडालों में भी भव्य रूप से मनाई जाने लगी।

लोक कथा

पौराणिक कथा के अनुसार गणेश चतुर्थी मानने के पीछे यह पौराणिक धारणा हैं की जब वेद व्यास जी महाभारत ग्रंथ की रचना करने हेतु ब्रह्माजी के पास गए तो ब्रह्माजी ने उन्हें गणेश जी का नाम सुझाया क्योंकि गणेशजी की लेखनी बहुत सुंदर हैं, गणेश जी भी मान गए परन्तु उन्होंने इस कार्य के लिए एक शर्त रखी की वो महाभारत महाकाव्य की रचना बिना रुके करेंगे। वेद व्यास जी ने महाभारत के श्लोक सुनाना और गणेश जी ने लिखना शुरू किया। 10वे दिन जब कार्य संपूर्ण हुआ तो वेद व्यास जी ने पाया गणेश जी का तापमान लिखते लिखते बढ़ गया हैं इसलिए उन्होंने पहले गणेश जी को मिट्टी का लेप किया (ध्यान रहे मिट्टी का pop का नहीं) फिर उन्होंने गणेश जी को पास के सरोवर में बैठा दिया। इस तरह लोक कथाओं में गणेश स्थापना और विसर्जन का महत्व बताया गया हैं।

स्थापना की विधि

गणेश स्थापना के दिन घर अथवा पंडाल में मिट्टी की प्रतिमा स्थापित की जाती है। प्रतिमा को लाने से पहले स्थान को शुद्ध किया जाता है। भगवान गणेश की प्रतिमा को लाल या पीले वस्त्र पर विराजमान किया जाता है। फिर पंचोपचार या षोडशोपचार पूजा के द्वारा गणपति का स्वागत किया जाता है। धूप, दीप, नैवेद्य, पुष्प और आरती से भगवान की उपासना की जाती है। गणेश जी के आगे उत्सव का माहौल होता हैं।

धार्मिक महत्व

गणेश जी बुद्धि, ज्ञान, समृद्धि और सौभाग्य के देवता हैं। स्थापना से घर में सकारात्मक ऊर्जा आती है और सभी प्रकार के विघ्न दूर होते हैं। यह पर्व भक्तों में श्रद्धा, भक्ति और एकता का भाव पैदा करता है।

सामाजिक और सांस्कृतिक पहलू

गणेश स्थापना केवल धार्मिक अनुष्ठान नहीं है, बल्कि यह सामाजिक मेल-जोल, कला और संस्कृति का उत्सव भी है। पंडालों में सजावट, सांस्कृतिक कार्यस्र5म और भजन-कीर्तन से वातावरण भक्तिमय हो जाता है।

विसर्जन की विधि

गणेश प्रतिमा को 1, 3, 5, 7 या 11 दिनों तक विराजित करने के बाद धूमधाम से विसर्जन किया जाता है। इसे "गणपति बप्पा मोरया, अगले बरस तू जल्दी आ" के जयकारों के साथ विदाई दी जाती है। यह विसर्जन जीवन के अनित्यता और सृजन-विनाश के प्राकृतिक चक्र का प्रतीक है। गणेश स्थापना केवल धार्मिक परंपरा ही नहीं, बल्कि समाज में एकता, उत्साह और संस्कृति के संरक्षण का प्रतीक भी है। यह पर्व हमें सिखाता है कि भगवान गणेश की कृपा से हम हर बाधा को पार कर सफलता की ओर बढ़ सकते हैं।

आखर आखर झरे उजियार

कितनी भी हो धन संपदा, नहीं जाएगी साथ

» जागरूक जनता
jagrukjanta.net

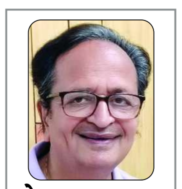

गोपाल प्रभाकर
पत्रकार
@jagrukjanta.net

एक बार की बात है. गुरु नानकदेव ने जैसे ही एक गांव में प्रवेश किया, एक सेठ उनके पास आया। उसे अपने धनवान होने का बड़ा अभिमान था। वह गुरु नानक से अपने वैभव की चर्चा करते हुए बोला, आप आदेश देकर देखिए, मैं अपनी सारी संपत्ति आपके चरणों में अर्पित कर दूंगा। गर्व भरी बात सुनकर नानक जी तनिक मुस्कुराए और बोले मैंने कई धनीमानी लोग देखे हैं, पर तुम जैसा निर्धन पहली बार ही देखा।

वह बोला, महाराज ! आप कह कर तो देखिये। मैं अपनी संपदा आपको सौंप दूंगा।

नानकदेव ने अपने झोले से एक सूई निकाल कर उस धनाढ्य व्यक्ति को दी और कहा इसे ले जाओ। जब हम दोनों मर जाएं तब ये सूई मुझे लौटा देना। गुरु नानक की बात सुनकर वो हैरान परेशान हो गया। वह उन्हें प्रणाम कर अन्यत्र चला गया। उसने दोस्तों से सलाह मशविरा किया। सबने एक ही बात कही। मर जाने के बाद कोई चीज़ नहीं ले जा सकते। सारी धन संपदा यहीं रह जानी है। उसे ख्याल आया फिर वो कैसे ये सूई लौटा सकेगा?यह तो बिल्कुल असम्भव है।तुम गुरु जी के पास जाओ, वो तुम्हें कुछ शिक्षा देना चाहते हैं।

वो गया और सूई लौटाते हुए बोला,अपनी सूई सम्भाल लीजिए। मरने के बाद मैं इसे बिल्कुल नहीं लौटा सकता। मृत्यु के बाद कोई पदार्थ न तो दिया जा सकता है, न लिया जा सकता है।

गुरु नानक देव ने कहा तुम तो बता रहे थे बहुत धन संपदा है तुम्हारे पास। तुम कुछ भी कर सकते हो। धनी व्यक्ति ने गुरुदेव के चरण स्पर्श कर माफ़ी मांगी। गुरु नानक ने समझाया,परहित ही सबसे बड़ा पुण्य है। दूसरों का भला करने मे ही तुम्हारा लाभ है। निरभिमान होकर सेवा करना कर्तव्यपालन करना ही सबसे बड़ी अमीरी है।

नानकदेव के उपदेश सुन कर उस धनाढ्य व्यक्ति के ज्ञान चक्षु खुल गए।

(ये लेखक के अपने विचार है)

सत्य दर्शन

।।श्री सद्गुरुदेव गोवर्धन पीठाधीश्वर श्री कृष्णदास कंचन महाराज।।

सत्य दर्शन के आधार श्रीसद्गुरु देव

इसके भीतर रक्त, मज्जा, मल-मूत्र आदि भरे पड़े हैं। जैसे यह शरीर जीवन्मुक्तों की नगरी है, परमात्मा को प्राप्त करने का साधन है, किंतु मैंने इसका उपयोग निकृष्ट भोगों के लिए किया। मेरे हृदय में विराजमान प्रभु समस्त प्राणियों के हितैषी, सुहृद, स्वामी, अविनाशी, परमप्रियतम आत्मा है। अब मैं भजन करूंगी उन्हीं का सेवन करती हूं। यह जीव संसार के कुएं में गिरा हुआ है। विषयों ने इसे अंधा बना दिया है। कालरूपी अजगर ने इसे अपने मुंह में दबा रखा है। अब भगवान को छोड़कर कौन इस जीव की रक्षा करने में समर्थ है। सचमुच आशा ही सबसे बड़ा दुःख है।

18. कुरर पक्षी- जैसे कुररप7ी अपनी चोंच में मांस का टुकड़ा लेकर उड़ रहा हो तो दूसरे बलवान पक्षी उसका पीछा करते हैं। उससे छीनने के लिए, घेर कर चोंच मारने लगते हैं और जब तक वह मांस का टुकड़ा अपनी चोंच से फेंक नहीं देता, उसका पीछा नहीं छोड़ते, वैसे ही मनुष्यों को जो वस्तुएं अत्यंत प्रिय लगती है, उन्हें इकट्ठा करना ही उनके दुःख का कारण है। जो किसी वस्तु का संग्रह नहीं करता, उसे सुख स्वरूप परमात्मा की प्राप्ति होती है।

19. बालक-जैसे बालक को मान-अपमान का कोई ध्यान नहीं,

क्रमशः

ओपिनियन

प्रकृति का कोप : बादल फटने की घटनाएं

» जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जुलाई और अगस्त 2025 का मानसूनी सीजन देश के पर्वतीय राज्यों के लिए एक सामूहिक त्रासदी का गवाह बना। उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश और कश्मीर में लगातार और बार-बार हुई बादल फटने की घटनाओं ने न केवल तात्कालिक तबाही मचाई, बल्कि एक गहरे और व्यापक जलवायु संकट की ओर एक बार फिर से चेतावनी भरी घंटी बजा दी है। केदारनाथ त्रासदी के बाद से, यह पहली बार है जब तीनों राज्यों ने एक साथ इतनी व्यापक और संवेदनशील पारिस्थितिकी तंत्र को नुकसान पहुंचाने वाली घटनाओं का सामना किया है। यह केवल प्राकृतिक आपदा नहीं, बल्कि मानवजनित जलवायु परिवर्तन का एक स्पष्ट और डरावना लक्षण है, जिसकी अनदेखी अब राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए खतरा बनती जा रही है।

राम शर्मा
पत्रकार
@jagrukjanta.net

पिछले दो महीनों में, उत्तराखंड के रुद्रप्रयाग और चमोली जिलों, हिमाचल प्रदेश के कुल्लू और मंडी क्षेत्रों, कश्मीर के किश्तवाड़ में बादल फटने की भयावह त्रासदी हुई। इसमें पूरे गांव मलबे में दब गए। सैंकड़ों जानें गईं और करोड़ों की संपत्ति का नुकसान हुआ। मौसम विभाग के आंकड़े चौंकाने वाले हैं: इन क्षेत्रों में सामान्य से 400% से अधिक वर्षा कुछ ही घंटों में दर्ज की गई। इसके परिणामस्वरूप अचानक आई बाढ़ ने नदियों के जलस्तर को खतरनाक ऊंचाइयों पर पहुंचा दिया, पुलों और सड़कों को तबाह कर दिया और बिजली संचार के ढांचे को ध्वस्त कर दिया। सबसे बड़ा नुकसान कृषि भूमि का हुआ है। इन तीनों राज्यों में अरबों रुपए का नुकसान हुआ है, जिसकी भरपाई में होना असंभव सा है। यह सवाल उठना स्वाभाविक है कि ये घटनाएं अचानक इतनी बार क्यों हो रही हैं? विज्ञान इसका स्पष्ट जवाब देता है। बादल फटना एक मौसमी घटना है, लेकिन जलवायु परिवर्तन इसके होने की आवृत्ति और तीव्रता को बढ़ा रहा है। ग्लोबल वार्मिंग के कारण वायुमंडल का तापमान बढ़ रहा है, जिससे उसमें नमी धारण करने की क्षमता भी बढ़ जाती है। गर्म वायु अधिक जलवाष्प सोखती है। जब यह नमी से लदी हवा पर्वतों से टकराती है, तो वह तेजी से ऊपर उठती है और ठंडी होकर अत्यधिक मात्रा में बारिश के रूप में नीचे गिरती है। यही 'बादल फटना' है। हिमालय क्षेत्र, जो पहले से ही नाजुक और युवा पर्वत श्रृंखला है, ग्लोबल वार्मिंग के प्रति सबसे अधिक संवेदनशील है, जिससे यह ऐसी मौसमी आपदाओं के प्रति और भी असुरक्षित हो गया है।

इन आपदाओं का सबसे गहरा असर कृषि पर पड़ा है। पर्वतीय क्षेत्रों की अर्थव्यवस्था की रीढ़ ही कृषि और बागवानी है। हिमाचल और कश्मीर के सेब देश भर में मशहूर हैं। उत्तराखंड की राजमा और सब्जियां दूर-दूर तक जाती हैं। बादल फटने और अचानक आई बाढ़ ने न केवल इस साल की फसल को बर्बाद किया है, बल्कि मिट्टी की ऊपरी उपजाऊ परत को भी बहा दिया है, जिसे दोबारा बनने में सैकड़ों साल लगेंगे। खेत पत्थरों और बजरी से पट गए हैं। हज़ारों किसानों की जीविका एक रात में चौपट हो गई है। इससे न केवल स्थानीय अर्थव्यवस्था संकुचित होगी, बल्कि राष्ट्रीय स्तर पर इन उत्पादों की कमी से खाद्य मुद्रास्फीति भी बढ़ने की आशंका है। सेब जैसे नकदी फलों के निर्यात पर भी असर पड़ेगा।

इन घटनाओं ने हमारी आपदा प्रबंधन रणनीति की कमजोरियों को भी उजागर किया है। हालांकि एनडीआरएफ और स्थानीय प्रशासन ने त्वरित बचाव अभियान चलाकर सैकड़ों लोगों की जान बचाई है, लेकिन चेतावनी व्यवस्था अभी भी अपर्याप्त है। बादल फटने जैसी घटनाओं का सटीक पूर्वानुमान लगाना एक चुनौती है, लेकिन अत्याधुनिक रडार तकनीक और एआई आधारित मॉडल्स की मदद से इसमें सुधार किया जा सकता है। सबसे बड़ी आवश्यकता टिकाउ विकास की है। नदियों के किनारे अतिश्र मण, बेतहाशा निर्माण और पेड़ों की कटाई ने इन आपदाओं के प्रभाव को कई गुना बढ़ा दिया है। इस संकट से निपटने के लिए एक दोहरी रणनीति की जरूरत है। हमें ग्रीनहाउस गैसों के उत्सर्जन को कम करने के वैश्विक प्रयासों में तेजी लानी होगी। हमें अपने आप को बदलती जलवायु के साथ ढालना होगा। नदियों की धारण क्षमता बढ़ाना और लैंडस्लाइड से बचने के प्रबंधन को सुधारना होगा। सबसे जरूरी बात यह कि वहां के प्राकृतिक स्वरूप को बराबर बनाए रखना होगा। हिमालय क्षेत्र में आजकल निर्माण कार्य बहुत होने लगे हैं। इससे इस क्षेत्र का प्राकृतिक और पर्यावरणीय संतुलन बिगड़ गया है। जहां तक हो सके, हिमालय का मूल स्वरूप बरकरार रहना चाहिए। वहां विकास के नाम पर कंक्रीट का जंगल तैयार हो रहा है, उसे रोकना होगा। इसके अलावा जलवायु परिवर्तन रोकने के लिए कुछ वैज्ञानिक उपाय भी करने होंगे। कृषि के क्षेत्र में कम पानी वाली और जलवायु-अनुकूल फसल किस्मों को अपनाना, ड्रिप सिंचाई को बढ़ावा देना होगा। पहाड़ों पर वनों का आवरण बढ़ाना होगा। यह बमिट्टी के कटाव को रोकने और पानी को बनाए रखने में मदद करेगा। स्थानीय समुदायों को आपदा तैयारी योजनाओं में शामिल कर उन्हें प्रशिक्षित करना होगा।

उत्तराखंड, हिमाचल और कश्मीर में हुई घटनाएं केवल 'प्राकृतिक आपदा' नहीं हैं। यह एक स्पष्ट खतरा हैं, जो बताता है कि अगर हम अब भी नहीं संभले, तो भविष्य और भी भयावह होगा। यह केवल सरकार का नहीं, बल्कि हर नागरिक का दायित्व है कि वह पर्यावरण के प्रति संवेदनशील हो। हमें विकास और पर्यावरण के बीच एक सन्तुलन खोजना होगा। विकास का मॉडल ऐसा होना चाहिए जो प्रकृति का शोषण नहीं, बल्कि सहयोग करे। अन्यथा, प्रकृति के कोप के आगे हमारी सारी आर्थिक प्रगति और तकनीकी उपलब्धियां धरी की धरी रह जाएंगी। समय आ गया है कि हम जागें और इस जलवायु संकट को एक राष्ट्रीय प्राथमिकता के रूप में देखें। इससे निपटने के लिए अलग-थलग प्रयासों से काम नहीं चलेगा। इसके लिए एक समग्र, एकीकृत और बहु-स्तरीय दृष्टिकोण की आवश्यकता है, जिसमें किसान, वैज्ञानिक, उद्योगजगत, सरकार और हम सभी नागरिकों की साझी भागीदारी हो। यह एक लंबी लड़ाई है, लेकिन इसमें हारने का विकल्प नहीं है।

हंगामा है बरपा

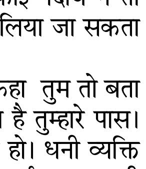

संदीप पारीक
इन्टरप्रेन्योर
@jagrukjanta.net

संसद का मॉनसून सत्र जैसे हंगामे के साथ शुरू हुआ था, वैसे ही शोरगुल के बीच खत्म हुआ। प्रॉडक्टिविटी के लिहाज से यह सेशन बेहद निराशाजनक कहा जाएगा। सरकार और विपक्ष के बीच टकराव के कारण दोनों सदन लगातार बाधित रहे। यहां दोनों पक्षों से ज्यादा समझदारी और संतुलित नजरिये की अपेक्षा थी। काम कम, हंगामा ज्यादा। आंकड़े ही इस सत्र की पूरी कहानी बता देते हैं। राज्यसभा में केवल 41.15 घंटे काम हो पाया और लोकसभा में 37 घंटे। लोकसभा की कार्यवाही के लिए 419 तारांकित प्रश्न शामिल किए गए थे और इनमें से महज 55 का मौखिक उत्तर मिल सका। सत्र शुरू होने के पहले कार्य मंत्रणा समिति में सरकार और विपक्ष के बीच कुछ मुद्दों पर चर्चा की सहमति बनी थी। लेकिन, सत्र शुरू होने के साथ ही उसे भुला दिया गया। संसदीय परंपरा में विरोध भी अधिकार है, लेकिन इसकी वजह से सदन की गरिमा और उसके कामकाज पर असर नहीं पड़ना चाहिए। दुर्भाग्य से देश ने इस सत्र में यही देखा- वे जरूरी मुद्दे जिनका जवाब देश जानना चाहता था, शोर शराबे की भेंट चढ़ते रहे। यह सेशन ऐसे वक्त हो रहा था, जब भारत नई चुनौतियों से गुजर रहा है। विदेश और आर्थिक, दोनों मोर्चों पर हालात तेजी से करवट ले रहे हैं। ऐसे में और भी अहम हो जाता है कि संसद में इस पर सार्थक चर्चा होती और वाद-विवाद से रास्ता निकाला जाता। बिहार में वोटर लिस्ट रिवीजन स्व्र और ऑपरेशन सिंदूर पर कई सवाल बचे रह गए। पीएम, सीएम को भी पद से हटाने वाले संविधान संशोधन विधेयक जैसे महत्वपूर्ण मुद्दे पर जिस गंभीरता की जरूरत थी, वह नहीं दिखी। चिंताजनक बात यह है कि संसदीय कार्यवाही का ऐसा अंजाम अब आम हो चुका है। पिछले शीत सत्र में ही लोकसभा के 65 से ज्यादा घंटे बर्बाद हुए थे। एक अपवाद बजट सत्र को माना जा सकता है, जब राज्यसभा की प्रॉडक्टिविटी 119%, जबकि लोकसभा की 118% रही। संसद सत्र को चलाने में हर मिनट ढाई लाख रुपये से ज्यादा खर्च होते हैं। ऐसे में सदन जब काम नहीं करता, तो जनता की गाढ़ी कमाई के इन रुपयों के साथ देश का बेहद कीमती समय भी जाया हो जाता है। हाल में सरकार और विपक्ष के रिश्तों में जो गिरावट आई है, मॉनसून सत्र उसका सबसे बड़ा उदाहरण है। लोकतंत्र में संवाद और आपसी सम्मान के बिना काम नहीं चलता। विरोध जरूरी है, पर मुद्दों पर और सकारात्मक उद्देश्य के साथ।

(ये लेखक के अपने विचार है)

पंचांग

ज्योतिर्विद् अक्षय शास्त्री

साकेत पंचांग, अन्तरराष्ट्रीय स्वर्ण पदक विजेता

जागरूक जनता पंचांग, नक्षत्र, तिथि, चौघड़िया

सूर्योदय-सूर्यास्त, तिथि

बुधवार, 27/08/2025

सूर्योदय : 06:07 **सूर्यास्त** : 18:48 **चन्द्रोदय** : 09:32 **चन्द्रास्त:** 21:03 **शक सम्वत:** 1947 विश्वावसु **विक्रम संवत्** : 2082 कालयुक्त **अमान्ता महीना** : भाद्रपद **पूर्णिमांत** : भाद्रपद **सूर्य राशि** : सिंह **चन्द्र राशि** : कन्या **पक्ष** : शुक्ल **तिथि** : चतुर्थी, 15:46 तक **वार** : बुधवार **द्रिक ऋतु** : शरद **द्रिक-वैदिक अयन** : दक्षिणायन

नक्षत्र, योग, करण

नक्षत्र : चित्रा, 32:36 तक
योग : शुभा, 12:27 तक
प्रथम करण : विष्टि, 15:46 तक
द्वितिय करण : बावा, 28:48 तक

शुभ समय

ब्रह्म मुहूर्त	4:28 ए एम से
प्रातः सन्ध्या	4:50 ए एम से
विजय मुहूर्त	2:31 पी एम से
गोधूलि मुहूर्त	6:48 पी एम से
सायाह्न सन्ध्या	6:48 पी एम से
अमृत काल	1:37 एएम, अगस्त 28 से
निशिता मुहूर्त	12 ए एम, अगस्त 28 से
सर्वार्थ सिद्धि योग	05:57 ए एम से
रवि योग	05:57 ए एम से

निवास और शूल

दिशा शूल : उत्तर में
राहु काल वास दक्षिण-पश्चिम में
होमाहुति : बुध
भद्रावास : पाताल

चौघड़िया

दिन का चौघड़िया		रात का चौघड़िया
लाभ	: 06:07 - 07:42	उद्वेग : 18:47 - 20:12
अमृत	: 07:42 - 09:17	शुभ : 20:12 - 21:37
काल काल वेला	: 09:17 - 10:52	अमृत : 21:37 - 23:02
शुभ	: 10:52 - 12:27	चर : 23:02 - 00:27
रोग वार वेला	: 12:27 - 14:02	रोग : 00:27 - 01:52
उद्वेग	: 14:02 - 15:37	काल : 01:52 - 03:17
चर	: 15:37 - 17:12	लाभ : 03:17 - 04:42
लाभ	: 17:12 - 18:47	उद्वेग : 04:42 - 06:07

अमृत, शुभ, लाभ और चर को शुभ चौघडिया माना जाता है एवं उदवेग, काल एवं रोग को अशुभ चौघडिया माना जाता है।

आज चतुर्थी

आज कौन सा कार्य करें

चतुर्थी, नवमी व चतुर्दशी रिक्ता तिथियां हैं। इनमें कोई भी मांगलिक कार्य नहीं करने चाहिए।

बुधवार को क्या करें

बुधवार की प्रकृति चर और सौम्य मानी गई है। यह भगवान गणेश और दुर्गा का दिन है। कमजोर मस्तिष्क वालों को बुधवार के दिन उपवास रखना चाहिए।

ये कार्य करें :- सूखे सिंदूर का तिलक लगाएं। बुधवार को दुर्गा के मंदिर जाना चाहिए। पूर्व, दक्षिण और नैऋय दिशा में यात्रा कर सकते हैं। इस दिन जमा किए गए धन में बरकत रहती है। मंत्रणा, मंथन और लेखन कार्य के लिए भी यह दिन उचित है। ज्योतिष, शेयर, दलाली जैसे कार्यों के लिए भी यह दिन शुभ माना गया है।

यह कार्य न करें:- उत्तर, पश्चिम और ईशान में यात्रा न करें। बुधवार को धन का लेन-देन नहीं करना चाहिए। बुधवार को लड़की की माता को सिर नहीं धोना चाहिए, ऐसा करने से लड़की का स्वास्थ्य बिगड़ता है या उसके समक्ष कोई कष्ट आता है।

नोट : शुक्ल पक्ष में एक से पंचमी तक तिथियां अशुभ कही गई हैं, क्योंकि इन तिथियों में चंद्रमा क्षीण बल होता है और चंद्र बल उन दिनों नहीं रहने से कार्य सफल नहीं होते हैं। इसी प्रकार कृष्ण पक्ष की एकादशी से अमावस्या तक तिथियों में चंद्र बल क्षीण होने से शुभ कार्य नहीं करने चाहिए।

राशिफल

भाद्रपद, शुक्ल, चतुर्थी, 2082 बुधवार, 27 अगस्त - 2 सितम्बर, 2025

मेष [चू, चे, चो, ला, ली, लू, ले, लो, अ]
लम्बित मामलों के परिणाम आपके पक्ष में होने की सम्भावना है। व्यवसाय में सहयोगी आपके कार्यों से प्रसन्न रहेंगे। निर्माण कार्यों में आपको सफलता मिलेगी। कार्यक्षेत्र में कुछ बदलाव कर सकते हैं।

तुला [रा, री, रू, रे, रो, ता, ती, तू, ते]
संतान से पुराने मतभेद उभरने से पारिवारिक वातावरण अशान्त होगा। आर्थिक स्थिति बिगड़ने से कर्ज लेना पड़ सकता है। कार्य क्षेत्र पर आरंभिक बिक्री के बाद आज उदासीनता छायी रहेगी।

वृषभ [ई,उ, ए, ओ, वा, वी, वु, वे, वो]
व्यापार में जिम्मेदारियाँ बढ़ सकती है। आपकी कर्तव्यनिष्ठा की प्रशन्सा होगी। मित्रों का सहयोग लेना हितकारी होगा। जो लोग आपके विरुद्ध थे, वे अचानक आपके पक्ष में आ सकते हैं।

वृश्चिक [तो,ना,नी, नू,या,यी,यू]
नौकरी पेशाओ को अतिरिक्त कार्य मिलने से असुविधा होगी काम लापरवाही से करेंगे। मित्रो के साथ बाहर घूमने का अवसर मिलेगा। ससुराल से लाभ होगा। पारिवारिक दायित्व बढ़ने से व्यस्तता रहेगी।

मिथुन [क, की,कु,घ, ङ,छ,के,को,ह]
विदेश में कार्यरत लोगों को सम्मान मिल सकता है। व्यवसाय में रुके हुये कार्यों में सफलता मिलेगी। जॉब में बदलाव करने का विचार बनायेंगे। प्रेम सम्बन्धों में कुछ प्रतिकूलता रहेगी।

धनु [ये, यो, भा, भी, भू, धा, फ, ढ, भे]
नौकरीपेशा जातको को मेहनत का फल मिलेगा। विरोधियो पर विजय प्राप्त करेंगे। शुभ समाचार मिलने से मन प्रसन्न रहेगा। साहित्यकार, लेखक एवं पत्रकारों के लिए सप्ताह विशेष लाभदायक रहेगा।

कर्क [हि, हू, हे, हो, डा, डी, डू, डे, डो]
कार्य क्षेत्र या घर में परिवर्तन अथवा साज सज्जा में बदलाव भी कर सकते है समाज के प्रतिष्ठित लोगो से सम्मान मिलेगा लेकिन आर्थिक लाभ थोड़ा विलम्ब से होगा। दाम्पत्य सुख उत्तम रहेगा।

मकर [भो, जा,जी, जू, खा, खू, गा, गी,]
परिजनों के साथ मित्रवत व्यवहार रहेगा। पारिवारिक दायित्वों की पूर्ति के कारण खर्च बढ़ने से असहज अनुभव करेंगे। उधार से बचे। सेहत ठीक रहेगी। आलस्य का वातावरण रहेगा।

सिंह [मा, मी, मू, मे, मो, टा, टी, टु, टे]
व्यवहार कुशलता व संतोषि स्वभाव से सम्मानित होंगे। उधारी वसूलने में परेशानी आ सकती है। घर में मेहमानों के आने से वातावरण आनंदित होगा। पारिवारिक खर्च बढ़ने से परेशानी भी होगी।

कुंभ [गू, गे, गो,सा, सी, सू, से, सो, दा]
नए कार्यो का आरंभ आज ना करें ना ही किसी को उधार दें। इसके बाद परिवार के सदस्यों का सहयोग मिलने लगेगा लेकिन घरेलू आवश्यकताओं को नजरअंदाज करने से अशांति बढ़ेगी।

कन्या [टो, पा, पी, पू, ष, ण, ठ, पे, पो]
मित्र परिजनों के साथ ज्यादा समय बिताना पसंद करेंगे। फिजूल खर्ची से बचें। शारीरिक स्वास्थ्य अच्छा रहने से सप्ताह उत्साह पूर्ण रहेगा।

मीन [दी, दू, थे, झ, ञ, दे, दो, चा, चि]
आर्थिक लाभ के लिए अधिक प्रयत्न करना पड़ेगा मध्यान के समय किसी मनोकामना की पूर्ति होने से प्रसन्न रहेंगे।

आचार्य राजेश शास्त्री, जयपुर

श्री संत बाबा मेहर दास मंदिर: तीन दिवसीय पाटोत्सव कार्यक्रम बड़े हर्षोल्लास के साथ संपन्न

भूखे को भोजन-प्यासे को पानी-बाबा मेहरदास की वाणी

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। मुरलीपुरा स्थित मंदिर संत बाबा मेहरदास का तीन दिवसीय पाटोत्सव धूमधाम और हर्षोल्लास के साथ संपन्न हुआ। मंदिर के संस्थापक श्रीलाल आर. साधवानी ने कार्यक्रम की जानकारी देते हुए बताया कि कार्यक्रम के प्रथम दिन 22 अगस्त को मन्दिर में प्रातः गुरु नानक साहिब के पाठ हुए। सायं 5 बजे माताजी मंदिर वैद्यजी का चौराहा से हाथी घोड़े रथ बग्घी सजाई गई। लवाजमे साथ महिलाएं 251 कलश लेकर चल रही थी। कलश यात्रा पंचमुखी हनुमान मंदिर, रोज पब्लिक स्कूल, लाल डब्बा, विशाल मेडिकल स्टोर, मुरलीपुरा सर्कल, आर के फर्नीचर, राजकीय आयुर्वेद औषधालय होती हुई मेहरदास मंदिर पहुंची। जहाँ आरती कर प्रसाद वितरण किया गया। जगह जगह कलश यात्रा पर पुष्पवर्षा की गई। पाटोत्सव के दूसरे दिन 23 अगस्त को मंदिर में अखंड पाठ का आयोजन हुआ। वहीं सायंकाल गोयल मैरिज गार्डन में भक्ति संगीत एवं गुरुवाणी सत्संग के साथ राधा कृष्ण, कृष्ण सुदामा एवं शंकर तांडव नृत्य की सजीव झांकियां प्रस्तुत की गई, जिसमें उपस्थित भक्तगणों ने आनंद के साथ नृत्य का आनंद लिया। इस अवसर पर सामूहिक प्रसादी चूरमा दाल बाटी ग्रहण की। कार्यक्रम के अंतिम दिन 24 अगस्त को मेहरदास मंदिर में गुरु नानक साहिब के पाठ एवं भजन कार्यक्रम आयोजित हुए और भक्तों के लिए भंडारा प्रसादी ग्रहण प्रारम्भ कर दी गई। इस अवसर पर ट्रस्ट के अध्यक्ष लोकचंद हरीरामानी ने परिवार एवं इष्ट मित्रों के साथ पधारे श्रद्धालुओं का धन्यवाद ज्ञापित किया।

बैंक ऑफ़ बड़ौदा के शाखा प्रबंधक हिमांशु मीना ने किया स्वागत सम्मान

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

मुंबई। हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी 21 अगस्त को विश्व वरिष्ठ नागरिक दिवस मनाया गया जिसमें बैंक ऑफ़ बड़ौदा की शाखा न्यू पनवेल खंडा कॉलोनी नवी मुंबई रीजन ने अपने वरिष्ठ ग्राहकों एवं वरिष्ठ विशिष्ट जनों का अभिवादन बैंक ऑफ़ बड़ौदा के वरिष्ठ शाखा प्रबंधक हिमांशु मीना ने किया। मीना ने वरिष्ठ ग्राहकों के तिलक लगाकर स्वागत किया और उनसे वार्तालाप कर उनकी वर्तमान जिंदगी की एक्टिविटी एवं बच्चों के व्यवहार के बारे में विस्तृत चर्चा की। इस अवसर पर हिमांशु मीना ने सभी बच्चों से अनुरोध किया कि वे अपने बड़े, मां-बाप, दादा दादी की सेवा करें। इस अवसर पर बड़ी संख्या में वरिष्ठजनों ने भाग लिया। कार्यक्रम के अंत में हम ने उन सभी को बधाई दी।

वरिष्ठ नागरिक दिवस

राष्ट्रीय गौ-क्रांति वार्षिक पदयात्रा संपन्न

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। गायत्री सप्त क्रान्ति ट्रस्ट, जयपुर द्वारा पिछले 35 वर्षो से राष्ट्रीय पदयात्रा प्रतिवर्ष अगस्त माह में आयोजित की जाती है, जिसमें राजस्थान के सभी जिलों सहित भारत के अन्य प्रान्तों के भाई-बहिन भी शामिल होते हैं। इस बार यह पदयात्रा 23 अगस्त को गायत्री कुंज, मुरलीपुरा से रवाना हुई, जो 24 अगस्त को मुण्डोता, कालवाड़ स्थित आध्यात्मिक एवं वैज्ञानिक गौ अनुसंधान केन्द्र पहुंची। जहाँ विश्व कल्याण के लिए पंच कुंडीय यज्ञ का आयोजन हुआ। सामूहिक सभा के आयोजन में वार्षिक प्रगति की समीक्षा की गई। गौ सेवा में अग्रणी गौ सेवकों श्री सुरेंद्र सिंह राष्ट्रीय अध्यक्ष,गौ रक्षा कमांडो फोर्स, भारती जी और शिव अग्रवाल जी का भी सम्मान किया गया। गोष्ठी के दौरान महाराष्ट्र से पधारे हुए योग गुरु जितेंद्र शुक्ला द्वारा गौ रक्षा पर उद्बोधन दिया गया तथा अपने जीवन में प्रत्येक अवसर पर किसी न किसी रूप में गौ माता को स्थान देने का अनुरोध किया।

पदयात्री मार्ग में दीवारों पर सद्वाक्य लेखन, मंदिरों की सफाई, वृक्षारोपण करते हुए चले। मार्ग में लगभग 200 से भी अधिक पौधे लगाया गए एवं पौधों का वितरण भी किया गया। पदयात्रा के दौरान विभिन्न प्रकार की व्यक्ति निर्माण, परिवार निर्माण एवं समाज निर्माण की रचनात्मक गतिविधियाँ संचालित की गयी यथा रात्रि को सन्तों का उद्बोधन, प्रवचन का कार्यक्रम हुआ। कार्यक्रम के दूसरे दिन 24 अगस्त को प्रातः 8 बजे सामूहिक नैनो यज्ञ संपन्न हुआ, जिसमें यज्ञीय चिकित्सा के बारे में जानकारी दी गई।

प्रो. पांडेय को आचार्य रामचंद्र शुक्ल पुरस्कार

जयपुर @ जागरूक जनता। हरिदेव जोशी पत्रकारिता और जनसंचार विश्वविद्यालय, जयपुर के कुलगुरु प्रो. नंद किशोर पाण्डेय को मध्य प्रदेश साहित्य अकादमी के अखिल भारतीय आचार्य रामचंद्र शुक्ल पुरस्कार से सम्मानित किया गया है। उन्हें यह पुरस्कार उनकी चर्चित पुस्तक 'भारत बोध और भक्ति कविता' के लिए प्रदान किया गया है। मंगलवार को भोपाल के रविंद्र भवन में आयोजित एक कार्यक्रम में प्रो. पांडेय को पुरस्कार राशि 50 हजार रुपये, स्मृति चिन्ह, शॉल और श्रीफल प्रदान कर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर मध्य प्रदेश साहित्य अकादमी के अध्यक्ष डॉ. विकास दवे, जानेमाने क्रिकेट कमेंटेटर सुशील दोषी और मध्य प्रदेश संस्कृति परिषद् के संयुक्त सचिव एन.पी. नामदेव उपस्थित रहे।

समाजसेवी महावीर सेन का मनाया जन्मदिन

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। समाजसेवी महावीर सेन का जन्मदिन संत बाबा मैहरदास मंदिर प्रांगण में मनाया गया। मंदिर के संस्थापक श्रीलाल आर साधवानी ने मैहर दास मन्दिर सेवक एवं समाजसेवी महावीर सेन को जन्मदिन की शुभकामनायें दीं और हिंदू संस्कृति के अनुरूप समाजसेवी नगेन्द्र वशिष्ठ ने वैदिक मंत्र उच्चारण कर पुष्प वर्षा की। इस अवसर पर दीप प्रज्ज्वलन कर महावीर सेन को तिलक लगाकर माला दुपट्टा पहनाया। ट्रस्ट अध्यक्ष लोकचंद हरिरामानी, कन्हैया लाल लखवानी, शशि हरिरामानी, शंकर शर्मा, दिनेश पारीक, पवन बाबा (पार्षद प्रत्याशी) ने उपहार भेंट किए। कार्यक्रम में उपस्थित गणमान्य लोगों ने अल्पाहार कर मुँह मीठा किया।

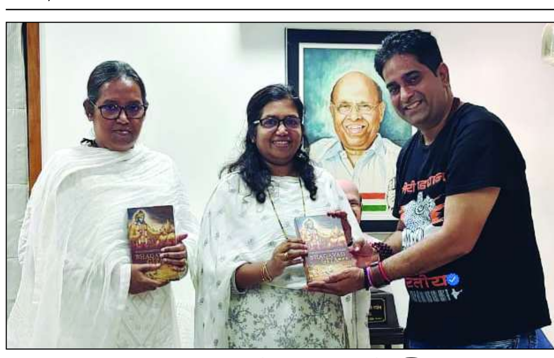

शाखा प्रबंधक मीना ने की विधायक गायकवाड़ से मुलाकात

मुम्बई @ जागरूक जनता। बैंक ऑफ़ बड़ौदा के न्यू पनवेल खंडा कॉलोनी नवी मुंबई रीजन के शाखा प्रबंधक हिमांशु मीना ने मुंबई क्षेत्र की कांग्रेस अध्यक्ष वर्षा गायकवाड़, जो मुलुंड, मुंबई से चार बार विधायक और वर्तमान सांसद हैं, से मुलाक़ात की। इस अवसर पर विधायक ज्योति गायकवाड़ दीदी भी उपस्थित थी।

'आप' का कार्यकर्ता सम्मेलन 31 को, जुटेंगे प्रदेशभर के कार्यकर्ता

जयपुर @ जागरूक जनता। आम आदमी पार्टी राजस्थान की कार्यकारिणी भंग होने के पश्चात् रविवार, 31 अगस्त को प्रातः 11.30 बजे से 3 बजे तक राजधानी जयपुर के नारायण सिंह सर्किल स्थित पिंकसिटी प्रेस क्लब के सभागार में प्रदेशभर के सभी कार्यकर्ताओं का सम्मेलन आयोजित किया जाएगा। पार्टी के नवनियुक्त प्रदेश प्रभारी धीरज टोकस ने कार्यकर्ता सम्मेलन की घोषणा करते हुए सभी सक्रिय कार्यकर्ताओं और पूर्व पदाधिकारियों को जुटने का आह्वान किया है। टोकस ने बताया कि प्रदेश में जिस प्रकार से पर्ची सरकार चल रही उसने पूरे प्रदेश असमस्य का माहौल पैदा कर रखा है, स्मार्ट मीटर का मुद्दा, निजी स्कूलों की मनमानी फीस, आरटीई में चयनित विद्यार्थियों के दाखिले का मुद्दा, छात्र संघ चुनाव, बेरोजगारी, भ्रष्टाचार, अत्याचार, सुरक्षा इत्यादि सभी मामलों में राज्य की भाजपा सरकार पूरी तरफ से फेल होती नजर आ रही है।

ऑपरेशन सिंदूर के दौरान उत्कृष्ट कार्य के लिए कमल गुप्ता सम्मानित

जयपुर @ जागरूक जनता। ऑपरेशन सिंदूर के दौरान आवश्यक आपातकालीन सेवाओं में उत्कृष्ट/सराहनीय सेवाकार्य किए जाने के उपलक्ष में कमल गुप्ता सहायक प्रशासनिक अधिकारी को नयन गौतम, आईएएस अधिकारी, नागरिक सुरक्षा श्रीगंगानगर द्वारा प्रशंसा पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया।

दिनेश जिलाध्यक्ष मनोनीत

जयपुर @ जागरूक जनता। राजस्थान अकाउंटेंट एसोसिएशन के जिलाध्यक्ष के चुनाव श्री दिगम्बर जैन नसियां भट्टारकजी, नारायण सिंह सर्किल, जयपुर पर संपन्न हुए जिसमे जिलाध्यक्ष पद के लिए दिनेश चौधरी चुने गए वे 562 वोटो से विजयी हुए उन्होंने कुल 968 वोटे प्राप्त किए साथ में 44 प्रांतीय प्रतिनिधि भी चुने गए।

देवनानी ने हरितालिका तीज की दी शुभकामनाएं

जयपुर @ जागरूक जनता। राजस्थान विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने हरितालिका तीज के पावन अवसर पर प्रदेशवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं दी। देवनानी ने कहा कि हरितालिका तीज केवल व्रत और आस्था का पर्व नहीं, बल्कि नारी शक्ति, परिवारिक समरसता और दांपत्य जीवन की पवित्रता का प्रतीक है। इस दिन महिलाएं भगवान शिव-पार्वती की उपासना कर परिवार की सुख-समृद्धि और सौभाग्य की कामना करती हैं। देवनानी ने कहा कि भारतीय संस्कृति के इन पर्वों से नई पीढ़ी को जोड़ना आवश्यक है, क्योंकि यही त्यौहार हमें समानता, संस्कार और सामाजिक सद्भाव का संदेश देते हैं।

विश्व बंधुत्व दिवस पर विशाल रक्तदान अभियान का आयोजन

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। बियानी ग्रुप ऑफ कॉलेजेज, एपेक्स हॉस्पिटल्स, गवर्नमेंट ब्लड बैंक तथा ब्रह्माकुमारीज़ के संयुक्त तत्वावधान में विश्व बंधुत्व दिवस एवं राजयोगिनी दादी प्रकाशमणि जी की 18वीं पुण्यतिथि के अवसर पर विशाल रक्तदान अभियान 2025 का भव्य आयोजन किया गया।

कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि केडिया ग्रुप के मालिक श्री राजेंद्र केडिया, आयोजक चेयरमैन डॉ. राजीव बियानी, डायरेक्टर डॉ. संजय बियानी तथा ब्रह्माकुमारीज़ से शीतल दीदी ने दीप प्रज्वलन कर किया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में लोगों ने उत्साहपूर्वक रक्तदान कर मानवता की सेवा में योगदान दिया। आयोजन का मुख्य उद्देश्य समाज में रक्तदान के महत्व को बढ़ावा देना तथा "सेव ब्लड, सेव लाइव्स" के संदेश को आमजन तक पहुँचाना रहा। मुख्य अतिथि राजेंद्र केडिया ने अपने संबोधन में कहा कि रक्तदान सबसे बड़ा मानव धर्म है, जिससे असंख्य जीवन बचाए जा सकते हैं। उन्होंने युवाओं से आह्वान किया कि वे नियमित रूप से रक्तदान करें और दूसरों को भी इसके लिए प्रेरित करें। उन्होंने यह भी बताया कि वर्ष में कम से कम दो बार रक्तदान करना न केवल स्वास्थ्य के लिए लाभकारी है, बल्कि समाज के लिए अमूल्य योगदान भी है। अंत में उन्होंने आयोजकों एवं स्वयंसेवकों को इस पुनीत कार्य के लिए हार्दिक बधाई दी। डॉ. संजय बियानी, डायरेक्टर, बियानी कॉलेज ने कहा कि समाज में फैली भ्रांतियों को दूर करना आवश्यक है कि रक्तदान से शरीर में रक्त की कमी हो जाती है या कमजोरी आती है।

लेहरिया फ़ेस्ट सीज़न-3, एक्ट्रेस लता सबरवाल ने की शिरकत

रंगों, संस्कृति और राजस्थान की आत्मा का उत्सव

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। एम्प्रेस क्लब की ओर से साइनउप इवेंट्स एवं केजीके रियलिटी के सहयोग से भव्य "लेहरिया फ़ेस्ट" का तीसरा सीज़न महल रजवाडा रिजॉर्ट में आयोजित किया गया, जिसमें मशहूर अभिनेत्री ये रिश्ता क्या कहलाता है एवं विवाह मूवी फेम लता सबरवाल ने शिरकत की। कार्यक्रम में सभी कलाकारों ने जोरदार सांस्कृतिक प्रस्तुतिया दी, ये राजस्थान का सबसे बड़ा और अनोखा लेहरिया सांस्कृतिक उत्सव रहा जिस कार्यक्रम में करीब 800 महिलाओ ने हिस्सा लिया।

इंप्रेस क्लब की डायरेक्टर खुशबू शर्मा ने बताया कि लेहरिया फ़ेस्ट सीज़न 3 में इस बार कुछ अलग किया गया, जिनमे बहुत सी राजस्थानी डांस फोम देखने को मिली, इतने बेहतरीन कलाकारों ने प्रस्तुतिया दी जो अपनी संस्कृति को आगे बढ़ा रहे है, साथ ही फैशन शो का आयोजन वी. एल. सी. सी ब्रांड द्वारा किया गया जिसकी शो स्टॉपर श्वेता मेहता मोदी (मिसेज़ इंडिया विनर), शो डायरेक्टर रेनू रही। कार्यक्रम में जयपुर हेरिटेज मेयर कुसुम यादव, मनोज मुद्गल, पवन गोयल, खुशबू शर्मा (डायरेक्टर, एम्प्रेस क्लब), नीता अग्रवाल (एम्प्रेस क्लब), मोहित टेलर, श्याम मसाला, जे. डी. माहेश्वरी, केजीके रियलिटी, शैलेश अग्रवाल, स्वास्थ्य भागीदारी नारायणा हॉस्पिटल से बलविंदर वालिया, संदीप छिपा एवं अन्य गणमान्य अतिथि मौजूद रहे। राजस्थान की प्रसिद्ध लोकगायिका मधु भट्ट ने अपने सुरों से राजस्थानी लोकसंगीत की महक भिखेरी। इंप्रेस क्लब से खुशबु शर्मा और नीता अग्रवाल ने बताया कि लेहरिया फ़ेस्ट सीज़न 3 केवल एक उत्सव नहीं, बल्कि नारी शक्ति, परंपरा और एकता का संगम है। रंग-बिरंगी प्रदर्शनी, पारंपरिक नृत्य-संगीत, लोककला और सांस्कृतिक आकर्षण इस उत्सव की खास पहचान रही।

कार्यक्रम में बेस्ट डांस नेहा अग्रवाल, लेहरिया क्वीन दीपिका सोनी रही, साथ ही शानदार एवं मनमोहक राजस्थानी प्रस्तुतिया जिनमे बाईसा लड़का घना, पधारो महारे देश, तलवारबाजी, काली माता रूप में प्रस्तुतिया दी जिनमे दिवा सिंह राठौर, नेहा शर्मा, आरोही टिकर, जसमीका, श्वेता गोबलानी, अनुकृति, शिवांगी, सीमा राठौर ग्रुप, एवं श्वेता द्वारा कत्थक, भरतनाट्यम, घूमर जैसी प्रतुतिया दी गयी। कार्यक्रम का मंच संचालन एंकर प्रीती सक्सेना एवं अप्लाव सक्सेना ने किया।

वीडीओ भर्ती परीक्षा अब 2 नवम्बर को

जयपुर @ जागरूक जनता। राजस्थान कर्मचारी चयन बोर्ड (RSMB) ने ग्राम विकास अधिकारी (VDO) भर्ती परीक्षा की तिथि में बदलाव कर दिया है। पहले यह परीक्षा 31 अगस्त को आयोजित होने वाली थी लेकिन अब नई डेट 2 नवंबर 2025 निर्धारित की गई है। इस संबंध में ऑफिशियल नोटिफिकेशन rssb.rajasthan.gov.in पर जारी किया गया है। साथ ही, बोर्ड ने प्रयोगशाला सहायक (Lab Assistant) भर्ती परीक्षा को भी स्थगित कर दिया है। नई तारीख का एलान इसके लिए बाद में किया जाएगा। उम्मीदवारों को सलाह दी जाती है कि वे भविष्य में अपडेट्स के लिए ऑफिशियल वेबसाइट को नियमित चेक करते रहें।

एक कहावत है- तेल देखो, तेल की धार देखो यानी किसी भी चीज़ को सतही तौर पर नहीं, गहराई से देखो। इसका ध्यान भी रखें। तेल और तेल से बनी चीज़ें खरीदते समय ध्यान ज़रूर रखें। हम स्वाद के चक्कर में पाम ऑयल में बनी हुईं चीजें समोसे, कचौड़ी, नमकीन, बिस्कीट, ब्रेड आदि खा लेते हैं। क्या पाम ऑयल इतना नुकसानदायक है कि इसे खाना बंद कर देना चाहिए? क्या सरसों, मूंगफली आदि तेल, घी ज्यादा अच्छे हैं? आईये जानते हैं जागरूक जनता के इस फीचर पेज में इसके बारे में...

तेल में खेल से ऐसे बचें

8 ज़रूरी बातें

1. रेस्टोरेंट्स, स्ट्रीट फूड, बेकरी और नमकीन इंडस्ट्री में पाम ऑयल का इस्तेमाल बहुत ज्यादा होता है।
2. महीने में 2 से 3 बार से ज्यादा पाम ऑयल में बनी चीजें खाने से हानिकारक LDL कलेस्ट्रॉल का स्तर बढ़ने का खतरा रहता है।
3. किसी भी तेल या घी को ज्यादा गर्म करने से बचना चाहिए, इससे उसकी रासायनिक संरचना बदल सकती है। उसमे ट्रांस फैट बढ़ने लगता है जो हमारे हार्ट, लिवर आदि के सही नही है।
4. अगर ब्रेड-बटर या ब्रेड-घी खाना हो तो ब्रेड को रोस्ट करके, उसके ऊपर बटर या घी लगाना चाहिए, न कि बटर या घी को बहुत गर्म करना चाहिए।
5. पाम ऑयल मे सेहत के लिए कुछ ही अच्छी चीजे है, लेकिन वे रिफाइनिंग प्रोसेस के दौरान अमूमन खत्म हो जाती हैं।
6. जिस भी तेल या घी के लेबल पर ट्रांस फैट 0.2 ग्राम (2 प्रतिशत) से ज्यादा लिखा हो तो उसे कम से कम खाएं।
7. तेल या घी में सैचुरेटिड फैट (कुदरती फैट) की मात्रा 20 फीसदी से ज्यादा नही होनी चाहिए। हम हर दिन करीब 10 ग्राम तक सैचुरेटिड यानी संतृप्त फैट खा सकते हैं।
8. पाम ऑयल या रिफाइंड आदि मे बनी चीजे कम से कम खाएं। इससे आंतरिक सूजन कम रहती है, बैड कलेस्ट्रॉल का स्तर भी काबू मे रहता है। वैसे ज्यादातर रेस्टोरेंट्स मे या ज्यादातर पैक्ड आइटम्स मे पाम ऑयल का उपयोग ज्यादा होता है।

मोटापा कम करना हो या फिर शुगर, बीपी को कंट्रोल में रखना हो या रहना हो दिल की बीमारी से दूर, सरकार भी कहती है कि अपना तेल का उपयोग 10 फीसदी कम करें। इसके साथ यह जानना भी ज़रूरी है कि कौन-सा तेल उपयोग करें क्योंकि हमारे भोजन में तेल की भूमिका काफी अहम है। दिनभर में कम से कम 2 से 3 बार खाना पकाने में तेल इस्तेमाल होता है। इसलिए अलग-अलग तेल की तुलना, घी-बटर को सही तरीके से खाने का तरीका समझना भी ज़रूरी है।

कुछ बेसिक बातें

वनस्पति तेल और वनस्पति घी में क्या फर्क है?

1. वनस्पति तेल (Vegetable Oils)

ये बीजों/फलों से निकलते हैं।

बीजों से बने तेल: सोयाबीन तेल, सरसों का तेल, सूरजमुखी का तेल, कैनोला ऑयल, तिल का तेल

फलों से बने तेल: ऑलिव, पाम ऑयल (फल के गूदे से)

नारियल से:

- **नारियल तेल (सूखे नारियल से):** कुकिंग के लिए यह बढ़िया है। हाई हीट पर भी स्थिर रहता है।
- **वर्जिन नारियल तेल (फ्रेश नारियल से):** हेल्थ और पोषण की दृष्टि से ज्यादा अच्छा हैं क्योंकि यह कम प्रोसेस्ड और न्यूट्रिशन से भरपूर होता है।

नोट: ये वनस्पति तेल हैं। खाना बनाने में इस्तेमाल होते हैं।

2. वनस्पति घी (Vegetable Ghee)

यह नेचुरल घी नहीं है। इन्हें वेजिटेबल ऑयल (ज्यादातर Palm Oil) को Hydrogenation (हाइड्रोजन गैस की मदद से गर्म करके हाइड्रोजन मिलाया जाता है) करके बनाया जाता है। इससे प्रोसेस के दौरान तेल ठोस (सेमी सॉलिड) हो जाता है और बटर जैसा दिखने लगता है। इसलिए इसे मक्खन/घी के सस्ते विकल्प के रूप में इस्तेमाल किया जाता है। प्रोसेस में थोड़ा फर्क करके इसी प्रक्रिया के द्वारा मार्जरीन भी तैयार किया जाता है। वनस्पति घी जहां घी के विकल्प के रूप में उपयोग किया जाता है, वहीं मार्जरीन को बटर के विकल्प रूप में। ये दोनों ही सेहत के लिए हानिकारक हैं।

इन सब चीज़ों में पाम ऑयल

बिस्किट | ब्रेड | चॉकलेट | इंस्टैंट नूडल्स | फ्रेंच फ्राइज | पैटीज | चिप्स | नमकीन | केक

इनके अलावा समोसा, कचौड़ी में भी उपयोग और कुछ कंपनियां साबुन व शैंपू आदि बनाने में भी इस्तेमाल करती हैं।

ऐसे पहचानें

फूड लेबल को पढ़कर से हम उनमें पाम ऑयल या प्रोसेस्ड यानी रिफाइंड ऑयल की मौजूदगी जान सकते हैं।

तेलों का कौन है FUFA
जानते हैं अलग-अलग तेल/घी और उनकी खूबियों व कमियों के बारे में

तेल/घी	फैट टाइप	फायदे / कमियां
पाम ऑयल	Saturated+ MUFA	सस्ता, शेल्फ लाइफ लंबी है/ LDL बढ़ा सकता है, प्रोसेसिंग में ट्रांस फैट का रिस्क
सरसों का तेल	MUFA + PUFA	हार्ट-फ्रेंडली, ओमेगा-3 अच्छा / तीखा स्वाद, एलर्जी की आशंका
तिल का तेल	MUFA + PUFA	ऐंटिऑक्सिडेंट्स, हड्डियों और दिल के लिए अच्छा / हाई कैलोरी, सीमित मात्रा लें।
मूंगफली का तेल	MUFA	स्वाद अच्छा, विटामिन E / एलर्जी वालों के लिए नहीं
नारियल तेल	ज्यादातर Saturated	अच्छा स्वाद, लंबे समय तक टिकता है / LDL बढ़ा सकता है।
घी (गाय/भैंस)	Saturated	अच्छा स्वाद, विटामिन A / ज्यादा लेने से LDL का खतरा।

10%
तेल कम खाने की अपील प्रधानमंत्री मोदी कर चुके है बेहतर सेहत के लिए।

81%
पाम ऑयल का एक्सपोर्ट पूरी दुनिया को इंडोनेशिया और मलयेशिया करता है।

18%
हिस्सा भारत में कुल इंपोर्ट किए गए सभी तेलों में पाम ऑयल का होता है। यह ज्यादातर मलयेशिया और इंडोनेशिया से आता है।

istock

आइसक्रीम में भी पाम ऑयल!

आइसक्रीम बनाने में पाम ऑयल (पाम फ्रूट के गूदे का ऑयल) या पाम कर्नेल ऑयल (पाम फ्रूट के सीड का ऑयल) का इस्तेमाल किया जाता है। सस्ते विकल्प के रूप में यह कई कंपनियों की पसंद है। पाम कर्नेल ऑयल का गलनांक ज्यादा होता है, जिससे आइसक्रीम पिघलने में देर लगती है और यह क्रीमी लगती है।

आइसक्रीम पैकिंग पर Ingredients को जरूर पढ़ें:

- अगर पैकिंग पर लिखा हो: Vegetable oil या Edible vegetable fat या Palm oil या Palm kernel oil या Hydrogenated vegetable fat तो उसमें पाम ऑयल है। इनमें से कोई एक भी हो सकता है या दो, तीन भी। अगर Frozen dessert लिखा हो तो लगभग 100% डेयरी फैट की जगह वेजिटेबल ऑयल का इस्तेमाल हुआ है। FSSAI के अनुसार आइसक्रीम में मिल्क फैट नहीं है तो उसे Frozen dessert कहना जरूरी है।

पाम ऑयल से कुछ दूरी सभी के लिए ज़रूरी!

इसे ऑयल पाम ट्री (वैज्ञानिक नामः Elaeis guineensis) पर मौजूद छोटे-छोटे फलों के लाल या नारंगी गूदे से निकाला जाता है। ये वही पाम के पेड़ हैं जिसके बड़े-बड़े बागान मलेशिया, इंडोनेशिया, अफ्रीका और अब भारत में भी लगाए जाते हैं। इससे खाना पकाने का तेल, बिस्किट, चॉकलेट, चिप्स, साबुन, शैंपू तक बनते हैं। भारत दुनिया में पाम ऑयल का सबसे बड़ा इंपोर्टर है और इंडोनेशिया व मलयेशिया सबसे बड़े एक्सपोर्टर।

पाम ऑयल या रिफाइंड ऑयल के विकल्प

अगर किसी को तेल, घी यानी चिकनाई खाना हो तो कोशिश करें कि कुदरती रूप वाला (सरसों तेल, तिल का तेल, बादाम तेल, घी) ही खाएं। हमारे लिए तेल, रिफाइंड या घी में मौजूद सैचुरेटिड फैट ज्यादा खाना हानिकारक है। लेकिन यह ध्यान रहे कि अगर चिकनाई लेंगे तो कम या ज्यादा यह फैट जाएगा ही। ऐसे में कुदरती फैट में उन हानिकार तत्वों से हम बच जाते हैं जो रिफाइनिंग के दौरान वनस्पति तेल या फिर रिफाइंड या फिर पाम ऑयल आदि में जुड़ जाते हैं या फिर निकल जाते हैं। हां, कुछ कंपनियां ऑयल या रिफाइंड को फॉर्टिफाइड (बाहर से उनमें विटामिन्स या मिनरल्स जोड़ देती हैं) करके बेचती हैं। फिर भी इनका कुदरती रूप ही सबसे अच्छा है। इसलिए पाम ऑयल या फिर रिफाइंड ऑयल के विकल्प के तौर पर सरसों तेल, बादाम तेल, मूंगफली, तिल का तेल, घी (हर दिन आधा से 1 चम्मच से ज्यादा नहीं) उपयोग कर सकते हैं।

पाम ऑयल में क्या-क्या

फैटी एसिड	प्रतिशत	प्रकार
पामिटिक एसिड	40-45%	सैचुरेटिड फैटी एसिड
ओलेइक एसिड	37-40%	मोनोसैचुरेटिड फैटी एसिड
लिनोलिक एसिड	10-11%	पॉलीअनसैचुरेटिड फैटी एसिड
स्टीयरिक एसिड	4-5%	सैचुरेटिड फैटी एसिड

पाम ऑयल में कुछ पोषक तत्व भी मिलते हैं, कैरोटीनॉइड्स एक बड़ा नाम है। यह पाम ऑयल को नारंगी-लाल रंग देता है। इसके अलावा विटामिन-E मौजूद होता है। लेकिन जब इसे रिफाइंड किया जाता है तो ये दोनों ही नष्ट हो जाते हैं। वहीं, इसमें कैलरी की मात्रा करीब-करीब सरसों तेल जितनी है यानी 1 ग्राम में 9 कैलरी यानी 100 ग्राम में करीब 900 कैलरी मिलती है।

इन्हें भी समझ लें

- **ऐंटिऑक्सिडेंट्स और फ्री रेडिकल्स:** फ्री रेडिकल्स हानिकारक होते हैं, ऐंटिऑक्सिडेंट्स फायदेमंद। पाचन से बनते हैं। पाम ऑयल से फ्री रेडिकल्स बहुत ज्यादा बनते हैं।
- **कोल्ड-प्रेस्ड ऑयल:** जब तेल को बिना ज्यादा गर्म किए (अमूमन 27 से 50 डिग्री सेल्सियस तापमान तक) पारंपरिक लकड़ी या मशीन से निकाला जाता है। इसका फायदा यह है कि इससे विटामिन, फ्लेवर और ऐंटिऑक्सिडेंट्स ज्यादा मात्रा में बने रहते हैं।

- **राइस ब्रैन ऑयल:** इसे चावल के दाने की बाहरी परत (ब्रैन) से निकाला जाता है। विटामिन E और अच्छे फैटी एसिड का संतुलन रहता है। यह तलने के लिए अच्छा है।
- **रिफाइंड ऑयल:** रिफाइंड ऑयल सिर्फ पाम ऑयल नहीं होता। सोयाबीन, फल, राइस से भी बनाया जाता है। इनमें बनावटी रंग, स्वाद लाने के लिए रिफाइन किया जाता है। इससे उनमें हानिकारक चीजें जुड़ सकती हैं।

इन वजहों से पाम ऑयल का हो रहा है ज्यादा इस्तेमाल

पाम ऑयल अशुद्धियां, रंग आदि हटाने के दौरान ही इसे बाजार के लिए तैयार कर दिया जाता है। इससे बनने उत्पाद लोगों को देखने में सही लगे इसलिए इसका लाल रंग हटाया जाता है। रंग हटाने के लिए अमूमन क्ले का उपयोग किया जाता है। इसके बाद बारी आती है गंध हटाने की। इसके लिए तेज़ हीट (240 डिग्री सेल्सियस तक) और वैक्यूम से गंध हटाई जाती है। इतने ज्यादा तापमान पर गर्म करने की वजह से ट्रांस फैट्स (ये शरीर में हानिकारक LDL बढ़ाते हैं) बनने लगते हैं जो दिल के लिए नुकसानदायक हैं, साथ ही कुछ ज़रूरी पिग्मेंट और विटामिन (A, E) नष्ट हो जाते हैं।

फिर गर्म पाम ऑयल को ठंडा करके पाम ओलिन (लिक्विड वाला हिस्सा) और पाम स्टीरिन (ठोस वाला हिस्सा) में बांटा जाता है। पाम ओलिन कुकिंग और तलने में, वहीं पाम स्टीरिन बेकरी और मार्जरीन (मक्खन के बदले इस्तेमाल होना) के लिए जाता है। इसके बाद रिफाइंड पाम ऑयल को स्टोर किया जाता है। फिर कंपनियां अलग-अलग ब्रैंड नाम से बाज़ार में बेचती हैं। **होटल, रेस्टोरेंट्स, बेकरी आदि में इसका ज्यादा उपयोग इसलिए किया जाता है क्योंकि कीमत कम होती है और बार-बार फ्राई करने पर स्वाद नही बदलता। वही यह जल्दी भाप बनकर उड़ता भी नहीं।**

इससे किस तरह का होता है नुकसान

यह समझने के लिए कि पाम ऑयल हमें किस तरह नुकसान पहुंचाता है, हमें सैचुरेटिड और अनसैचुरेटिड फैट या फैटी एसिड्स, फैट का सिस (Cis) और ट्रांस (Trans) फॉर्म आदि को सही तरीके से समझना होगा:

1. सैचुरेटिड फैट (Saturated Fat): कम लेने से परेशानी नहीं (हर दिन आधा से एक चम्मच), ज्यादा लेने से नुकसान। LDL बढ़ने का खतरा रहता है। इसके बढ़ने से HDL का स्तर घटने लगता है। इससे हाई बीपी आदि की परेशानी हो सकती है।

थोड़ी मात्रा में ज़रूरी: सैचुरेटिड फैट से हमारे शरीर की कोशिकाओं की झिल्लियों का निर्माण होता है। इससे हॉर्मोन भी बनते हैं।

मसलनः घी, मक्खन, नारियल तेल और पाम ऑयल (वनस्पति तेल)।

2. मोनोअनसैचुरेटिड फैट (Monounsaturated Fat-MUFA): हमारे शरीर के लिए सबसे अच्छा फैट। इसे सही मात्रा में हर दिन लेना चाहिए। **क्यो जरूरी:** यह LDL कलेस्ट्रॉल कम करता है और HDL (अच्छा कलेस्ट्रॉल) बढ़ाता है। दिल और ब्लड शुगर के लिए अच्छा है। हार्ट लाइनिंग के लिए बढ़िया है।

मसलनः सरसों का तेल, तिल का तेल, मूंगफली का तेल, बादाम का तेल, ऑलिव ऑयल आदि।

3. पॉलिअनसैचुरेटिड फैट (Polyunsaturated Fat-PUFA): यह भी हमारे लिए ज़रूरी है लेकिन कम मात्रा में। **क्यो ज़रूरी:** यह हमारे शरीर को ओमेगा-3 और ओमेगा-6 जैसे ज़रूरी फैटी एसिड देता है। ये फैटी एसिड दिल, दिमाग समेत हार्मोंस के लिए बेहद ज़रूरी हैं। पॉलिअनसैचुरेटिड फैट को ज्यादा गर्म करने पर यह हानिकारक पदार्थ में बदल सकता है।

मसलनः सूरजमुखी का तेल, सोयाबीन का तेल आदि। डीप फ्राई करने से बचें।

ट्रांस फैट (Trans Fat): इससे जितना मुमकिन हो बचें

क्यों हानिकारकः इसे बेहतर समझने के लिए मान लें कि तेल या घी का केमिकल स्ट्रक्चर एक रस्सी जैसा है। इसमें Cis फॉर्म में रस्सी बीच से थोड़ी टेढ़ी या मुड़ी रहती है, इसलिए वह हल्की-सी ढीली रहती है और बहने वाले तेल यानी लिक्विड जैसी होती है। वहीं, Trans फॉर्म में वही रस्सी सीधी कर दी जाती है तो वह ज्यादा कड़ी और ठोस जैसी बन जाती है। यह तब होता है जब तेल को बहुत गर्म किया जाता है। इससे उसकी प्रकृति बदल जाती है। कंपनियां यह बदलाव इसलिए करती हैं क्योंकि इससे तेल और उसमें बने प्रॉडक्ट की लाइफ बढ़ जाती है। ये चीजें लंबे समय तक खराब नहीं होतीं। लेकिन यह बदलाव हमारे दिल, लिवर और किडनी समेत पूरे शरीर के लिए हानिकारक होता है। यह खून की नलियों में प्लाक (प्लाक का मतलब है आर्टरीज़ की दीवारों पर जमने वाली चिकनी परत जो खून के बहाव को धीरे-धीरे संकरा कर देती है) बना देता है। इससे स्ट्रोक का खतरा बढ़ता है। यह आंतरिक सूजन को बढ़ाता है।

इनमें होते हैं ट्रांस फैटः पैकिट वाले बिस्कुट, डोनट्स, नूडल्स आदि में।

नोटः 1. WHO ने भी भोजन से ट्रांस को हटाने की सिफारिश की है।

2. FSSAI की ट्रांस फैट सीमा को बढ़ाकर 2% या इससे कम कर दिया गया है यानी किसी खाद्य पदार्थ में शामिल कुल तेल/फैट की मात्रा का 2% से ज्यादा ट्रांस फैट नहीं होना चाहिए। 100 ग्राम प्रॉडक्ट में 0.2 ग्राम या कम ट्रांस फैट है तो इसे ट्रांस फैट फ्री लिखा जा सकता है।

बार-बार गर्म करने से आता है रिफाइंड पाम ऑयल में ट्रांस फैटः अगर कुदरती पाम ऑयल हो तो उसमें ट्रांस फैट बहुत कम होता है, लेकिन हमारी किचन तक पहुंचते-पहुंचते यह कई बार गर्म होता है। इसके बाद हम भी रिफाइंड ऑयल को बार-बार गर्म करते हैं। वहीं, जब बाजार के समोसों या कचौड़ी, नूडल्स आदि बनाते समय एक ही तेल को 10 बार तक गर्म किया जाता है। इसका उपयोग तब तक होता है जब तक यह काला न पड़ जाए।

फार्म से दुकान तक पाम ऑयल

1 पाम के फलों को पेड़ से तोड़कर फैक्ट्री में भेजा जाता है।

2 इसके बाद पाम फ्रूट को मुलायम करने के लिए स्टीम किया जाता है।

3 स्टीम्ड फल से गूदे को अलग करने के लिए मशीन से प्रेस (दबाया) जाता है।

4 गूदे से नारंगी-लाल रंग का क्रूड पाम ऑयल निकलता है। इसमें तीखी गंध भी होती है।

5 कंपनियां क्रूड ऑयल ही इंपोर्ट करके उसे रिफाइन करती है। रिफाइनिंग में क्रूड पाम ऑयल से गंध, रंग हटाने के लिए केमिकल डाला जाता है और तेज गर्म किया जाता है।

6 इसके बाद कंपनियां रिफाइंड पाम ऑयल को 1, 5 आदि लिटर के पैक में पहले दुकानों तक पहुंचाती है।

जागरूक खबरें

बाड़मेर मे जोधपुर संभाग स्तरीय राजस्थान सेवा निवृत पुलिस कल्याण संस्थान बाड़मेर की ओर से स्नेह मिलन आयोजित

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

रावतसर। सेवानिवृत्त पुलिस कल्याण संस्थान का जोधपुर संभाग स्तरीय कार्यक्रम होटल कलिंगा में आयोजित किया गया। जिसमे प्रदेश स्तरीय संस्थान के पदाधिकारी जसवन्त सम्पतराम सेवानिवृत महानिदेशक पुलिस प्रदेश संरक्षक, सांगाराम जांगिड़ सेवानिवृत महानिदेशक पुलिस, महेन्द्रसिंह चौघरी सेवानिवृत महानिरीक्षक पुलिस, सवाईसिंह गोदारा सेवानिवृत महानिरीक्षक पुलिस, नरेन्द्रसिंह मीना जिला पुलिस अधीक्षक बाड़मेर, रिछपालसिंह पुनिया प्रदेश अध्यक्ष, सुखदेव व्यास प्रदेश संचिव, दलपतसिंह भाटी जोधपुर संभाग अध्यक्ष, डा. बंशीधर तातेड़ जिला अधयक्ष सेवानिवृत पेंशन समाज बाड़मेर एवं संभाग के समस्त जिलाध्यक्ष, सरक्षकगण एवं कार्यकारणी के समस्त सदस्य शामिल हुए। यह जानकारी बाड़मेर जिले के संरक्षक विंजाराम पुनिया सेवानिवृत निरीक्षक पुलिस व भभूतसिंह महेचा सेवानिवृत उप निरीक्षक पुलिस जिला अध्यक्ष बाड़मेर ने दी।

केन्द्रीय पेट्रोलियम मंत्री व मुख्यमंत्री ने किया एचपीसीएल राजस्थान रिफाइनरी का निरीक्षण

विकसित भारत की उभरती यात्रा में मील का पत्थर है राजस्थान रिफाइनरी-मुख्यमंत्री शर्मा

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

बालोतरा। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा व केन्द्रीय पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने रविवार को बालोतरा जिले के पचपदरा स्थित एचपीसीएल राजस्थान रिफाइनरी लि. (एचआरआरएल) का निरीक्षण किया। उन्होंने रिफाइनरी परिसर में क्रूड डिस्टिलेशन यूनिट (सीडीयू) व डिलेयड कोकिंग यूनिट (डीसीयू) का सघन निरीक्षण किया एवं कर्मचारियों से आत्मीय मुलाकात कर उनके कार्य अनुभव की जानकारी ली। केन्द्रीय मंत्री पुरी एवं मुख्यमंत्री शर्मा ने रिफाइनरी मेन कंट्रोल रूम (आरएमसीआर) का उद्घाटन किया। इसके पश्चात मुख्यमंत्री व केन्द्रीय पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्री ने आरएमसीआर परिसर में ऑपरेटर प्रशिक्षण सिम्युलेटर का शुभारंभ किया। शर्मा ने सीडीयू, वीडीयू एवं डीसीयू यूनिट के कंट्रोल पैनल के माध्यम से पम्पिंग सिस्टम की शुरूआत की तथा इस प्रकिया की जानकारी ली।

कौशल प्रशिक्षण से स्थानीय युवाओं को रिफाइनरी में मिलेगा रोजगार

केन्द्रीय मंत्री एवं मुख्यमंत्री ने आरएमसीआर में परियोजना समीक्षा बैठक भी ली। बैठक में एचपीसीएल अधिकारियों ने पावर प्वाइंट प्रजेन्टेशन के माध्यम से रिफाइनरी की वर्तमान स्थिति, ओवरव्यू, उत्पाद व निकासी योजना एवं सभी महत्वपूर्ण रिफाइनरी इकाइयों की उपयोगिता एवं सम्पूर्ण उत्पादकता से संबंधित जानकारी दी। केंद्रीय पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्री ने बैठक में रिफाइनरी अधिकारियों को कौशल विकास पहल की आगामी 15 दिनों में कार्ययोजना बनाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि स्थानीय युवाओं को कौशल प्रशिक्षण के माध्यम से इस रिफाइनरी में रोजगार उपलब्ध करवाने के लिए केंद्र एवं राज्य सरकार प्रतिबद्ध है। उन्होंने अधिकारियों से रिफाइनरी की आगामी समय में शुरू होने वाली महत्वपूर्ण इकाइयों को लेकर भी चर्चा की।

रिफाइनरी के बेहतर संचालन में राज्य सरकार देगी हरसंभव सहयोग

मुख्यमंत्री ने बैठक में एचपीसीएल अधिकारियों को प्रदेश में सौर ऊर्जा उत्पादन एवं बैटरी स्टोरेज के लिए नवीन संभावनाएं तलाशने तथा सांभरा में रिफाइनरी द्वारा संचालित होने वाले अस्पताल को शीघ्र प्रारंभ करने के निर्देश दिए। उन्होंने रिफाइनरी के उत्पादों की बिक्री संबंधी कार्ययोजना बनाने एवं सम्पूर्ण रिफाइनरी परिसर में अधिकाधिक पौधारोपण करने के निर्देश दिए। उन्होंने रिफाइनरी की महत्वपूर्ण इकाइयों के शीघ्र कार्यशील होने एवं पूर्ण क्षमता पर संचालन के लिए राज्य सरकार की ओर से हरसंभव सहयोग उपलब्ध कराने का आश्वासन दिया। इससे पूर्व पौधारोपण भी किया गया।

केन्द्र एवं राज्य के संयुक्त प्रयासों से रिफाइनरी के कार्यों में आई गति

मुख्यमंत्री शर्मा ने रिफाइनरी की प्रगति पर संतोष व्यक्त करते हुए कहा कि राज्य एवं केन्द्र सरकार के संयुक्त प्रयासों से पिछले 6 माह में रिफाइनरी के कार्यों में उल्लेखनीय तेजी आई है और शीघ्र ही इसका संचालन प्रारंभ हो सकेगा। उन्होंने कहा कि यह रिफाइनरी स्थानीय युवाओं को रोजगार के साथ ही राज्य की अर्थव्यवस्था को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। उन्होंने कहा कि हम पर्यावरण संरक्षण के साथ राज्य के चहुंमुखी विकास के लिए प्रतिबद्ध हैं। इस अवसर पर पशुपालन एवं डेयरी मंत्री जोराराम कुमावत, उद्योग एवं वाणिज्य राज्यमंत्री के.के. विश्नोई, सांसद राजेन्द्र गहलोत, विधायक हमीर सिंह भायल, डॉ. प्रियंका चौधरी, आदूराम मेघवाल, अरूण चौधरी सहित पूर्व केन्द्रीय राज्यमंत्री कैलाश चौधरी, मुख्य सचिव सुधांश पंत सहित विभिन्न उच्चाधिकारी एवं एचपीसीएल के अधिकारी मौजूद रहे।

हर्षोल्लास से निकाली बाबा रामदेव की शोभायात्रा

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

चित्तौडगढ़। हर वर्ष की भाँति भादवा सुदी बीज पर निकाले जाने वाली सालवी समाज के आराध्य बाबा रामदेव की जिलास्तरीय 10वीं शोभायात्रा सोमवार को हर्षोल्लास से निकाली गई। इसके पश्चात् समाज का द्वितीय प्रतिभा सम्मान समारोह सम्पन्न हुआ। कांग्रेस नेता सुरेन्द्र सिंह जाड़ावत द्वारा सुभाष चौक पर हरी झण्डी दिखाकर शोभायात्रा को रवाना किया गया। इस अवसर पर रणजीत लोठ, रमेशनाथ योगी, अनिल सोनी, विक्रम जाट, नवरतन जीनगर बतौर विशिष्ठ अतिथि उपस्थित रहे। हंसराज सालवी, रतनलाल ने बताया कि शोभायात्रा शहर के विभिन्न मार्गो से होते हुए इंदिरा प्रियदर्शनी ऑडिटोरियम पहुँची जहाँ जिला प्रमुख गब्बर सिंह अहीर के मुख्य आतिथ्य में प्रतिभा सम्मान समारोह का आयोजन हुआ। अध्यक्षता मदनलाल, राजेन्द्र, श्यामलाल सालवी ने की व विशिष्ठ अतिथि प्रधान देवेन्द्र कंवर भाटी, शंकरलाल, रमेश चन्द्र बलाई, पहलवान सालवी, भूपेन्द्र, सोनू उपस्थित रहे। कार्यक्रम में राष्टीय, राज्य, जिलास्तरीय प्रतिभावान छात्र, छात्रा, 10 बार से अधिक रक्तदान करने वाले समाज के रक्तदाता, समाज के भामाशाह एवं नवपदस्थापित कर्मचारियों सहित बोर्ड की 8वीं, 10वीं व 12वीं कक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले बालक-बालिकाओं का उपरना ओढ़ा कर, प्रशस्ति पत्र देकर सम्मान किया गया। इस अवसर पर रतनलाल, मन्नालाल, अम्बालाल, प्रहलाद, किशोर, देवकृष्ण, प्रभुलाल, भगवानलाल, दिनेश, किशनलाल, केवलराम, कालूराम, रोशनलाल, रतनलाल, मुकेश, राजूलाल, रमेश, दीपक, मुकेश, डालचंद, जगदीश, मांगीलाल सहित समाजजन उपस्थित थे।

बैरवा विकास समिति ने भादवी बीज को हर्षोल्लास से मनाया

प्रतापनगर बैरवा विकास सेवा समिति द्वारा भादवी बीज के अवसर पर लोक देवता बाबा रामदेव जन्मोत्सव को धूमधाम से मनाया गया। प्रताप नगर स्थित मंदिर पर विद्युत सजावट की गयी। कार्यक्रम की शुरूवात मंदिर पर हवन से हुयी जिसमे घीसालाल बैरवा ने हवन पूजन किया। हवन के बाद भगवान लाल जोनवाल और सूरजमल द्वारा महाआरती की गयी। उसके बाद बेंड डी जे के साथ जुलुस निकला गया जो प्रताप नगर बाबा रामदेव मंदिर से शुरू होकर फव्वारा चौक होते हुए रेगर मोहल्ला, मीना मोहल्ला, सेन मोहल्ला होते हुए पुनः बाबा रामदेव मंदिर पर संपन हुआ। महिला और पुरुष बेंड पर बजते हुए लोकगीत पर नाचते, थिरकते हुए आनंद लेते चल रहे थे। जुलुस में लक्ष्मण, पुखराज, देवी लाल बैरवा, राजकुमार बिलवाल, सोनू बिलवाल, मोहन बैरवा, अर्जुन बैरवा, पंकज, अनिल जोनवाल, नीरज, चेतन डांगी, कृष्णा जोनवाल, अर्जुन डांगी, चमन, भावेश, तुषार,सोनू बदगोती, दिलीप,निखिल, महेंद्र बैरवा, महेश बैरवा, रवि सेन सहित बैरवा समाज के कई महिला-पुरुष मोजूद रहे। मंदिर पर बाबा की ध्वजा चढाकर प्रसाद वितरित किया गया।

भादवी बीज पर निकला जुलूस

जन-जन के आराध्य लोक देवता बाबा रामदेव जन्मोत्सव भादवी बीज के मौके पर बैरवा युवा शक्ति संगठन द्वारा भव्य जुलूस निकाला गया। जिसमें बैरवा समाज के समाजजनों ने हर्षोल्लास से भाग लिया। जुलूस में बाबा रामदेव मंदिर पर चढ़ने वाली ध्वजा को विभिन्न मोहल्लों से होकर गुजारा जिसकी लोगों ने पूजा-अर्चना की। कुसुम कांत जारवाल ने बताया कि बाबा रामदेव के जन्मोत्सव पर मीठाराम जी खेड़ा स्थित पुराने मंदिर से भव्य जुलूस प्रारंभ हुआ, जो बैरवा मोहल्ले से गुरूद्वारा, रेगर मोहल्ला, सेन मोहल्ला होते हुए चौराहे स्थित मंदिर पर पहुंचा जहां पर महिलाओं व पुरूषों ने भजनों पर नृत्य कर बाबा रामदेव के जयकारे लगाये। वहां से जुलूस पुनः बाबा रामदेव स्थित पुराने मंदिर पर सम्पन्न हुआ, जहां पूजा-अर्चना व हवन के साथ ध्वजा चढ़ाई गई। इस मौके पर मनोज बैरवा, गुलाब बेनवाल, छितरमल, रतन, चुन्नीलाल बैरवा, मुकेश बेनवाल, जितेन्द्र, दिनेश जोनवाल, बहादुर बैरवा, भैरू जारवाल, मांगीलाल जोनवाल, रतन गोमा, गोपाल बड़गोती, मोहन चौहान, संदीप शाह सहित समाज के महिला-पुरूष व बच्चे मौजूद रहे।

राजस्थान राज्य प्रदूषण नियंत्रण मंडल का एमआईएस 1.0 होगा बंद

एमआईएस 2.0 के माध्यम से ऑनलाइन हो रहे आवेदन

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

सिरोही। राजस्थान राज्य प्रदूषण नियंत्रण मंडल ने मैनेजमेंट इन्फोर्मेशन सिस्टम (एमआईएस) 1.0 से नवीन आवेदन प्रक्रिया को बंद करने का निर्णय लिया है। वे सभी आवेदन जो एमआईएस 1.0 पर प्राप्त हुए है उन्हें ग्रीन चैनल बनाकर एमआईएस 1.0 के माध्यम से निस्तारित किया जाएगा। अब उद्योगों के आवेदन केवल एमआईएस 2.0 पर ऑनलाइन प्रक्रिया से किए जाएंगे।

राज्य में ईज़ ऑफ डूइंग बिजनेस को बढ़ावा देने के उद्देश्य से मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा द्वारा 5 जून, 2025 को विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर एमआईएस 2.0 का लोकार्पण किया गया था। इसके तहत सभी आवेदन ऑनलाइन माध्यम से बिना किसी मानवीय हस्तक्षेप के भरे जा रहे है। किसी भी उद्योग की निरीक्षण सूचना, त्रुटि सूचना, निश्चित समय सीमा जैसी सुविधाएं एमआईएस 2.0 के वेब पोर्टल एवं मोबाइल ऐप पर उपलब्ध करवाई जाती है। सिस्टम के अंतर्गत प्रशासनिक प्रक्रियाओं को सरल बनाने के लिए ऑटो रिन्यूअल सिस्टम की उपलब्धता है। एमआईएस 2.0 में एक सिटीज़न पोर्टल भी उपलब्ध है जिसमें कोई भी व्यक्ति राजस्थान राज्य प्रदूषण नियंत्रण मंडल के संबंधित जानकारी प्राप्त कर सकता है व ऑनलाइन शिकायत भी दर्ज करवा सकता है। सभी उद्योगपतियों से आग्रह है कि एमआईएस 2.0 व इसके ऑटो रिन्यूअल सिस्टम में आवेदन कर त्वरित एवं पारदर्शी प्रक्रिया का लाभ उठाएं।

महाराणा प्रताप कृषि एवं प्रौद्योगिकी विविद्यालय में गेस्ट हाउस एक्सटेंशन ब्लॉक का शिलान्यास

उदयपुर @ जागरूक जनता। महाराणा प्रताप कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, उदयपुर के गेस्ट हाउस में आधुनिक सुविधाओं से युक्त नए एक्सटेंशन ब्लॉक का शिलान्यास विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. अजीत कुमार कर्नाटक द्वारा किया गया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के निदेशक अनुसंधान डॉ. अरविंद वर्मा, निदेशक प्रसार शिक्षा डॉ. आर.एल. सोनी, निदेशक रेजिडेंट इंस्ट्रक्शन एवं डीन, कॉलेज ऑफ फिशरीज डॉ. राम अवतार कौशिक, भू सम्पत्ति अधिकारी रणवीर शेखावत, गेस्ट हाउस प्रभारी डॉ. सुभाष मीना, प्रबंधक सुधीर साधवानी एवं गोपाल मीना, तथा भूमि संपदा अधिकारी कार्यालय के आर.के. बाबेल एवं देवराज सिंह सहित अनेक अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

श्री नाकोड़ा देवनारायण देव स्थल पर भजन संध्या आज

चित्तौडगढ़ @ जागरूक जनता। जिले के महाराज की नेतावल के निकट पाचली में मगरी पर स्थित श्री नाकोड़ा देवनारायण देव स्थल पर भादवा भक्ति मास में 27 अगस्त को रात्रि जागरण, भजन संध्या एक शाम श्री देवनारायणजी के नाम का आयोजन किया जाएगा। भजन संध्या में राजस्थानी भजनगायक कमलनाथ योगी, भेरूलाल गाडरी, नारायण गुर्जर और बबलू पुजारी कलाकार भजनों की प्रस्तुति देंगे। साउंड ऑपरेटर कालू अहीर व म्यूजिशियन सोनसा ग्रुप आदि रहेंगे। भोपाजी हेमराज गुर्जर ने बताया कि 27 अगस्त को रात्रि जागरण की तैयारियां की गई है। 28 अगस्त को सुबह धूप दीप अनुष्ठान होगा। जिला मुख्यालय से करीब 28 कि मी दूरी पर नेतावल के निकटवर्ती पाचली में प्राचीन, चमत्कारिक श्री नाकोड़ा देवनारायण मंदिर पर आयोजन होगा।

भूमि पर अतिक्रमण के खिलाफ भूख-हडताल की शुरू

चित्तौडगढ़ @ जागरूक जनता। ग्राम पंचायत आरणी में स्थित गोस्वामी व नाथ समाज की समाधि भूमि जो कि तालाब पेटे की जमीन है। उक्त भूमि पर गांव के भैरूलाल सुथार ने अपने साथियो के साथ मिलकर अवैध कब्जा कर लिया, इसके संबंध मे 30 जून को ग्राम विकास अधिकारी आरणी विकास अधिकारी, थाना प्रभारी, जिला कलेक्टर व पुलिस अधिक्षक को ग्रामीणों द्वारा ज्ञापन दिया गया था। 15 जून व 29 जून को सम्पर्क पोर्टल पर भी शिकायत दर्ज करवायी जिसे 91 की कार्यवाही की जा रही है, कह कर बंद कर दिया गया। उसके उपरांत एक शिकायत पत्र 5 अगस्त को डाक के माध्यम से जिला कलेक्टर व पुलिस अधीक्षक को प्रेषित किया, उसके बाद भी कार्यवाही नही हुई जबकि सरकार के आदेशानुसार रास्ते व चारागाह से तुरन्त अतिक्रमण हटाना चाहिए। इस संबंध मे पुलिस एवं जिला कलेक्टर द्वारा भी कार्यवाही नही की गई। पुलिस थाना राशमी वालों द्वारा ग्रामीणों को थाने पर बुलाकर डराने का काम किया। अतिक्रमियों द्वारा अतिक्रमण नही हटाने की स्थिति पर ग्रामवासियों ने सोमवार से भूख हडताल प्रारम्भ की।

महर्षि दधीचि जयंती के उपलक्ष्य में समाजजनों ने वृद्ध आश्रम में कराया भोजन

चित्तौडगढ़ @ जागरूक जनता। महर्षि दधीचि सेवा संस्थान दाधिच समाज द्वारा 8 दिवसीय महर्षि दधीचि जयंती महोत्सव मनाया जा रहा है। उसी कड़ी में सोमवार को कालिका नगर स्थित खुशहाल वृद्ध आश्रम में वृद्ध जनों की सेवा कर उन्हें भोजन खिलाया गया। वृद्धाश्रम की डायरेक्टर नंदनी दाधीच द्वारा समाज जनों को गतिविधियों से अवगत कराया। अध्यक्ष संजय इटोदिया, मनोज भट्ट, महेंद्र शर्मा, दीपक तिवारी ने समिति के सत्यनारायण ओझा, उमा शंकर दाधीच, नंदनी का सम्मान किया। इस मौके पर महेश भट्ट, सत्यनारायण व्यास, सुरेश शर्मा, यशवंत कोलीवाल, मोहन भट्ट, शिव प्रकाश दाधीच, सत्यनारायण भट्ट, कमलेश दायमा, राजकुमार तिवारी, सुरेश चंद्र शर्मा, रामस्वरूप जोशी, सत्यनारायण काकड़ा, राकेश जोशी, रघुनंदन दाधीच, जगदीश चंद्र, अशोक मिश्रा, पंकज काकड़ा, राजेन्द्र तुलछिया, शिवशंकर जोशी आदि कई समाजजन उपस्थित रहे।

किशनगढ़ में रियल स्टेट महाकुंभः निवेशकों व ग्राहको ने जमकर उठाया फायदा

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

मदनगंज-किशनगढ़। सम्पर्क संस्थान और राजस्थान रियलटर्स के सयुंक्त तत्वाधान में राजस्थान की मैनचेस्टर नगरी किशनगढ़ में प्रोपर्टी एक्स्पो का समापन समारोहपूर्वक सम्पन्न हुआ। लव कुश होटल में दो दिवसीय इस भव्य आयोजन में राजस्थान के टॉप 15 बिल्डर्स ने प्लॉट, विला, फ्लैट्स, दुकाने, आफिस, रिसोर्ट, कॉमर्शियल सहित अपने-अपने प्रोजेक्ट को निवेशकों के समक्ष प्रस्तुत किए।

एक ही छत के नीचे राजस्थान के टॉप बिल्डर्स

इस आयोजन में किशनगढ़ विधायक डॉ. विकास चौधरी, पूर्व विधायक सुरेश टाक, किशनगढ़ मार्बल एसोसिएशन अध्यक्ष सुधीर जैन, उपाध्यक्ष रमेश चांडक, समाजसेवी प्रदीप अग्रवाल, चंदू वैद, माहेश्वरी समाज अध्यक्ष रामनारायण झंवर, ज्वेलर्स एसोसिएशन के सुरेंद्र मेहनोत, किशनगढ़ टेक्सटाइल पार्क चेयरमैन विजय अग्रवाल, प्रमुख उद्योगपति ओम तोषनीवाल सहित अनेक व्यापारियों ने अवलोकन किया।

मार्बल पॉवरलूम और विभिन्न समाज के साथ जनप्रतिनिधियों का उमड़ा सैलाब

इस दौरान विज़िटर्स को अनेक लकी ड्रा के जरिये पुरस्कार दिए गए। कार्यक्रम में सभी बिल्डर्स को स्मृति चिन्ह प्रदान किए गए। राजस्थान रियलटर्स के डायरेक्टर नवीन भूटानी और संपर्क संस्थान के अध्यक्ष अनिल लढ़ा, तक्षक कंपनी की डायरेक्टर प्रियल टांक, सुनील अग्रवाल, मधु मूलचंदानी, कल्पना टाक, नवीन व्यास ने अतिथियों का स्वागत किया।

बड़े बिल्डर्स ने लिया भाग

इस प्रॉपर्टी एक्सपो में मंगलम ग्रुप के साथ रांकावत ग्रुप, रोसियम कॉलोनाइजर्स, चोरडिया ग्रुप, फाइन एसर्स, समन्वयक ग्रुप, यदुराज रियल्टी, वंशदीप, एस. आर. एस., आधार प्राइम, श्रीराम ग्रुप, वृन्दावन प्रापर्टीज के प्रमोटर्स ने अपने-अपने प्रोजेक्ट्स और उनकी विशेषताओं को दर्शाया। रूफलाइन आर्किटेक्ट भी आकर्षण का केंद्र बना। यह आयोजन किशनगढ़ वासियों के लिए अनेक सौगातें लेकर आया। निवेशकों और बिल्डर्स के बीच की कड़ी बने राजस्थान रियलटर्स और सम्पर्क संस्थान के प्रयासों की सबने सराहना की।

केंद्रीय आयुर्वेदिक विज्ञान अनुसंधान परिषद द्वारा ₹50,000/- की स्टूडेंटशिप से सम्मानित

आयुर्वेद विवि की छात्रा मुस्कान आयुष मंत्रालय द्वारा सम्मानित

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जोधपुर। डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन राजस्थान आयुर्वेद विश्वविद्यालय, जोधपुर की बी ए एम एस प्रथम वर्ष की छात्रा मुस्कान ने केंद्रीय आयुर्वेदिक विज्ञान अनुसंधान परिषद (CCRAS), आयुष मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा संचालित 'स्पार्क (SPARK-03) (2024-25)' स्टूडेंटशिप प्रोग्राम में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर विश्वविद्यालय का नाम रोशन किया है। मुस्कान ने "प्रकृति के संदर्भ में प्री-डायबिटीज का एक प्रेक्षणात्मक अध्ययन" विषय पर अनुसंधान परियोजना पूर्ण की, जिसका मार्गदर्शन प्रोफेसर दिनेश चंद्र शर्मा, विभागाध्यक्ष क्रिया शारीर विभाग ने किया। परियोजना की अंतिम रिपोर्ट के मूल्यांकन में मुस्कान को अति उत्तम ग्रेड प्राप्त हुआ एवं सी सी आर एएस नई दिल्ली द्वारा 50,000/- की स्टूडेंटशिप से सम्मानित किया गया। इस अवसर पर कुलगुरु प्रो. (वैद्य) प्रदीप कुमार प्रजापति ने कहा कि यह अत्यंत हर्ष का विषय है कि हमारी छात्रा मुस्कान ने CCRAS के राष्ट्रीय स्तर के स्टूडेंटशिप कार्यक्रम में चयनित होकर विश्वविद्यालय का नाम रोशन किया है। यह उपलब्धि हमारी शोध परंपरा, अकादमिक गुणवत्ता तथा विद्यार्थियों की प्रतिभा का परिचायक है। मैं मुस्कान को हार्दिक बधाई देता हूँ तथा आशा करता हूँ कि हमारे विद्यार्थी आगे भी ऐसे शोध कार्यों में सक्रिय भागीदारी निभाकर आयुर्वेद को वैश्विक स्तर पर प्रतिष्ठित करेंगे।

घर मंगवाये जागरूक जनता

सदस्यता फार्म
दिनांक ....

जागरूक जनता हिन्दी अखबार एक उद्देश्य, एक मिशन, एक विश्वास के साथ आमजन की समस्याएं, वर्तमान राजनीतिक परिदृश्य, सांस्कृतिक गलियारा, भौगोलिक दृष्टिकोण को एक-दूसरे से साझा करने के लिए एक सेतु का काम कर रहा है। शहरी व ग्रामीण क्षेत्रों में आधुनिकतम एवं तकनीकी जानकारी पहुंचाकर शहरी एवं ग्रामीण विकास को प्रोत्साहित कर रहा है। जागरूक जनता समय-समय पर भिन्न-भिन्न विषयों के साथ- अपने पाठकों के बीच उपस्थित रहता है।

सदस्यता राशि

☐ एक वर्ष रु. 250/- ☐ दो वर्ष रु. 450/- ☐ तीन वर्ष रु. 600/- ☐ पांच वर्ष रु. 1000/-

डाक से नियमित रुप से निम्न पते पर जागरूक जनता भेजने के लिए डिमान्ड ड्राफ्ट/मनीऑर्डर जागरूक जनता के नाम भेज रहा हूं। फोन-पे, पेटीएम-9829329070

नाम / संस्था का नाम ....

पता : ....

फोन .... पिन कोड

राशि (रुपए) .... बैंक का नाम ....

डिमान्ड ड्राफ्ट / मनीऑर्डर क्रमांक (डीडी/एमओ जागरूक जनता के नाम भेजें)

• सदस्यता रजिस्ट्रेशन क्रं. ....रसीद क्रं. ....

दिनांक .... हस्ताक्षर

सदस्यता हेतु लिखे प्रसार प्रभारी →

जागरूक जनता
सकारात्मक हिन्दी अखबार
बी-132, जे.पी. कॉलोनी, सैक्टर-4, विद्याधर नगर, जयपुर (राज.) मो.- 9829329070, 9928022718

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक ज्ञानेन्द्र मिश्रा के लिए जैमन प्रिन्टर्स प्राइवेट लिमिटेड, जी-1-68, रोड नम्बर-14, वीकेआई, जयपुर से मुद्रित एवं प्रशासनिक और विज्ञापन कार्यालय : बी-132, जे.पी. कॉलोनी, सैक्टर-4, विद्याधर नगर, जयपुर-302039 से प्रकाशित। फोन : 0141-3587886

SCO शिखर सम्मेलन में भाग लेने तिआनजिन (चीन) जाएंगे पीएम मोदीः विदेश मंत्रालय

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 31 अगस्त और 1 सितंबर 2025 को शंघाई सहयोग संगठन (SCO) के 25वें राष्ट्राध्यक्षों के शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए तिआनजिन, चीन का दौरा करेंगे। विदेश मंत्रालय के सचिव (पश्चिम) तमन्य लाल ने प्रेसवार्ता में बताया कि यह दौरा चीन के राष्ट्रपति महामहिम शी जिनपिंग के निमंत्रण पर हो रहा है। शंघाई सहयोग संगठन की स्थापना आतंकवाद, अलगाववाद और चरमपंथ जैसी तीन बुराइयों से मुकाबले के उद्देश्य से हुई थी। आज यह संगठन क्षेत्रीय सहयोग का एक व्यापक मंच बन चुका है, जिसमें सुरक्षा, व्यापार, कनेक्टिविटी, संस्कृति और पर्यावरण जैसे विविध क्षेत्र शामिल हैं।

वर्तमान में SCO के 10 सदस्य देश हैं – भारत, चीन, रूस, पाकिस्तान, ईरान, बेलारूस, उज्बेकिस्तान, कजाकिस्तान, किर्गिज़स्तान और ताजिकिस्तान।

15वें भारत-जापान वार्षिक शिखर सम्मेलन में हिस्सा लेने जापान जाएंगे पीएम

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 28 अगस्त की शाम जापान के आधिकारिक दौरे पर रवाना होंगे। यह दौरा 29 और 30 अगस्त को आयोजित होने वाले 15वें भारत-जापान वार्षिक शिखर सम्मेलन के सिलसिले में हो रहा है, जहां वह जापान के प्रधानमंत्री शिगेरु ईशिबा के साथ द्विपक्षीय वार्ता करेंगे। विदेश सचिव विक्रम मिसरी ने प्रेसवार्ता में बताया कि यह यात्रा कई मायनों में ऐतिहासिक है। यह प्रधानमंत्री मोदी की प्रधानमंत्री ईशिबा के साथ पहली वार्षिक बैठक होगी और लगभग 7 वर्षों में उनकी जापान की पहली एकल यात्रा भी है। इससे पहले वह जापान गए थे, लेकिन वह दौरे बहुपक्षीय सम्मेलनों और औपचारिक आयोजनों के लिए थे। 2018 में हुई पिछली वार्षिक शिखर बैठक के बाद यह पूर्ण रूप से द्विपक्षीय संबंधों पर केंद्रित यात्रा होगी। प्रधानमंत्री मोदी का यह जापान का आठवां दौरा होगा, जो भारत-जापान संबंधों को भारत की विदेश नीति में दी जाने वाली प्राथमिकता को दर्शाता है। भारत और जापान के बीच यह वार्षिक शिखर सम्मेलन दोनों देशों के बीच सबसे उच्च स्तरीय संवाद मंच है, जो विशेष रणनीतिक और वैश्विक साझेदारी को आगे बढ़ाता है। विदेश सचिव ने बताया कि दोनों नेता पहले भी विभिन्न अंतरराष्ट्रीय आयोजनों के दौरान मुलाकात कर चुके हैं, जैसे विएंतियन में ASEAN शिखर सम्मेलन और हाल ही में कनाडा के कानानास्किस में G7 शिखर सम्मेलन के मौके पर। अब यह चर्चा टोक्यो में 29 अगस्त को औपचारिक बैठक के दौरान आगे बढ़ेगी। भारत और जापान एशिया की दो प्रमुख लोकतंत्रात्मक और आर्थिक शक्तियाँ हैं, और उनके बीच संबंधों का दायरा व्यापार, निवेश, रक्षा, विज्ञान-तकनीक, आधारभूत संरचना, जन-से-जन संपर्क और सांस्कृतिक सहयोग जैसे क्षेत्रों में निरंतर बढ़ा है।

आरपीएससीः 415 अभ्यर्थी भर्ती परीक्षाओं से आजीवन डिबार

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। राजस्थान लोक सेवा आयोग द्वारा पात्र अभ्यर्थियों के हितों की रक्षा के लिए किसी भी तरह की धांधली या गलत तरीकों से नौकरी पाने की कोशिश करने वालों पर कड़ी नजर रखी जा रही है। इसके साथ ही आयोग द्वारा किये जा रहे नवाचारों से पात्र एवं योग्यतम् अभ्यर्थियों के हितों पर कुठाराघात की संभावनाएं भी समाप्त होती जा रही हैं। इसी प्रयास की निरंतरता में, आयोग द्वारा फर्जी दिव्यांग प्रमाण-पत्र, छद्म डिग्री व दस्तावेजों तथा जालसाजी एवं अन्य प्रकरणों में अभी तक 524 संदिग्ध और अपात्र अभ्यर्थियों को आयोग भर्ती परीक्षाओं से डिबार किया गया है। इनमें से 415 अभ्यर्थियों को आजीवन आयोग की भर्ती परीक्षा से तथा शेष 109 अभ्यर्थियों को 1 से 5 वर्ष तक की अवधि के लिए डिबार किया गया है। जिला-वार सूची के अनुसार, जालौर में सबसे अधिक 128 उम्मीदवारों को डिबार किया गया है, उसके बाद बांसवाड़ा (81) व डूंगरपुर (40) का स्थान है।

डिबार किए जाने के कारण

- » फर्जी डिग्री/दस्तावेजः कुल 157 मामले, जिनमें सर्वाधिक 126 मामले फर्जी बीएड डिग्री से संबंधित हैं।
- » परीक्षा में अनुचित साधन प्रयुक्त करने के कुल 148 मामले, डिबार का अन्य सबसे बड़ा कारण है।
- » प्रतिरूपण (डमी अभ्यर्थी) के कुल 68 मामले, जिसमें स्वयं के स्थान पर अन्य व्यक्ति को परीक्षा में अपने स्थान पर बैठाना शामिल है।
- » ब्लूटूथ/मोबाइल/इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस से नकल प्रयासः 38 मामले।
- » प्रश्न पत्र/ओएमआर शीट का दुरुपयोगः प्रश्न पत्र या ओएमआर शीट को केंद्र से बाहर ले जाने, अवांछित टिप्पणी अंकित करने, ओएमआर शीट से छेड़छाड़ के कुल 62 मामले।
- » **अन्य कारण** - परीक्षा आयोजन में व्यवधान, निर्धारित स्थान पर अन्य अभ्यर्थी का पाया जाना, परीक्षा फार्म में गलत सूचना जैसे विविध कारणों से अन्य 51 अभ्यर्थियों को भी आयोग द्वारा डिबार किया गया है।

डिबार लिस्ट में अन्य राज्यों के उम्मीदवार भी शामिल

डिबार किए गए कुल 524 अभ्यर्थियों में से 514 राजस्थान के विभिन्न जिलों से हैं, जबकि 10 अभ्यर्थी अन्य राज्यों जैसे उत्तर प्रदेश (5), हरियाणा (2), बिहार (1), दिल्ली (1), और मध्य प्रदेश (1) से हैं।

मल्टीपल एसएसओ आइडी से आवेदन पर भी नजर

आयोग द्वारा मल्टीपल एसएसओ आइडी से आवेदन करने वाले अभ्यर्थियों पर भी नजर रखी जा रही है। ऐसे आवेदक जिनके द्वारा एक ही परीक्षा के विभिन्न सत्रों में बैठने का प्रयास किया गया तथा इस हेतु मल्टीपल आवेदन किए गए हैं उनको भी भर्ती परीक्षाओं से डिबार किया गया है। आयोग द्वारा भर्ती परीक्षाओं में आवेदन करने के लिए 7 जुलाई 2025 से ही केवाइसी प्रक्रिया आरंभ की गई है। इसके तहत वन टाइम रजिस्ट्रेशन में आधार/जन आधार नंबर अपडेट करना आवश्यक कर दिया गया है एवं इसी दिन से यह सुविधा अभ्यर्थियों को उपलब्ध भी करा दी गई है। ई-केवाइसी के बिना आगामी भर्ती परीक्षाओं के लिए आवेदन नहीं किए जा सकेंगे। आयोग द्वारा विभिन्न ओटीआर प्रोफाइल की जांच में यह सामने आया है कि कई अभ्यर्थियों द्वारा एक से अधिक प्रोफाइल विभिन्न एसएसओ आईडी के माध्यम से बनाए हुए हैं। ऐसे में दोहरीकरण को रोकने तथा अभ्यर्थी की पहचान सुनिश्चित करने के दृष्टिकोण से यह आवश्यक है कि अभ्यर्थी एसएसओ आईडी द्वारा बनाए गए अपने ओटीआर प्रोफाइल को आधार अथवा जन आधार द्वारा ई-केवाईसी के माध्यम से सत्यापित करें।

माता वैष्णो देवी मार्ग पर हादसा, अर्धकुवारी में लैंडस्लाइड के बाद यात्रा रोकी गई, रेस्क्यू ऑपरेशन जारी

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

नई दिल्ली। जम्मू-कश्मीर के रियासी जिले में माता वैष्णो देवी मंदिर मार्ग पर लैंडस्लाइड की घटना हुई है। एक अधिकारी ने बताया है कि ये क्षेत्र भूस्खलन से प्रभावित है। श्री माता वैष्णो देवी श्राइन बोर्ड ने आधिकारिक 'एक्स' हैंडल पर जानकारी दी है कि ये लैंडस्लाइड इंद्रप्रस्थ भोजनालय के पास हुआ है और कई लोगों के घायल होने की संभावना है। जानकारी के मुताबिक, हादसे के बाद वैष्णो देवी यात्रा को रोक दिया गया है। श्री माता वैष्णो देवी श्राइन बोर्ड ने ट्वीट में बताया- "अर्धकुवारी स्थित इंद्रप्रस्थ भोजनालय के पास भूस्खलन की घटना हुई है, कुछ लोगों के घायल होने की आशंका है। आवश्यक जनशक्ति और मशीनरी के साथ बचाव कार्य जारी है। जय माता दी।"

6 यात्रियों को गंभीर चोटें

अब तक मिली जानकारी के मुताबिक, माता वैष्णो देवी मार्ग पर अर्धकुवारी में भोजनायल के पास जब लैंडस्लाइड हुआ उस दौरान घटनास्थल पर 12 से 15 यात्री थे। इनमें से 6 यात्रियों को गंभीर चोटें आने की बात सामने आई है।

HBOT जीवन रक्षक प्रणाली द्वारा इलाज
ऑक्सीजन (प्राणवायु) ट्रीटमेंट
»मस्तिष्क चोट, पक्षाघात/लकवा
»सेरेब्रल पाल्सी, ऑटिज्म
»असाध्य घाव/शुगर के घाव
»कैंसर (रेडियो थेरेपी) के साईड इफेक्ट
»अचानक बहरापन (Hearing Loss)
»डाईबेटिक फुट में अम्पुटेशन (पैर कटने) से बचाव
अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करेंः-
98290-17133, 70737-77133
9983317133
डॉ. हिमांशु अग्रवाल M.B.B.S. M.D.
नेशनल हायपरबैरिक रिसर्च सेन्टर
594-B-C, जेम्स कॉलोनी, सैक्टर-3, मंदिर मोड, विद्याधर नगर, जयपुर
Dept. of Hyperbaric Medicine
Fortis Escorts Hospital
JLN Marg, Malviya Nagar, Jaipur
E-mail : hbotjaipur@gmail.com
www.nationalhbot.in

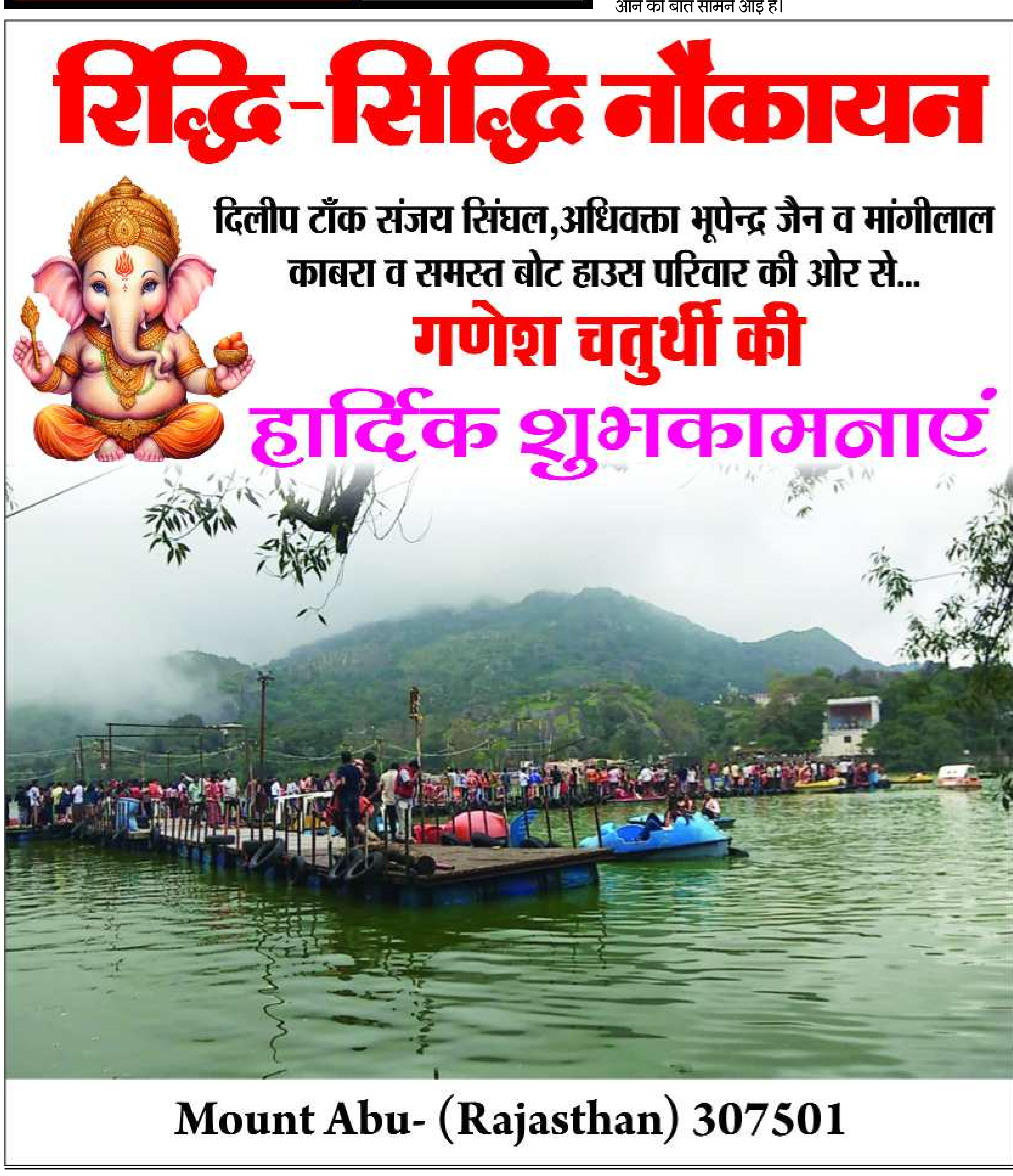

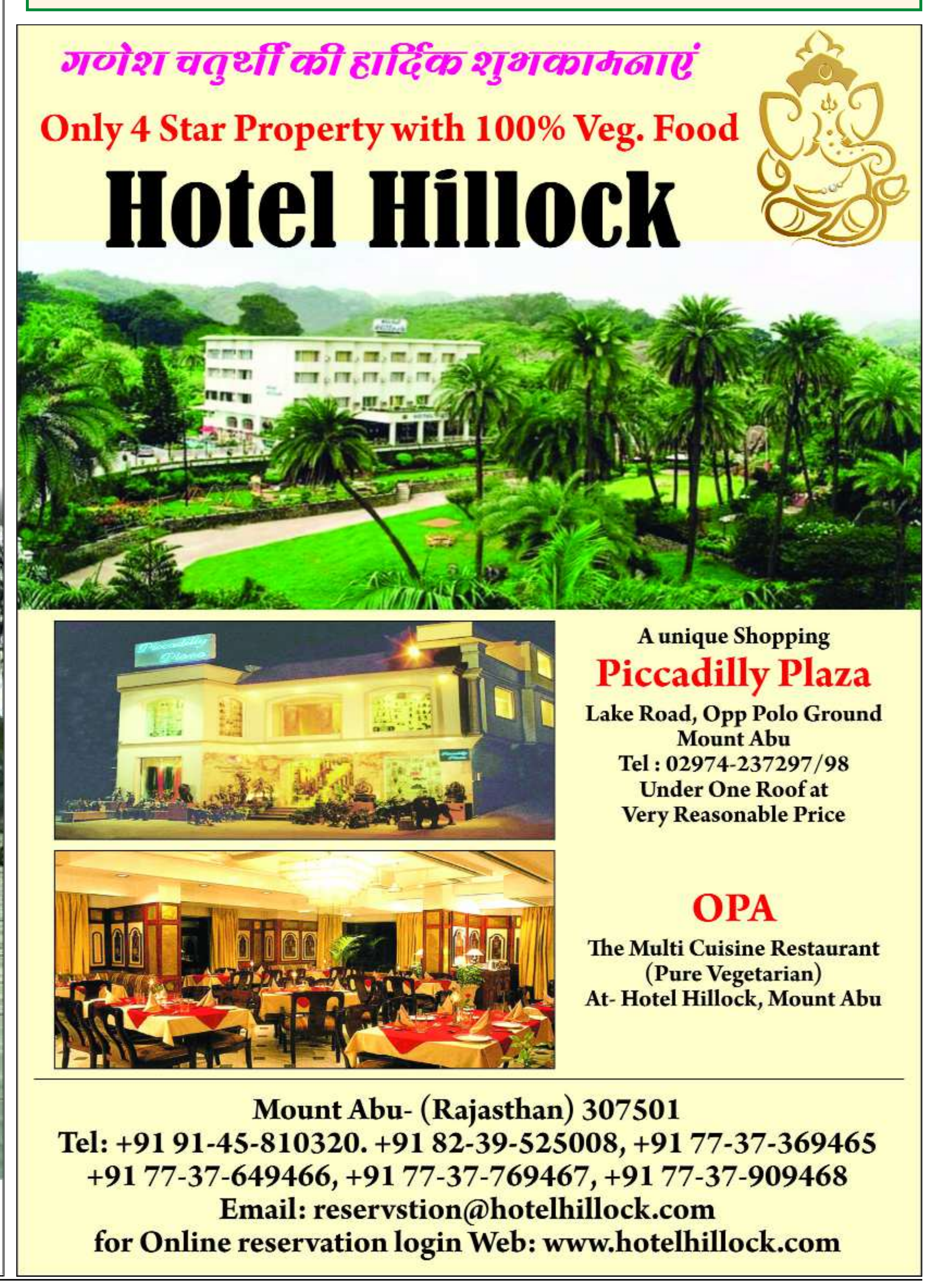

संपादक : **ज्ञानेन्द्र मिश्रा** मो.-9829329070, फोन : 0141-3587886, ईमेल : jagrukjantanews@gmail.com (सभी मामलों का न्याय क्षेत्र जयपुर) * पीआरबी एक्ट के तहत खबर चयन के जिम्मेदार। **संपादकीय कार्यालय** : 180, जे.पी. कॉलोनी, मैन आपीए रोड, 16 नं. बस स्टैण्ड, विद्याधर नगर, जयपुर (राजस्थान)-302039

नौसेना में INS उदयगिरी और हिमगिरी हुए शामिल

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

नई दिल्ली। भारतीय नौसेना की ताकत में मंगलवार को इजाफा हो गया है। नौसेना को दो नई स्टेल्थ फ्रिगेट्स आईएनएस उदयगिरि और आईएनएस हिमगिरि को सौंपे गए है। रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने इस समारोह की अध्यक्षता की है। रक्षा मंत्रालय के अनुसार ये INS उदयगिरि और हिमगिरी स्वदेशी जहाज है। इनकी तैनाती से इंडो पैसिफिक क्षेत्र में होगी जिससे नौसेना की ताकत बढ़ेगी।

रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने कहा गार्डन रीच शिपबिल्डर्स एंड इंजीनियर्स (GRSE) द्वारा निर्मित INS हिमगिरि और मझगांव डॉक शिपबिल्डर्स लिमिटेड द्वारा निर्मित INS उदयगिरि दोनों आधुनिक युद्धपोत हैं जिनका निर्माण स्वदेशी तौर पर किया गया है। उन्होंने आगे कहा कि मुझे बताया गया है कि इन युद्धपोतों में कई उन्नत क्षमताएं हैं। इनमें लंबी दूरी की सतह से सतह पर मार करने वाली मिसाइलें, सुपरसोनिक ब्रह्मोस मिसाइलें, स्वदेशी रॉकेट लॉन्चर, टारपीडो लॉन्चर, युद्ध प्रबंधन प्रणाली और अग्नि नियंत्रण प्रणाली लगाई जा सकती हैं। ये दोनों युद्धपोत समुद्र में खतरनाक अभियानों में गेम-चेंजर साबित होंगे।

राज्यपाल बागडे ने जारी किए आदेश

स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विवि बीकानेर के कुलगुरु एवं कृषि विवि, जोधपुर के कार्यावाहक कुलगुरु डॉ. अरुण कुमार को पद से हटाया

जयपुर @ जागरूक जनता। राज्यपाल एवं कुलाधिपति हरिभाऊ बागडे ने स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय बीकानेर के कुलगुरु एवं कृषि विश्वविद्यालय, जोधपुर के कार्यावाहक कुलगुरु डॉ. अरुण कुमार को तत्काल प्रभाव से पद से हटाने के आदेश जारी किए हैं। बागडे द्वारा जारी आदेशों के अंतर्गत डॉ. अरुण कुमार के विरूद्ध विभिन्न गंभीर शिकायतें प्राप्त हुई थीं। जांच के लिए संभागीय आयुक्त, जोधपुर को निर्देशित किया गया था। संभागीय आयुक्त, जोधपुर द्वारा प्रस्तुत जांच प्रतिवेदन में डॉ. अरुण कुमार द्वारा के विरूद्ध अधिनियम के प्रावधानों का कार्यान्वयन करने में जानबूझकर लोप करने, प्रदत्त शक्तियों का दुरूपयोग करने, विश्वविद्यालय को वित्तीय हानि पहुंचाने आदि के कृत्य प्रथम दृष्टया प्रमाणित पाये गये। राज्यपाल एवं कुलाधिपति हरिभाऊ बागडे ने इस आधार पर राज्य सरकार के परामर्श से डॉ. अरुण कुमार को तत्काल प्रभाव से दोनों विश्वविद्यालयों के कुलगुरु पद से हटाने के आदेश जारी किए हैं।

आईटी मंत्री कर्नल राठौड़ से 'राज किसान साथी' प्रोजेक्ट की टीम ने भेंट की

अंतिम व्यक्ति तक जनकल्याणकारी योजनाओं का पहुंचाएं लाभ-राठौड़

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। 'राजकिसान साथी' परियोजना को प्रतिष्ठित राष्ट्रीय सीआईपीएस इनोवेशन अवार्ड मिलने के बाद प्रोजेक्ट की टीम ने सूचना प्रौद्योगिकी और संचार मंत्री कर्नल राज्यवर्धन राठौड़ से शिष्टाचार भेंट की। कर्नल राठौड़ ने सूचना प्रौद्योगिकी और संचार विभाग की टीम को यह प्रतिष्ठित पुरस्कार प्राप्त करने पर हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं दीं और विभाग को नवीनतम प्रौद्योगिकी के माध्यम से अंतिम व्यक्ति तक जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ पहुंचाने में सहायक बनने के निर्देश दिए।

कर्नल राठौड़ ने इस उपलब्धि पर टीम को बधाई देते हुए निर्देश दिए कि भविष्य में भी सभी एप्लिकेशंस में नवीनतम तकनीकों को सम्मिलित करते हुए राज्य को आईटी के क्षेत्र में देश का मॉडल राज्य बनाया जाए। उन्होंने कहा कि 'राजकिसान साथी' परियोजना जैसे नवाचारों के माध्यम से न केवल किसानों को सशक्त किया जाए, बल्कि अन्य क्षेत्रों में भी प्रौद्योगिकी का उपयोग कर जनकल्याणकारी योजनाओं को और अधिक प्रभावी बनाया जाए। उन्होंने कहा कि सूचना प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में नवाचार और डिजिटल समावेशन को बढ़ावा देकर राजस्थान को देश में अग्रणी बनाना हमारा लक्ष्य है। आईटी मंत्री कर्नल राठौड़ ने विभाग को निर्देश दिए कि आमजन तक योजनाओं की पहुंच को सरल, पारदर्शी और त्वरित करने के लिए कृत्रिम बुद्धिमत्ता, ब्लॉकचेन और डेटा एनालिटिक्स जैसी आधुनिक तकनीकों का उपयोग और अधिक व्यापक स्तर पर किया जाए। उन्होंने कहा कि 'राजकिसान साथी' परियोजना का यह पुरस्कार न केवल विभाग की मेहनत और समर्पण का प्रतीक है, बल्कि यह भी दर्शाता है कि तकनीक के सही उपयोग से समाज के हर वर्ग तक विकास का लाभ पहुंचाया जा सकता है। उन्होंने अधिकारियों से आह्वान किया कि वे इस उपलब्धि को प्रेरणा के रूप में लें और भविष्य में और अधिक नवाचारों के साथ राज्य के विकास में योगदान दें। इस अवसर पर 'राजकिसान साथी' की प्रभारी अधिकारी एवं सिस्टम एनालिस्ट (संयुक्त निदेशक) मोनिका चौधरी ने परियोजना की विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने बताया कि 'राजकिसान साथी' एक एकीकृत ऑनलाइन सिंगल विंडो पोर्टल है, जो 'कृषि को सरल बनाने' की अवधारणा को साकार कर रहा है। राजस्थान इस तरह का समन्वित ढांचा विकसित करने वाला देश का पहला राज्य है। उन्होंने जानकारी दी कि यह पोर्टल कृषि और संबद्ध विभागों के 120 से अधिक मॉड्यूल्स को पूरी तरह डिजिटल, कागज रहित और पारदर्शी प्रणाली के माध्यम से उपलब्ध कराता है। इस प्रणाली ने 1320 टन कागज की बचत, डीबीटी भुगतानों में 33 गुना वृद्धि, आवेदनों की रियल-टाइम ट्रैकिंग और डिजिटलीकरण के जरिए धोखाधड़ी में कमी जैसे उल्लेखनीय नतीजे दिए हैं। जियो-टैग्ड सत्यापन, एआई/एमएल आधारित फसल रोग प्रबंधन, ऑनलाइन लाइसेंसिंग और किसानों तक बीज मिनीकिट की डिलीवरी जैसे नवाचारों ने कृषि सेवा वितरण में दक्षता और पारदर्शिता को बढ़ाया है।

इसके तहत अब तक 73 लाख से अधिक किसान जुड़ चुके हैं, 3,500 करोड़ रुपये से ज्यादा की राशि डीबीटी के जरिए वितरित की गई है, 1 लाख से अधिक लाइसेंस जारी किए गए हैं, 58,000 से ज्यादा कृषि छात्राओं को 100 करोड़ रुपये से अधिक की छात्रवृत्तियां दी गई हैं, और राजएग्रीक्यूसी ऐप के माध्यम से 1.1 लाख से अधिक नमूनों का परीक्षण किया गया है।

आरएसजीएल का वार्षिक कारोबार 100 करोड़ के पार, सदस्यों को 0.5 प्रतिशत लाभांश

राज्य सरकार के संयुक्त उपक्रम का पहला एलएनजी प्लांट वित्तीय वर्ष के अंत तक

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। राज्य सरकार के संयुक्त उपक्रम राजस्थान स्टेट गैस द्वारा इस वित्तीय वर्ष के अंत तक राज्य का सार्वजनिक क्षेत्र का पहला लिक्विफाइड नेचुरल गैस प्लांट शुरु कर दिया जाएगा। प्रमुख सचिव माइन्स एवं पेट्रोलियम व चेयरमेन राजस्थान स्टेट गैस टी. रविकान्त ने बताया कि कोटा में 2 नए सीएनजी

चार नए सीएनजी स्टेशन लगेंगे

स्टेशन सहित चार सीएनजी स्टेशन इसी वित्तीय वर्ष में शुरु किये जाएंगे। एजीएम में शेयर होल्डर्स को 0.5 प्रतिशत की दर से लाभांश वितरित करने का निर्णय किया गया।

चेयरमेन टी. रविकान्त ने आरएसजीएल के वार्षिक कारोबार को मल्टीपल करने की आवश्यकता प्रतिपादित करते हुए हरित उर्जा के क्षेत्र में विशेष हिस्सेदारी निभाने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि डीपीएनजी के साथ ही व्यावसायिक प्रतिष्ठानों को और अधिक संख्या में पीएनजी सुविधाओं से जोड़ने और सेवाओं में विविधिकरण लाया जाएं।

आरएसजीएल के प्रबंध निदेशक रणवीर सिंह ने बताया कि आरएसजीएल का वार्षिक कारोबार बढ़कर 100 करोड़ को पार कर गया है। इसी तरह से 6 करोड़ से अधिक का लाभ रहा है। उन्होंने बताया कि सीएनजी सेगमेंट में 22 प्रतिशत से अधिक की विकास दर रही है।

रणवीर सिंह ने बताया कि राज्य में सार्वजनिक क्षेत्र का पहला एलएनजी स्टेशन नीमराना में स्थापित होने से लंबी दूरी के परिवहन वाहनों को सुविधा मिल सकेगी वहीं आरएसजीएल और गैल द्वारा एलएनजी को लेकर अवेयरनेस कार्यक्रम आयोजित करना आरंभ कर दिया गया है। कोटा में नए डीपीएनजी कनेक्शन जारी करने की कार्ययोजना के साथ ही नए व्यावसायिक व औद्योगिक प्रतिष्ठानों को जोड़ने के प्रयास किये जा रहे हैं। एजीएम में वार्षिक अंकेक्षित लेखों का अनुमोदन किया गया।

पुलिस अधीक्षक ने विकल्प इंडिया सोसाइटी द्वारा संचालित महिला सुरक्षा एवं सलाह केंद्र का निरीक्षण किया

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। पुलिस अधीक्षक कोटा तेजस्विनी गौतम ने महिला अधिकारिता विभाग एवं विकल्प इंडिया सोसाइटी द्वारा संचालित महिला सुरक्षा एवं सलाह केंद्र, पुलिस थाना नयापुरा का निरीक्षण किया। इस केंद्र का उद्देश्य महिलाओं को सुरक्षा और सलाह प्रदान करना है, जिससे वे अपने अधिकारों और सुरक्षा के बारे में जागरूक हो सकें। इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक ने कहा कि महिलाओं की सुरक्षा और सशक्तिकरण के लिए यह केंद्र एक महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने कहा कि इस केंद्र के माध्यम से महिलाओं को न केवल सुरक्षा और सलाह प्रदान की जा रही है , बल्कि उन्हें अपने अधिकारों के बारे में भी जागरूक किया जा रहा है । विकल्प इंडिया सोसाइटी के परामर्शदाताओं अंतिमा शर्मा व दिव्या मेवाड़ा ने पुलिस अधीक्षक का गुलदस्ता भेंट कर आभार व्यक्त किया और संजय कटारा अध्यक्ष विकल्प इंडिया सोसाइटी ने बताया कि "सशक्त नारी, जिम्मेदारी हमारी" के उद्देश्य को लेकर इस केंद्र के माध्यम से वे महिलाओं को सुरक्षा और सलाह प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। महिलाओं की जागरूकता एवं सुरक्षा को दृष्टिगत रखते हुए घरेलू हिंसा एवं उत्पीड़न से पीड़ित महिलाओं के परिवाद को लेकर जिला पुलिस अधीक्षक द्वारा परामर्शदाताओं से चर्चा की गई, जिस पर पुलिस अधीक्षक गौतम द्वारा सकारात्मक प्रतिक्रिया देकर परामर्शदाताओं अंतिमा व दिव्या का उत्साह वर्धन किया और बताया कि इस केंद्र के संचालन से महिलाओं को अपने अधिकारों और सुरक्षा के बारे में जागरूक करने में मदद मिलेगी और उन्हें सशक्त बनाने में भी मदद मिलेगी। महिला अधिकारिता उपनिदेशक मनोज कुमार मीणा जिले की योजना को लेकर पूर्ण संवेदनशीलता एवं जवाबदारी के साथ अपने कर्तव्यों का निर्वहन कर रहे हैं।

यूईएम जयपुर/कोलकाता द्वारा खाटूश्यामजी में आयोजन

शीर्ष विद्यालयों के मध्य तकनीकी बोनांजा प्रतियोगिता आयोजित

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। यूनिवर्सिटी ऑफ़ इंजीनियरिंग एंड मैनेजमेंट (UEM), जयपुर/कोलकाता द्वारा खाटूश्यामजी में जिले के शीर्ष विद्यालयों के बीच सबसे बड़ी अंतर-विद्यालयीय तकनीकी प्रतियोगिता - CONNECTECH (EM तकनीकी बोनांजा-2025) का आयोजन किया गया।

अंतर-विद्यालयीय तकनीकी प्रतियोगिता- CONNECTECH (UEM तकनीकी बोनांजा-2025) कार्यक्रम का विधिवत शुभारंभ यूनिवर्सिटी ऑफ़ इंजीनियरिंग एंड मैनेजमेंट (यूईएम), जयपुर के वाईस चांसलर प्रो डॉ बिस्वजॉय चटर्जी, रजिस्ट्रार डॉ प्रदीप कुमार शर्मा, कृशानु बनर्जी, सुमन चक्रबर्ती आदि ने माँ सरस्वती की प्रतिमा के सामने दीप प्रज्वलित कर किया।

अंतर-विद्यालयीय तकनीकी प्रतियोगिता -CONNECTECH (श्वरू तकनीकी बोनांजा) में रेनबो साइंस अकादमी , फ्रेंड्स चिल्ड्रन अकादमी, पी. एम. श्री सीनियर सेकेंडरी स्कूल, सी. सी. अकादमी (यूरो किड्स), रींगस, फ्रेंड्स ग्रुप ऑफ एजुकेशन, श्री श्याम विद्यापीठ स्कूल, मदर लैंड पब्लिक स्कूल, आदि सहित आस पास के अधिकतम टॉप स्कूलों से विज्ञान के छात्रों ने भाग लिया। कार्यक्रम में यूनिवर्सिटी ऑफ़ इंजीनियरिंग एंड मैनेजमेंट (यूईएम), जयपुर/ कोलकाता द्वारा "रेनबो साइंस अकादमी, खाटूश्यामजी" को अंतर-विद्यालयीय तकनीकी प्रतियोगिता- CONNECTECH (UEM तकनीकी बोनांजा) में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने पर चैंपियन स्कूल व "सी. सी. अकादमी (यूरो किड्स) रींगस" चौमू को उपविजेता स्कूल वर्ष 2025 का ख़िताब देकर पुरस्कृत किया गया।

उपरोक्तानुसार अंतर-विद्यालयीय तकनीकी प्रतियोगिता - CONNECTECH (UEM तकनीकी बोनांजा) कार्यक्रम में छात्रों ने पांच स्पर्धाओं 1. NIRMANA - विज्ञान मॉडल प्रतियोगिता - कक्षा 9 से 12 तक, 2. पाइथागोरस स्टार - मैथ्स टेस्ट - कक्षा 9 और 10 तक, 3. PYTHAGO-RAS PRO - मैथ्स टेस्ट - कक्षा 11 और 12 तक, 4. जिज्ञासा प्रतियोगिता कक्षा - 11 से 12 तक व 5. जनरल - क्विज प्रतियोगिता कक्षा - 09 से 12 में भाग लिया।

प्रत्येक कार्यक्रम के लिए प्रथम, द्वितीय और तृतीय स्थान हासिल करने वाले छात्रों को यूनिवर्सिटी ऑफ़ इंजीनियरिंग एंड मैनेजमेंट (यूईएम), जयपुर/कोलकाता की और से नकद पुरस्कार के साथ साथ योग्यता प्रमाण पत्र व स्मृति चिन्ह तथा कार्यक्रम में भाग लेने वाले अन्य छात्रों को भागीदारी प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में विश्विद्यालय के रविंद्र मांजू, ऋद्दय बनर्जी, शुभदीप घोष, पिनाकी करमाकर के अलावा एडमिशन विभाग के आशुतोष गौतम, महेश चौधरी, बाबूलाल शर्मा, श्याम प्रताप भी शामिल हुए साथ ही कार्यक्रम में पधारे हुए सभी अतिथियों का यूनिवर्सिटी कुलपति प्रो. डॉ. बिस्वजॉय चटर्जी ने धन्यवाद ज्ञापित किया।

जल भराव के कारणों का अध्ययन कर वैकल्पिक उपाय सुझाएं, अधिक से अधिक लोगों को राहत पहुंचाएं -लोकसभा अध्यक्ष

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने कहा कि सभी अधिकारी संवेदनशीलता के साथ प्रयास करें कि कोटा-बूंदी जिले में पिछले दिनों हुई अतिवृष्टि एवं बाढ़ से प्रभावित लोगों को अधिक से अधिक सहायता एसडीआरएफ नॉर्म्स के तहत मिल सके। उन्होंने कहा कि प्रभावित लोगों को कैसे राहत पहुंचाई जाए, इस दिशा में हर संभव कोशिश की जाए। बिरला ने कहा कि हाल ही में दोनों जिलों में बाढ़ से प्रभावित परिवारों को जन सहयोग के माध्यम से राशन सामग्री, कपड़े, बर्तन, बिस्तर आदि उपलब्ध कराए जाएं ताकि उनका जीवन फिर से सामान्य हो सके।

लोकसभा अध्यक्ष मंगलवार को कलेक्ट्रेट सभागार में कोटा-बूंदी लोकसभा क्षेत्र में पिछले दिनों हुई अतिवृष्टि से प्रभावित लोगों को पहुंचाई जा रही राहत की समीक्षा कर रहे थे। उन्होंने कहा कि क्षति का सर्वे पूरी संवेदनशीलता के साथ करते हुए अधिक से अधिक लोगों को राहत पहुंचाएं। सभी उपखंड अधिकारी अपने ब्लॉक में पटवारियों को यह निर्देश प्रदान करें कि एसडीआरएफ के तहत मकान की क्षति के लिए मिलने वाली सहायता राशि के आवेदन के समय प्रभावितों से जमीन का पट्टा नहीं मांगा जाए क्योंकि नॉर्म्स के तहत पट्टा मांगने का कोई प्रावधान नहीं है। बिरला ने कहा कि घास-फूस एवं पत्तियों से बनी झोंपड़ी के अलावा जिन घरों की दीवारें बनी हुई थी और छप्पर डला हुआ था उन्हें कच्चे मकान की श्रेणी में सहायता दिलाई जाए। साथ ही, बर्तनों की क्षति के ढ़ाई हजार, कपड़ों की क्षति के ढ़ाई हजार तथा पारम्परिक व्यवसाय करने वाले कारीगरों को औजारों की क्षति के पांच हजार रुपये दिलाने का प्रयास किया जाए ताकि उन्हें अतिरिक्त सहायता मिल सके। प्रयास किए जाएं कि जिनके मकान क्षतिग्रस्त हुए हैं उन्हें अधिक से अधिक सहायता मिल सके।

लोकसभा अध्यक्ष ने कहा कि कई स्थानों पर पानी की निकासी बंद होने के कारण पानी गांव एवं बस्तियों में भर गया। इस संबंध में पटवारी, ग्राम सेवक एवं ग्राम पंचायत सदस्यों से रिपोर्ट लेकर जल भराव के कारणों का अध्ययन किया जाए। उन्होंने इस समस्या के समाधान के लिए उपखंड स्तर पर एसडीएम की अध्यक्षता में सीएडी, सिंचाई, पीडब्ल्यूडी एवं पंचायती राज विभाग के अधिकारियों को शामिल करते हुए कमेटी गठित करने के निर्देश दिए जो जल भराव के कारणों के बारे में लोगों से चर्चा करें एवं भविष्य में अधिक वर्षा होने की स्थिति में फिर से पानी नहीं भरे इसके उपायों के बारे में सुझाव दे। उन्होंने नगरपालिका एवं नगर निगम क्षेत्र में भी संबंधित विभागों के अधिकारियों की कमेटी बनाकर शहरी क्षेत्र में जल भराव के कारणों एवं भविष्य में पानी की निकासी के लिए वैकल्पिक उपाय सुझाने के संबंध में निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जिन गांवों में जल भराव के बाद मलबा एकत्र हो गया है वहां मनरेगा के तहत श्रमिक लगाकर सफाई करवाई जाए।

बैठक में एडीएम सीलिंग कृष्णा शुक्ला अपने प्रस्तुतिकरण में बताया कि पिछले दिनों हुई अतिवृष्टि के दौरान दीगोद तहसील के निमोदा हरि जी एवं डूंगरज्या गांव में जिला प्रशासन द्वारा एनडीआरएफ, एसडीआरएफ टीमों एवं सेना की मदद से 236 लोगों को रेस्क्यू कर सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया, पीपल्दा तहसील के आयानी गांव में जल भराव होने पर 50 लोगों को रेस्क्यू किया गया। नगर निगम कोटा द्वारा कोटिल्य नगर एवं देवली अरब से 16 लोगों को रेस्क्यू कर सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया। इस दौरान विभिन्न स्थानों पर 12 आश्रय स्थल बनाए गए और प्रभावितों को फूड पैकेट वितरित किए गए। वर्षाजनित हादसों में अभी तक 7 मृतकों के आश्रितों को एसडीआरएफ नॉर्म्स के तहत 4 लाख रुपये प्रति व्यक्ति सहायता राशि उपलब्ध कराई गई, बाकी के प्रकरणों में कार्यवाही जारी है।

उन्होंने बताया कि जिले में अतिवृष्टि से 17 कच्चे एवं एक पक्का मकान पूर्ण क्षतिग्रस्त, 8 पक्के एवं 49 कच्चे मकान अधिक क्षतिग्रस्त तथा 12 पक्के एवं 586 कच्चे मकान आंशिक रूप से क्षतिग्रस्त हुए हैं। इन प्रकरणों में एसडीआरएफ नॉर्म्स के तहत प्रभावितों को सहायता उपलब्ध कराई जाएगी। बैठक में बताया गया कि कोटा जिले में एसडीआरएफ के तहत क्षतिग्रस्त सरकारी परिसंपत्तियों के प्राप्त प्रस्तावों में शिक्षा विभाग के 1033, चिकित्सा विभाग के 154, महिला एवं बाल विकास विभाग के 341, पंचायत समितियों के 82, सीएडी के 67 तथा अन्य विभागों के 11 प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं। पीडब्ल्यूडी द्वारा 421 क्षतिग्रस्त सड़कों के करीब सवा सात करोड़ रुपये के प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं। पशुओं को हुई क्षति के लिए नियमानुसार पशुपालकों को सहायता राशि उपलब्ध कराई जाएगी।

बूंदी जिला कलक्टर अक्षय गोदारा ने प्रस्तुतिकरण के माध्यम से बताया कि जिले में अतिवृष्टि के कारण 87 गांव प्रभावित हुए, करीब ढाई हजार लोगों को रेस्क्यू कर 37 राहत शिविरों में ठहराया गया।

उन्होंने बताया कि एसडीआरएफ नॉर्म्स के तहत सहायता के लिए सार्वजनिक निर्माण विभाग द्वारा 213 क्षतिग्रस्त सड़कों की मरम्मत के करीब 4 करोड़ 90 लाख रुपये के प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं। एसडीआरएफ के तहत क्षतिग्रस्त सरकारी परिसंपत्तियों के प्राप्त प्रस्तावों में शिक्षा विभाग के 1254, पंचायती राज विभाग के 183, महिला एवं बाल विकास विभाग के 293 प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं।

फसल खराबे का अधिक से अधिक मुआवजा मिले

बैठक में कृषि विभाग के अधिकारियों ने बताया कि अतिवृष्टि से कारण सोयाबीन एवं उड़द की फसलों को सर्वाधिक नुकसान हुआ है। श्री बिरला ने लघु एवं सीमान्त कृषकों को एसडीआरएफ के तहत फसल खराबे का अधिक से अधिक का मुआवजा दिलाने, भारी बारिश के कारण सड़कों पर बने गड्ढे भरने का कार्य शीघ्र शुरु करने, ड्रेनेज सिस्टम चेक करने, बाढ़ प्रभावितों को भामाशाहों एवं सामाजिक संस्थाओं की मदद से खाद्य सामग्री एवं अन्य आवश्यक वस्तुएं उपलब्ध कराने, जहां बिजली व्यवस्था ठप हुई है वहां बिजली सुचारु करने, पीने के पानी की व्यवस्था टैंकरों के माध्यम से करने, जिनके मकान क्षतिग्रस्त हुए हैं उन्हें शीघ्र सहायता राशि दिलाने के लिए पटवारी के माध्यम से जल्दी प्रस्ताव मंगवाने सहित अन्य निर्देश जिला कलक्टर एवं उपखंड अधिकारियों को दिए। उन्होंने किसानों को उर्वरकों के साथ अटैचमेंट दे रहे डीलरों के खिलाफ कार्यवाही करने के भी निर्देश दिए।

भारत के उज्ज्वल भविष्य के लिए आधार है संस्कृत-मा.दत्तात्रेय

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। संस्कृत भारती द्वारा आयोजित गोष्ठी में भारत के उज्ज्वल भविष्य पर विचार विमर्श किया गया। गोष्ठी संस्कृत भारती के अखिल भारतीय सह संघटन मन्त्री दत्तात्रेय वंजल्री के सानिध्य में सम्पन्न हुई। उन्होंने बताया कि संस्कृत भारती विगत 5 दशकों से समाज में संस्कृत को जनभाषा बनाने का मुख्य कार्य कर रही हैं। जिसमें मुख्य प्रकल्प प्रतिदिन 2 घंटा दस दिवसीय संस्कृत सम्भाषण शिविर होता हैं।

संस्कृत में ज्ञान एवं विज्ञान का अनन्त भण्डार हैं तथा भारत के उज्ज्वल भविष्य के लिए संस्कृत आधार का काम करेगी। इस गोष्ठी में राजस्थान क्षेत्र संघटन मंत्री कमल शर्मा ने विशेष कार्यक्रम Sanskrit for future (भविष्याय संस्कृतम्) के बारे में अवगत कराया। कार्यक्रम की कड़ी में जयपुर महानगर में एक व्यापक स्तर पर एक साथ पृथक - पृथक स्थानों पर 108 शिविरों का आयोजन होगा। जिसके लिए व्यवस्थित तैयारी चल रही हैं। ये 108 शिविर 10 सितम्बर से 19 सितम्बर पर्यन्त जयपुर शहर के विभिन्न महाविद्यालयों, विश्वविद्यालयों एवं विद्यालयों में निःशुल्क रूप से आयोजित किए जायेंगे। इन सभी शिविरों का भव्य समापन कार्यक्रम वृहद् स्तर पर परिष्कार महाविद्यालय, शिप्रापथ, मानसरोवर में 20 सितम्बर को किया जाएगा। कार्यक्रम की थीम Sanskrit for future (भविष्याय संस्कृतम्) रखी गई है।

गोष्ठी में उपस्थित कार्यकर्ताओं ने कार्य के सफल संचालन के लिए अपनी-अपनी जिम्मेदारी निर्धारित की एवं कार्यक्रम को विशिष्ट बनाने के क्रम में विज्ञान प्रदर्शनी, संस्कृत सांस्कृतिक कार्यक्रम तथा कार्यक्रम की सफलता पर व्यापाक चिन्तन किया। शिविरों के सामपन का भव्य कार्यक्रम 20 सितम्बर को परिष्कार महाविद्यालय में किया जाएगा।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा किसान हितों के प्रति संवेदनशील

राज्य में मांग अनुसार उर्वरकों की पर्याप्त आपूर्ति एवं अतिरिक्त आपूर्ति की कार्यवाही जारी

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। राज्य सरकार और कृषि विभाग द्वारा किसानों को उर्वरकों की निर्बाध आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए सभी आवश्यक कदम उठाए जा रहे हैं। विशेष रूप से यूरिया और डीएपी (डाय-अमोनियम फॉस्फेट) की उपलब्धता पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। राज्य सरकार द्वारा उर्वरकों की दैनिक उपलब्धता पर लगातार निगरानी रखी जा रही है। कम उपलब्धता और अधिक खपत वाले जिलों व ब्लॉकों को चिन्हित कर प्रदेश भर में प्राथमिकता के साथ पूर्ण पारदर्शिता से डीएपी व यूरिया का वितरण किया जा रहा है। उर्वरकों की कालाबाजारी व जमाखोरी को रोकने के लिए कृषि विभाग के अधिकारी प्रदेश भर में पूर्ण सतर्कता से कार्य कर रहे हैं।

केंद्र सरकार की ओर से यूरिया, डीएपी एव अन्य उर्वरकों का राज्यों को माहवार व कंपनीवार आवंटन किया जाता है। राज्य सरकार द्वारा प्राप्त आवंटन एवं जिलों की मांग के अनुसार जिलेवार आपूर्ति योजना तैयार कर प्रदेश में उर्वरकों को वितरण कराया जाता है। राज्य सरकार किसानों के हितों के लिए प्रतिबद्ध हो कर कार्य कर रही है और यह सुनिश्चित करने हेतु हर संभव प्रयास कर रही है कि खेती-किसानी में किसी प्रकार की बाधा न आए। यूरिया एवं डीएपी की पर्याप्त उपलब्धता के साथ-साथ उनकी उचित कीमत पर आपूर्ति भी सुनिश्चित की जा रही है। कृषकों को मृदा स्वास्थ्य कार्ड में अंकित सिफारिश के अनुसार ही उर्वरकों के उपयोग हेतु प्रेरित करने, उर्वरकों का समान रूप से पारदर्शिता के साथ वितरण कराने और उर्वरक वितरण में अनियमित्ता बरतने वाले विक्रेताओं, जमाखोरों और कालाबाजारी करने वालों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई हेतु समस्त जिलाधिकारियों को निर्देशित किया गया है।

अप्रैल से अगस्त तक केंद्र से यूरिया की 8.23 एमटी की आपूर्ति

राज्य सरकार द्वारा निरंतर केंद्र सरकार के साथ समन्वय स्थापित कर प्रदेश की मांग अनुसार उर्वरकों की आपूर्ति करवाई जा रही है। राज्य के किसानों को पर्याप्त मात्रा में उर्वरकों की उपलब्धता सुनिश्चित करने हेतु खरीफ 2025 में अप्रैल से अगस्त तक भारत सरकार द्वारा आवंटित 8 लाख 82 हजार मैट्रिक टन यूरिया के विरुद्ध अब तक 8 लाख 23 हजार मैट्रिक टन की आपूर्ति की जा चुकी है। अगस्त माह की शेष अवधि में 59 हजार मैट्रिक टन यूरिया की आपूर्ति राज्य सरकार द्वारा कराये जाने की कार्यवाही की जा रही है।

केंद्र से स्वीकृत 4.75 एमटी डीएपी के विरुद्ध 3.59 लाख एमटी की आपूर्ति

माह अप्रैल से अगस्त तक भारत सरकार द्वारा आवंटित 4 लाख 75 हजार मैट्रिक टन डीएपी के विरुद्ध अब तक 3 लाख 59 मैट्रिक टन डीएपी की आपूर्ति की जा चुकी हैं, शेष 27 हजार मैट्रिक टन डीएपी की आपूर्ति प्रस्तावित है। प्रदेश में वर्तमान में 1 लाख 86 हजार मैट्रिक टन यूरिया, 1 लाख 20 हजार मैट्रिक टन डीएपी, 0.81 लाख मैट्रिक टन एनपीके एवं 1 लाख 93 हजार मैट्रिक टन एसएसपी उर्वरकों का स्टॉक उपलब्ध है। वर्तमान में गत वर्ष की तुलना में फॉस्फेटिक उर्वरकों का स्टॉक 1 लाख मैट्रिक टन अधिक है एवं आपूर्ति जारी है। यूरिया की लगभग 8000 मैट्रिक व डीएपी की 10 हजार 900 मैट्रिक उर्वरक रेल द्वारा परिवहन में है।

श्रृंगारपूरा से मोती डूंगरी गणेश मंदिर तक निकाली 10वीं विशाल पदयात्रा, झांकी रही आकर्षण का केंद्र

जयपुर @ जागरूक जनता। नारायण विहार स्थित श्रृंगारपूरा में नवयुवक मंडल द्वारा मंगलवार को 10वीं विशाल पदयात्रा निकली गई। पदयात्रा श्रृंगारपूरा बालाजी मंदिर से मोती डूंगरी गणेश मंदिर तक निकली गई। पदयात्रा में गणेश जी की झांकी सजाई गई जो आकर्षण का केंद्र रही। नवयुवक मंडल के पप्पू मीणा ने बताया कि हर साल की भांति इस साल भी गणेश महोत्सव से एक दिन पूर्व पदयात्रा निकाली गई। जिसमें गणेश जी का रथ सजाया गया और झांकी सजाई गई। पदयात्रा में क्षेत्र के सैकड़ों भक्तगणों ने भाग लिया। पदयात्रा में सभी भजन व हरि कीर्तन के साथ गणेश जी महाराज के जयकारों एवं बैंड बाजे के साथ नाचते गाते श्रृंगारपूरा बालाजी मंदिर से रवाना हुए। इस दौरान राजकुमार मीणा, मुकेश मीणा, भगवान सहाय मीणा, बाबूलाल मीणा आदि सैकड़ों भक्तगणों ने पदयात्रा में भाग लिया।

डीजीपी श्री राजीव कुमार शर्मा ने डूंगरपुर के देवल में सीएलजी सदस्यों व आमजन से किया संवाद

पुलिस बनेगी युवाओं व महिलाओं की मददगार– डीजीपी राजीव शर्मा

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। पुलिस महानिदेशक राजीव कुमार शर्मा अपने दो दिवसीय उदयपुर रेंज प्रवास के दौरान मंगलवार को सुबह पुलिस जवानों की समस्याएं सुनने के बाद डूंगरपुर जिले के देवल गांव स्थित पॉलिटेक्निक कॉलेज पहुंचे और यहां आयोजित जनसहभागिता शिविर में सीएलजी (कम्युनिटी लायजन ग्रुप) सदस्यों व आमजन से संवाद किया। इस दौरान लोगों ने खुलकर अपनी समस्याएं व सुझाव रखे। जनसंवाद में सेवानिवृत्त एएसआई महेन्द्रसिंह, चैंबर ऑफ कॉमर्स सदस्य प्रभुलाल पटेल, समाजसेवी सुरेश फलोजिया, अचला वसीटा, लक्ष्मण कोटेड, कुसुमलता, ममता जैन, रेखा, पूजा, केवलराम, जयदीप भट्ट सहित ग्रामीणों व सीएलजी सदस्यों ने कानून-व्यवस्था, जन सुरक्षा, सड़क दुर्घटना में कमी, पुलिस कार्मिकों के आरजीएचएस कार्ड का गुजरात में लाभ न मिलना, युवाओं में ड्रग्स व जुए की लत, विद्यालय समय में पुलिस गश्त की आवश्यकता, साइबर क्राइम रोकथाम, रेलवे में महिला स्टाफ की नियुक्ति, हथियार लहराते बाइकर्स और नाबालिग वाहन चालकों पर रोक जैसे मुद्दे उठाए। इसके अतिरिक्त देवल गांव व पुरानी जेल में नया थाना खोलने, बनकोड़ा में स्थायी पुलिस चौकी स्थापित करने, ग्रामीण क्षेत्रों में सीसीटीवी लगाने, पावर बाइक राइडर्स व गोवंश तस्करी पर अंकुश लगाने की मांग की गई। लोगों ने नशा मुक्ति के लिए जन जागरूकता अभियान चलाने और राजीविका महिला कर्मियों को रिकवरी के दौरान पुलिस सुरक्षा देने की भी मांग रखी। जनसंवाद के दौरान कई वक्ताओं ने "ऑपरेशन संस्कार" और पुलिस अधीक्षक की कार्यप्रणाली की प्रशंसा भी की।

महिला सुरक्षा के लिए मुख्यमंत्री गंभीर

डीजीपी राजीव कुमार शर्मा ने कहा कि जन सहभागिता शिविर जैसे आयोजनों में धरातल से मिला फीडबैक पुलिस के कामकाज में सुधार का आधार बनेगा। प्रदेश में महिलाओं की सुरक्षा को लेकर मुख्यमंत्री गंभीर हैं। इसी उद्देश्य से जयपुर में चलाया जा रहा अभियान "सशक्त नारी, जिम्मेदारी हमारी" अब डूंगरपुर में भी शुरू किया जाएगा।

चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवाओं की समीक्षा

दिव्यांगता प्रमाण-पत्र के आवेदन ऑनलाइन प्रोसेस करने के निर्देश, मौसमी बीमारियों सहित अन्य विषयों पर भी हुई समीक्षा

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। प्रदेश में चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवाओं का प्रभावी संचालन सुनिश्चित करने के उद्देश्य से मंगलवार को स्वास्थ्य भवन में वीडियो कांफ्रेसिंग के माध्यम से साप्ताहिक समीक्षा बैठक आयोजित की गयी। बैठक में शारीरिक व मानसिक स्वास्थ्य से संबंधित दिव्यांगता प्रमाण-पत्र की आवेदन प्रक्रिया को पूरी तरह ऑनलाइन किए जाने के निर्देश जारी किये गये। बैठक में मौसमी बीमारियों सहित विषयों पर भी समीक्षा कर आवश्यक दिशा-निर्देश दिये गये।

मिशन निदेशक एनएचएम डॉ. अमित कुमार यादव, अतिरिक्त मिशन निदेशक एनएचएम डॉ.टी. शुभमंगला, निदेशक जनस्वास्थ्य डॉ. रवि प्रकाश शर्मा ने मौसमी बीमारियों, टीबी मुक्त अभियान, एनसीडी गतिविधियों, यूडीआईडी कार्ड, मेडिको लीगल केस, अपंजीकृत चिकित्सक एवं प्रयोगशालाओं के विरूद्ध की गयी कार्यवाहियों, आरजीएचएस व आयुष्मान योजना, राज हैल्थ पोर्टल पर चिकित्सा संस्थानों व स्वास्थ्यकार्मिकों की मैपिंग कार्य में प्रगति इत्यादि विभिन्न विषयों पर जिलावार जानकारी लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश दिये।

निदेशक जनस्वास्थ्य ने बताया कि प्रदेश में चिकित्सा संस्थानों एवं समस्त स्तर के स्वास्थ्यकार्मिकों का सम्पूर्ण प्रोफाइल विवरण राजहैल्थ पोर्टल पर 31 अगस्त तक आवश्यकरूप से अपलोड करने के निर्देश दिये गये हैं। उन्होंने बताया कि भविष्य में इसी पोर्टल के माध्यम से चिकित्सा प्रबंधन से जुड़ी विभिन्न कार्यवाहियां ऑनलाइन की जायेंगी। उन्होंने सिलिकोसिस, सर्वाइकल कैंसर, मधुमेह, टीबी, लिवर आदि रोगों के संभावित व्यक्तियों की पीएचसी व सीएचसी स्तर से भी आवश्यक स्वास्थ्य जांच कर रिपोर्टिंग करने के निर्देश दिए। साथ ही, उच्च उपचार हेतु संबंधित चिकित्सा संस्थानों में रैफर करने के निर्देश दिये। बैठक में निदेशक आरसीएच डॉ. मधु रतेश्वर, परियोजना निदेशक एनएचएम संतोष कुमार गोयल, अतिरिक्त निदेशक अराजपत्रित सुशील परमार सहित संबंधित अधिकारीगण एवं सभी संभागों के संयुक्त निदेशक तथा मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारियों व जिला-ब्लॉक के अधिकारीगण मौजूद थे।

भारतीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का 7 साल बाद चीन दौरा 31 अगस्त से

जब मोदी का राष्ट्रपति जिनपिंग खुद करेंगे स्वागत, जल उठेगा अमेरिका

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी चीन का दौरा करने जा रहे हैं। पीएम मोदी साल 2020 में गलवान में हुए सैन्य संघर्ष के बाद पहली बार चीन की यात्रा पर जा रहे हैं। चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग इस दौरान खुद पीएम मोदी का स्वागत करेंगे। गलवान में हुए सैन्य संघर्ष के बाद भारत और चीन के संबंध निचले स्तर तक पहुंच गए थे। लेकिन, अब दोनों देशों के रिश्तों पर जमी बर्फ पिघलती हुई नजर आ रही है। 31 अगस्त और 1 सितंबर 2025 को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी करीब सात साल बाद चीन की यात्रा करने जा रहे हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक, चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का व्यक्तिगत तौर पर स्वागत करने वाले हैं। पीएम मोदी तियानजिन में होने वाले शंघाई सहयोग संगठन (SCO) शिखर सम्मेलन में हिस्सा लेंगे।

ग्लोबल टाइम्स कर रहा है पीएम मोदी की तारीफ

पीएम मोदी का चीन दौरा ऐसे समय पर हो रहा है जब अमेरिका ने भारत के खिलाफ एक तरह से टैरिफ वॉर छेड़ रखी है। ऐसे मोके पर चीन का सरकारी अखबार ग्लोबल टाइम्स भी भारत और प्रधानमंत्री मोदी की तारीफ कर रहा है। ग्लोबल टाइम्स ने हाल ही में लिखा था मोदी, चीन के दौरे पर आ रहे हैं, ये बहुत बड़ी और अच्छी बात है। इससे चीन और भारत दोनों देशों को फायदा होगा। शांति और स्थिरता को बढ़ावा मिलेगा। चीन और भारत को भाई-भाई बताते हुए ग्लोबल टाइम्स ने लिखा कि मुश्किल वक्त में भाई की मदद करने से अपना भी भला होता है। ग्लोबल टाइम्स का इशारा भारत पर ट्रंप के टैरिफ की तरफ था। वैसे भारत और चीन के बीच बढ़ते संबंधों की वजह से अमेरिका को परेशानी तो जरूर होगी।

मोदी की चीन यात्रा के मायने?

पीएम मोदी का चीन दौरा बेहद अहम माना जा रहा है। इस यात्रा का उद्देश्य ना केवल रिश्तों को फिर से सक्रिय करना, बल्कि सीमा विवाद का समुचित समाधन की ओर अग्रसर होना भी है। शंघाई सहयोग संगठन (SCO) शिखर सम्मेलन में दुनिया के करीब 20 नेता शामिल होंगे। इस सम्मेलन के जरिए पश्चिम के दबाव को बेअसर करने पर विचार हो सकता है साथ ही अमेरिकी टैरिफ वॉर के खिलाफ प्रभावी रणनीति पर भी चर्चा संभव है। यह ग्लोबल साउथ एकजुटता को दिखाने का एक प्रभावशाली अवसर भी होगा।

संबंधों को मजबूत करने का अवसर

चीन के बीच उच्च स्तरीय संवाद का सिलसिला जारी है। हाल ही में चीनी विदेश मंत्री वांग यी ने भारत का दौरा किया था। इस दौरान दोनों पक्षों ने सीमा पर शांति, सीमा वार्ता, ऊर्जा और वाणिज्य जैसे क्षेत्रों में विश्वास बहाली के संकेत दिए हैं। अब पीएम मोदी के चीन दौरे से दोनों देश सौहार्दपूर्ण संबंध की दिशा में आगे बढ़ सकते हैं। यह वाणिज्यिक, रणनीतिक, आर्थिक और राजनीतिक रूप से भी संबंधों को मजबूत करने का बड़ा अवसर होगा।

विदेश मंत्रालय ने क्या कहा?

विदेश मंत्रालय में सचिव (पश्चिम) तन्मय लाल ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में इस बारे में जानकारी दी है। विदेश मंत्रालय के अधिकारी ने कहा, "प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग के निमंत्रण पर 31 अगस्त और 1 सितंबर को शंघाई सहयोग परिषद (SCO) प्रमुखों की परिषद की 25वीं बैठक के लिए चीन के तियानजिन का दौरा करेंगे।"

मोदी के चीन दौरों पर एक नजर

» पीएम मोदी पहली बार 14-16 मई 2015 को चीन के दौरे पर गए थे। यहां उन्होंने बीजिंग, शंघाई और शियान का दौरा किया था।

» पीएम मोदी की दूसरी चीन यात्रा 4-5 सितंबर 2016 को हुई थी। तब वो हांगझोऊ में G20 शिखर सम्मेलन में शामिल होने के लिए गए थे।

» पीएम मोदी की तीसरी यात्रा 3-5 सितंबर 2017 को हुई थी। तब पीएम ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में हिस्सा लेने के लिए पहुंचे थे।

» पीएम मोदी ने चौथी चीन यात्रा 27-28 अप्रैल 2018 को की थी।

» 9-10 जून 2018 को पीएम मोदी ने चीन की 5वीं यात्रा थी। तब पीएम किंगदाओ में SCO समिट में शामिल हुए थे।